सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

Published from Ranchi

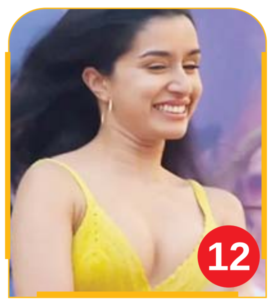

12

रोहन श्रेष्ठ से ब्रेकअप के बाद श्रद्धा कपूर को...

Ranchi ● Saturday, 07 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 260 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	65,995.63
निफ्टी	:	19,653.50

SARAFA

सोना	:	5410
चांदी	:	66.91

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एसीबी ने 15 हजार रुपए घूस लेते हल्का कर्मचारी को किया गिरफ्तार

CHATRA : भ्रष्टाचार के विरुद्ध एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपया घूस लेते हल्का कर्मचारी बिपिन चौबे को गिरफ्तार किया है। एसीबी हजारीबाग की टीम ने हंटरगंज प्रखंड के जोरी हल्का कर्मचारी कार्यालय से उसे गिरफ्तार किया। एसीबी गिरफ्तारी के बाद विपिन चौबे को अपने साथ हजारीबाग ले गई है। इस संबंध में एसीबी के डीएसपी विमलेश त्रिपाठी ने की पुष्टि करते हुए कहा कि गिरफ्तार कर्मचारी जोरी हल्का 11 में पदस्थापित था और उसने भूमि से संबंधित दस्तावेज के नाम पर घूस मांगी थी।

चुट्टूपालू घाटी में बोरी में बंद मिला महिला का शव

RAMGARH : रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुट्टूपालु घाटी में बोरी में बंद एक महिला का शव बरामद हुआ। इस वारदात को अंजाम देने वाले हत्यारे की तलाश में पुलिस जुट गई है। इस घटना के बारे में शुक्रवार को रामगढ़ थाना प्रभारी रोहित महतो ने बताया कि गुरुवार की देर शाम गड़के मोड़ के पास बने हुए वन विभाग के वॉच टावर के पास कुछ लोगों ने बोरी में बंद महिला की लाश देखी। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची। पुलिस ने देखा कि महिला लेगिंग्स कुर्ती पहनी हुई थी और उसकी मांग में सिंदूर भी लगा हुआ था। पुलिस ने यह अंदाजा लगाया है कि इस शादीशुदा महिला की हत्या कहीं और की गई है और बोरी में बंद कर लाश को यहां ठिकाने लगाने की कोशिश की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने उस महिला की तस्वीर को सभी थानों में भेज दिया है।

जेपी नड्डा ने भारत राष्ट्र समिति को बताया 'भ्रष्टाचार रिश्वत समिति'

NEW DELHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को तेलंगाना की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति पर जमकर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने बीआरएस को पारिवारिक पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि यह 'भ्रष्टाचार रिश्वत समिति' है। शुक्रवार को भाजपा की तेलंगाना इकाई की राज्य परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि बीआरएस सरकार ने तेलंगाना में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है, इसे पूरी तरह से हराने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा भ्रष्टाचारियों से समझौता नहीं करेगी बल्कि उनका मुकाबला करेगी। आईएनडीआईए गठबंधन की पार्टियां पारिवारिक हैं। नड्डा ने कांग्रेस को सोनिया-राहुल-प्रियंका की पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि हमारे देश की जनता कभी भी वंशवादी पार्टियों का समर्थन नहीं करेगी। भारत का लोकतंत्र किसी परिवार विशेष का अधीन नहीं हो सकता। नड्डा ने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल जो राष्ट्रीय पार्टी के रूप में लड़ रहा है। आज नहीं तो कल हर राज्य में भाजपा और उसकी विचारधारा होगी।

झारखंड समेत नक्सल प्रभावित राज्यों के सीएम के साथ अमित शाह ने की बैठक, बनी रणनीति

केंद्र सरकार के आर्थिक सहयोग से झारखंड होगा नक्सल मुक्त : हेमंत सोरेन

AGENCY NEW DELHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित वामपंथ उग्रवाद की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उग्रवाद की समस्या की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आवश्यक है कि इन क्षेत्रों में विकासोन्मुखी योजनाएं व्यापक पैमाने पर चलायी जाए, जिसके लिए राज्य को संसाधन की आवश्यकता पड़ेगी। सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार का भारत सरकार के खनन कंपनियों पर करीब एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये बकाया है, जिसे उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने अनुरोध किया कि खनन मंत्रालय को यथाशीघ्र इस बकाया का भुगतान करने का निर्देश निर्गत करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से जनवरी, 2022 से अगस्त, 2023 तक कुल 762 नक्सलियों को गिरफ्तार किया किया गया है। इनमें स्पेशल एरिया कमेटी के 3 सदस्य, रीजनल कमेटी का एक सदस्य, 10 जोनल कमांडर, 16 सब जोनल कमांडर और 25 एरिया कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा 20 नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं, जिनमें स्पेशल एरिया कमेटी का दो, 4 सब जोनल कमांडर और एक एरिया कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा 1160 आईडी और 76 हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस अवधि में 37 नक्सलियों में पुलिस के समक्ष समर्पण किया है, जिनमें स्पेशल एरिया कमेटी का एक, रीजनल कमेटी का तीन, 4 जोनल कमांडर, 9 सब जोनल कमांडर और 10 एरिया कमांडर शामिल हैं।

नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक में शामिल विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री। ● फोटोन न्यूज

सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से सीधा संवाद : नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत दुर्गम क्षेत्रों के ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनका विश्वास जीतने का प्रयास किया जा रहा है। वामपंथी उग्रवादियों के असली चेहरे को जनता के समक्ष उजागर किया जा रहा है। उग्रवादी संगठनों के विरुद्ध चलाये जा रहे इस बहुआयामी अभियान में झारखंड राज्य को अप्रत्याशित सफलता मिली है। नक्सली संगठनों के प्रभाव क्षेत्र में लगातार कमी हो रही है एवं अब उनका दायरा राज्य के कुछेक क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है।

नक्सल विरोधी अभियान में इस्तेमाल होने वाले हेलीकॉप्टर का खर्च एसआरई मद से हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में समय-समय पर हेलीकॉप्टर का भी प्रयोग किया जाता है, जिसके खर्च का वहन एसआरई मद से किया जाता था। गृह मंत्रालय द्वारा 2018-2022 तक की अवधि के खर्च की प्रतिपूर्ति में आपत्ति दर्ज की गयी है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस राशि का भुगतान एसआरई मद से किया जाय तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अधिकार प्राप्त समिति से पूर्व अनुमोदन की अनिवार्यता को समाप्त किया जाय।

सभी जिलों में स्पेशल मॉनिटरिंग सेल का गठन : मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवादी घटनाओं से संबंधित काण्डों के अनुसंधान एवं अभियोजन को बेहतर बनाने के लिए सभी जिलों में विशेष निगरानी कक्ष का गठन किया गया है। राज्य में 2014 से यूएपीए के तहत दर्ज कुल 599 उग्रवाद कांडों में से 426 में अनुसंधान का कार्य पूर्ण कर आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। 21 संवेदनशील कांडों का अनुसंधान एनआईए को सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पड़ोसी सीमावर्ती राज्यों जैसे- बिहार, छत्तीसगढ़, बंगाल, उड़ीसा, तेलंगाना एवं उत्तर प्रदेश के साथ बेहतर समन्वय बनाकर ससमय सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। सूचना आधारित अन्तर्राज्यीय उग्रवाद विरोधी अभियानों का संचालन भी लगातार किया जा रहा है। इसके लिए संयुक्त कमान नियंत्रण केंद्र गया, बिहार का इस्तेमाल किया जाता है। जनवरी, 2022 से अगस्त, 2023 तक कुल 38 अन्तर्राज्यीय सीमा बैठकें आयोजित की गई है। पूर्वी क्षेत्र पुलिस समन्वय की बैठक लगातार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शीर्ष नक्सल नेतृत्व एवं उनके परिजनों/समर्थकों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। जमीनी आसूचना संकलन के लिए बड़ी संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी की तैनाती क्षेत्रों में की गई है। केन्द्र एवं राज्य के विभिन्न एजेन्सियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर सूचना संकलन की कार्रवाई की जा रही है। झारखंड राज्य में 129 दृढ़ पुलिस स्टेशन का निर्माण किया जा चुका है एवं 08 थानों के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भाकपा के पांच संगठनों (क्रांतिकारी किसान कमेटी, नारी मुक्ति संघ, झारखंड ए-वन ग्रुप, झारखंड सांस्कृतिक मंच, मजदूर संगठन समिति) को प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही ऐसी संस्थायें जो गुप्त रूप से उग्रवादियों का समर्थन कर रहे हैं एवं उग्रवाद उन्मूलन अथवा विकास में बाधा बन रही है, ऐसी संस्थाओं पर निगरानी रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी 2020 से अभी तक अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों यथा सरायकेला-चाईबासा-खूंटी - रांची के सीमावर्ती क्षेत्र, बुढ़ा पहाड़, कोल्हान एवं पारसनाथ क्षेत्र में 48 सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है। इससे उस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर ब्रेक लगी है। लोगों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा विकास के कार्यों में तेजी आयी है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाई जा रही कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित जिलों में कनेक्टिविटी का सुधार करना भी आवश्यक है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण के लिए आरआरपी तथा आरसीपीएलडब्ल्यूईए नामक योजनाएं चालू की गयी हैं। इसके तहत स्वीकृत योजनाओं को ससमय पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। नक्सल प्रभावित चाईबासा जिला में डीएमएफटीकी राशि से बड़ी संख्या में सड़क निर्माण की कार्य योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रथम चरण में 816 अधिष्ठापित मोबाईल टावर के 4जी उन्नयन कार्य बीएसएनएल द्वारा किया जा रहा है। टीएससी से उपकरण प्राप्त नहीं होने के कारण यह कार्य अवरूद्ध है। द्वितीय चरण में 1184 स्थानों के विरुद्ध राज्य सरकार ने 1173 स्थानों पर भूमि उपलब्ध करा दी है। शेष 11 स्थानों पर भी शीघ्र भूमि उपलब्ध करा दी जायेगी। टावर निर्माण का कार्य बीएसएनएल द्वारा किया जा रहा है।

फरार नक्सलियों की गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरार नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए एक लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक की आकर्षक पुरस्कार राशि की घोषणा की गयी है। वर्तमान में 91 फरार नक्सलियों के विरुद्ध पुरस्कार घोषित है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2022 में 90 एवं वर्ष 2023 में अगस्त तक कुल 97 नक्सली हिंसा की घटनाएं प्रतिवेदित हुई हैं। नक्सलियों के विरुद्ध प्रभावकारी अभियान के कारण वर्ष 2021 से थाना/पिकेट/पोस्ट पर नक्सलियों द्वारा आक्रमण की कोई घटना प्रतिवेदित नहीं हुई है। जमशेदपुर, दुमका देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़ एवं साहेबगंज में जनवरी, 2022 से अभी तक नक्सल हिंसा की कोई घटना प्रतिवेदित नहीं हुई है। 2018 के बाद विशेष क्षेत्र समिति या पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो की कोई भी बैठक झारखंड में नहीं हुई है।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली जेल में बंद नरगिस को नोबल शांति पुरस्कार

AGENCY NEW DELHI : साल 2023 का नोबेल शांति पुरस्कार ईरान की मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को दिया गया। नरगिस मोहम्मदी को ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई और मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। बता दें कि नोबल पुरस्कार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। इससे पहले गुरुवार को नॉर्वेजियन लेखक जॉन फॉसे को साहित्य क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया। जॉन फॉसे को उनके नए नाटकों और गद्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो अनकही को आवाज देते हैं।

नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने कहा, ₹यह पुरस्कार सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण ईरान में अपने निर्विवाद नेता नरगिस मोहम्मदी के साथ पूरे आंदोलन के बहुत महत्वपूर्ण काम को मान्यता देता है। पुरस्कार के प्रभाव पर निर्णय करना नोबेल समिति का काम नहीं है। हमें उम्मीद है कि यह आंदोलन जिस भी रूप में ठीक लगे, काम जारी रखने के लिए एक प्रोत्साहन है।

नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद : नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद हैं। नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद हैं। ईरान में साल 2019 में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन की एक पीड़िता के स्मारक में शामिल होने के बाद अधिकारियों ने नवंबर में मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया था। मोहम्मदी को 13 बार कैद किया गया और पांच बार दोषी ठहराया जा चुका है। नरगिस को कुल 31 साल जेल की सजा सुनाई गई है।

नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला : बता दें कि साल 2003 में मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन एबादी के पुरस्कार जीतने के बाद वह नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला और दूसरी ईरानी महिला हैं।

महसा अमिनी की मौत के बाद जेल गईं मोहम्मदी : नरगिस मोहम्मदी 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद हुए देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन के लिए जेल गईं। महसा अमिनी पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई थी। इस आंदोलन ने ईरान में साल 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से देश के कट्टरपंथियों के लिए अब तक की सबसे तीव्र चुनौतियों में से एक को जन्म दिया।

भारत के दबाव के आगे फिर झुका कनाडा राजनयिकों को सिंगापुर और मलेशिया भेजा

NEW DELHI : भारत-कनाडा के बीच विवाद कहीं से कम होती नहीं दिख रहा है। भारत की सख्ती के बाद कनाडा ने अपने ज्यादातर राजनयिकों को सिंगापुर और मलेशिया भेज दिया है। दरअसल कनाडा ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर हुए विवाद के बीच भारत में काम कर रहे अपने ज्यादातर राजनयिकों को मलेशिया या सिंगापुर भेज दिया है। भारत ने कनाडा को नई दिल्ली में काम कर रहे अपने राजनयिकों की संख्या घटाने के लिए 10 अक्टूबर की समयसीमा दी है जिसके बाद कनाडा ने यह कदम उठाया है। कनाडा के एक निजी टेलीविजन नेटवर्क ह्यसीटीवी न्यूजह्न की यह रिपोर्ट तब आयी है जब भारत ने इस सप्ताह की शुरूआत में कनाडा से अपने दूतावासों में काम कर रहे कई राजनयिकों की संख्या कम करने के लिए कहा था।

भारत कनाडा कूटनीति विवाद से बढ़ी खाई : खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर की जून में हुई हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया है। भारत ने आरोपों को ह्नबेतुकाह्न और ह्नप्रेरितह्न कहकर खारिज कर दिया और इस मामले को लेकर ओटावा के एक भारतीय अधिकारी को कनाडा से निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को अपने यहां से निष्कासित कर दिया था। सीटीवी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत सरकार ने ओटावा को कनाडाई राजनयिकों की उपस्थिति कम करने के लिए 10 अक्टूबर तक का समय दिया है। उसका कहना है कि नयी दिल्ली में राजनयिकों की संख्या कनाडा में भारत के राजनयिकों की संख्या के समान होनी चाहिए।

पहले की खबरों में कहा गया कि इन राजनयिकों की संख्या 41 है लेकिन सीटीवी न्यूज के सूत्रों ने बताया कि राजनयिकों की संख्या समान करने के लिए कहा गया है। खबर में कहा गया है, दिल्ली के बाहर भारत में काम कर रहे अधिकांश कनाडाई राजनयिकों को कुआलालम्पुर या सिंगापुर भेजा गया है। कनाडा के राजनयिक और दूतावास संबंधों का प्रबंधन करने वाले विभाग ह्यग्लोबल अफेयर्स कनाडाह्न ने पहले कहा था कि ह्यह्यविभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर कुछ राजनयिकों को धमकियां मिलने के बाद वह भारत में अपने कर्मचारियों की संख्या का आकलन कर रहा है।

फइनल में भारतीय हॉकी टीम ने रचा इतिहास, भारत को दिलाया एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक

जापान को 5-1 से हराकर जीता चौथा स्वर्ण

AGENCY NEW DELHI : हांगझोउ में खेले जा रहे एशियाई खेलों के 13वें दिन भारतीय हॉकी टीम ने कमाल कर दिखाया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने जापान को 5-1 से मात देकर फाइनल मुकाबले को जीत लिया है। हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता है। इसके साथ ही भारतीय टीम ने अपना पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है। भारत के तरफ से मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और अभिषेक ने गोल दागे। जापान पूरे मैच के दौरान एक ही गोल कर सका। जापान का ये गोल चौथे क्वाटर में पेनल्टी कॉर्नर से आया।

जीत के बाद भारतीय हॉकी टीम। ● फोटोन न्यूज

भारतीय टीम ने दिखाया अपना दम : शुरू से ही भारतीय हॉकी टीम ने दमदार खेल दिखाया।भारत ने लगतार जापान के ऊपर 4-0 से बढ़त बना ली जिसके बाद जापान को एक पेनल्टी कॉर्नर चौथे क्वाटर में मिला, जिसका जापान ने सफल उपयोग किया और भारत के खिलाफ एक गोल दागे। भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रमण करना जारी रखा। हालांकि, जापान के डिफेंडरों ने भारत को गोल करने से रोका, लेकिन भारत ने पेनल्टी कॉर्नर का बेहतरीन तरीके से उपयोग किया और पांचवा गोल दागा।

पांच में से एक पेनल्टी कॉर्नर को भुनाने में सफल रही भारतीय टीम : हाफ टाइम के बाद भी भारत ने आक्रमण करना जारी रखा। जापानी खिलाड़ियों की गलती की वजह से भारत को 4 बार पेनल्टी कॉर्नर मिले। हालांकि, भारतीय टीम इसे भुनाने में सफल नहीं हुई। जब दूसरे क्वार्टर में भारत को पांचवीं बार पेनल्टी कॉर्नर मिला, तब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बेहतरीन ड्रैग-फ्लिकर की मदद गोल दागा।

भारतीय हॉकी टीम ने जीता चौथा एशियन गोल्ड मेडल : वहीं, तीसरे क्वार्टर में भारत के लिए अमित रोहिदास ने गोल दागकर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। आखिरी क्वार्टर में भारत के लिए अभिषेक ने गोल दागकर इस बढ़त को 4-0 तक पहुंचा दिया। आखिरी पलों में जापान ने एक गोला दागा। आखिरी मिनट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने गोल दागकर बढ़त 5-1 कर दी। फाइनल सीटी बचने के बाद भारत ने मैच 5-1 से जीत लिया। एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी का यह चौथा गोल्ड मेडल है।

एस श्रीजेश का सपना हुआ साकार : भारतीय टीम के गोलकीपर एस श्रीजेश ने अपने करियर की शुरूआत स्वर्ण पदक के साथ की थी। ये एशियाई खेल उनके जीवन का आखिरी खेल था। एशियाई खेलों के शुरू होने से पहले श्रीजेश ने कहा था कि मैं ये आखिरी मुकाबला खेलने उतरूंगा। मैं चाहता हूं कि जिस तरह से मैंने अपने खेल की शुरूआत स्वर्ण पदक से की थी उसी प्रकार से मैं अंत भी स्वर्ण पदक से करूं। नए दौर के आने वाले बच्चे मुझे अपना आइडल माने और मेरी तरह बनना चाहें। श्रीजेश का ये सपना आज भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने पूरा कर दिया।

चुनाव से पहले मुफ़्त वादों पर राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस

NEW DELHI : चुनाव से पहले करदाताओं के खर्च पर पैसे और अन्य मुफ़्त की चीजें वितरित करने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। शुक्रवार को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी परदिवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने केंद्र, राज्यों और पोल पैनल से चार हफ़्तों में इस पर जवाब मांगा है। ये याचिका सामाजिक कार्यकर्ता भट्टुलाल जैन ने दायर की थी। कोर्ट ने इस संबंध में लंबित अन्य याचिकाओं के साथ इसे टैग करने का भी आदेश दिया। याचिका में मुफ़्त की चीजें वितरित करने से राजनीतिक पार्टियों पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस याचिका में ये भी कहा गया है कि राज्यों को निर्देश दिए जाएं कि चुनाव से ठीक पहले सार्वजनिक मद के नाम पर फंड या अनुदान का दुरुपयोग न किया जाए। इसमें कहा गया है कि चुनाव से पहले इस तरह का मुफ़्त वितरण वोटरों को लुभाने के लिए रिश्वत जैसा है।

THE PHOTON NEWS 02 www.thephotonnews.com Saturday, 07 October 2023

बगीचा

स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है । सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें । उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें

सड़क एवं मार्ग

- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें । आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है । अत : उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें ।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें ।
- नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़–तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है
वर्गाकार पद्धति – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है । इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं ।
आयताकार– इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है ॥
त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति ।
पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति– यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है ।
आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता । इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है ।
कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची–नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है ।

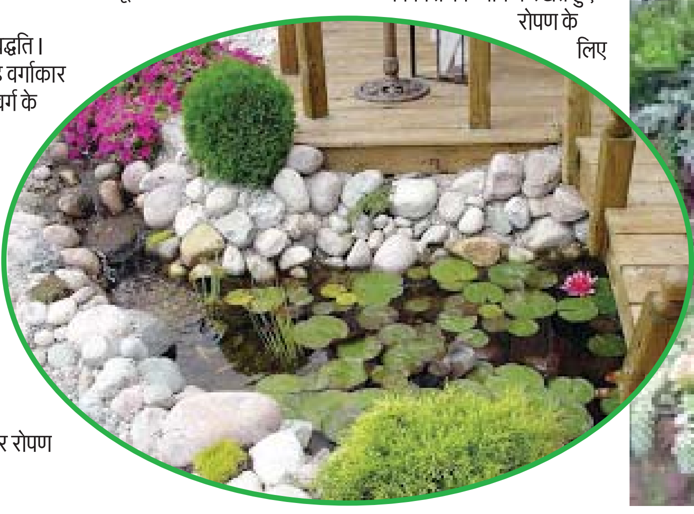

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है । भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें ।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें । उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो ।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो । ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों ।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों । उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें ।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो, गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली–भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें । जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें ।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये । जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली–भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली–भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें । रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें । उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें ।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें । जैसे– कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें । फलों की तुड़ाई करें । आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें ।
जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें । पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें । पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है ।

रामतिल सुरक्षित फसल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है । इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है । अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था । डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है । यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है । अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें । मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें ।
भूमि का चुनाव– यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है । अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है ।

हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है । परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है ।
फसल पद्धति –रामतिल फसल की बुआई सामान्यत : मध्य अगस्त में की जाती है । अत : इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं । डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है । परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।
उन्नत किस्में – अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है । भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए । अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है । डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं ।
बीज दर – शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है ।

बीजोपचार –
फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है । थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए । बुआई के 12 घंटे पूर्व

फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है ।
बुआई विधि –सामान्यत : रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है । इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए । बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए । इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता ।
उर्वरक एवं खाद – रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए । बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है ।
नींदा नियंत्रण – रामतिल फसल में पहली निंदाई – गुड़ाई बुआई के 15–20 दिन बाद करना चाहिए । यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई –गुड़ाई बुआई के लगभग 35 – 40 दिन बाद करें । यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए । रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है । जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है । इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।
कटाई एवं गहाई – रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है । जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें । कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है । कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए ।
आय – व्यय –परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है । जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है । उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी ।

हेमंत सोरेन की याचिका में त्रुटि, अब 11 को होगी HIGH COURT में सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर क्रिमिनल रिट याचिका पर शुक्रवार को आंशिक रूप से सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि इस याचिका में पांच डिफेक्ट हैं, जिसके कारण अब 11 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। साथ ही कोर्ट ने हेमंत सोरेन को इस याचिका में जो त्रुटियां हैं, उसे भी दूर करने का आदेश दिया है।

यह मामला चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र व जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन द्वारा दायर याचिका में प्रवर्तन निदेशालय के समन व उसके अधिकार को चुनौती दी गयी है। याचिका में पीएमएलए एक्ट-2002 की धारा-50 व 63 की वैधता को चुनौती दी गयी है। कहा गया है कि उक्त धाराएं संविधान द्वारा दिये गये मौलिक अधिकार का हनन करती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाई कोर्ट जाने की छूट दिये जाने के बाद हेमंत सोरेन ने 23 सितंबर को याचिका दायर की थी।

दरअसल, ईडी ने पांचवां समन जारी कर मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए चार अक्टूबर को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था लेकिन वे ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। मुख्यमंत्री के अधिवक्ता ने चार अक्टूबर को ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर को पत्र लिखकर बताया कि यह मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन है। यह मामला जब तक हाई कोर्ट में डिसाइड नहीं होता है तब तक मुख्यमंत्री को जारी समन पर कार्रवाई न की जाए।

मुख्यमंत्री की ओर से 23 सितंबर को ईडी के समन के खिलाफ हाई कोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया है कि ईडी एवं इसके अधिकारी या कर्मी को समन के आधार पर उन पर कार्रवाई से रोका जाय। साथ ही ईडी को आगे भी समन जारी करने से रोक लगाने का अभी आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री ने ईडी पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश करने सहित पीएमएलए 2002 की धारा 50 और 63 की वैधता को चुनौती दी है। आईपीसी के तहत किसी मामले की जांच के दौरान जांच एजेंसी के समक्ष दिए गए बयान की मान्यता कोर्ट में नहीं है लेकिन पीएमएलए एक्ट की धारा 50 के तहत जांच के दौरान एजेंसी के दिए गए बयान की कोर्ट में मान्यता है। ईडी को मिले शक्तियों के तहत बयान दर्ज कराने के दौरान किसी को गिरफ्तार करने का अधिकार ईडी के पास है।

देवघर एम्स मामले में राज्य सरकार के जवाब पर याचिकाकर्ता से मांगा प्रतिउत्तर

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में देवघर एम्स में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में देवघर एम्स में दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित राज्य सरकार के जवाब पर याचिकाकर्ता को प्रतिउत्तर देने का निर्देश हाई कोर्ट ने दिया है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।

इस मामले में हुई पूर्व की सुनवाई में राज्य के मुख्य सचिव एवं एम्स देवघर के डायरेक्टर कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए थे। याचिकाकर्ता ने देवघर एम्स में इलेक्ट्रिक सबस्टेशन बनने, अप्रोचिंग रोड बनने, फ्लाईओवर बनने, आवश्यकतानुसार पानी की व्यवस्था होने, फायर सेफ्टी की पर्याप्त व्यवस्था आदि की सुविधा मुहैया कराने का आग्रह राज्य सरकार से किया गया है।

याचिका में सांसद निशिकांत दुबे की ओर से कहा गया है कि देवघर एम्स में कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उनकी ओर से कोर्ट से देवघर एम्स के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, पहुंच सड़क, फायर ब्रिगेड वाहन आदि की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह कोर्ट से किया गया है।

BRIEF NEWS

हटिया रेलवे स्टेशन पर तस्करी का आरोपी गिरफ्तार एक लाख का गांजा बरामद

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के पास एक तस्कर को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। इसके पास से आठ किलो गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजा का बाजार मूल्य एक लाख रुपये है। आरपीएफ के उपनिरीक्षक महेश चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ यात्री सुरक्षा की फ्लाइंग टीम ने हटिया रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के पास एक व्यक्ति को संदेहास्पद अवस्था में देखा। इसके बाद उसे रोककर पूछताछ किया। उसने नाम विजय सिंह बताया। उसके बैग को चेक करने पर उसके अंदर आठ किलो गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर को राजकीय रेल पुलिस हटिया को कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

सांसद निशिकांत दुबे होम अफेयर्स की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के लिए नामित

RANCHI : गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को होम अफेयर्स की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के लिए नामित किया गया है। दुबे इस पैनल में पार्टी की नेता किरण खेर की जगह नियुक्त होंगे। निशिकांत दुबे भाजपा के बेहद तेज तर्रार नेता माने जाते हैं। वह पहले भी कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों से अकेले भिड़ चुके हैं। भाजपा ने हाल ही में सम्पन्न हुए संसद के विशेष सत्र में लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोलने के लिए डॉ. निशिकांत दुबे को ओपनिंग स्पीकर के तौर पर चुना था। निशिकांत दुबे का नाम तब सामने आया जब कमेटी के पास बहस के लिए इस समय तीन अहम क्रिमिनल बिल भारतीय न्याय संहिता बिल-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल-2023 और भारतीय साक्ष्य बिल-2023 हैं।

मानवाधिकार ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए गए शहजाद कुरैशी

RANCHI : मानवाधिकार ऑर्गनाइजेशन एंड एंटी करप्शन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद कुरैशी को बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अहमद ने समाजसेवी शहजाद कुरैशी को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शहजाद कुरैशी के सामाजिक कार्यों को देखते हुए इन्हें ये पद दिया गया है। उम्मीद है कि वह अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करेंगे। शहजाद कुरैशी ने मानवाधिकार ऑर्गनाइजेशन एंड एंटी करप्शन ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाये जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अहमद, प्रदेश अध्यक्ष सोहैल अनवर एवं संगठन की राष्ट्रीय टीम का आभार व्यक्त किया। शहजाद ने कहा कि नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निभाऊंगा, जहां भी मानवाधिकार का हनन होगा वहां हर तरीके से मदद के लिए खड़ा रहूंगा। शहजाद कुरैशी को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाये जाने पर लोगों ने भी बधाई दी है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

खुशबू तिर्की ने राष्ट्रीय स्कूली कुश्ती प्रतियोगिता में जीता सिल्वर

खुशबू तिर्की।

PHOTON NEWS RANCHI : एसजीएफआई की कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड की खुशबू तिर्की ने सिल्वर मेडल जीता। मध्य प्रदेश के विदिशा में आयोजित कुश्ती प्रतिस्पर्धा में खुशबू तिर्की ने खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में स्थान पक्का किया, जहां वो हरियाणा के खिलाड़ी से 3-1 से हार गई।

खुशबू के रजत जितने पर शिक्षा सचिव के रवि कुमार, राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीर सेन ए सोरेंग, झारखंड कुश्ती संघ के रजनीश, शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद कोषांग के एम मोदस्सर, समीर कुमार, उमेश दास, प्रभात रंजन तिवारी, विद्या कुमारी, मो जावेद अंसारी, कलावती कुमारी, शंकर पाल, जगजीत सिंह, चन्द्रदेव सिंह एवं जितेंद्र कच्छप सहित शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों ने खुशबू एवं उनके कोच को शुभकामनाएं दी है।

अपने निर्धारित लक्ष्य से तीस फीसदी तक कम कोयला उत्पादन कर रहा सीसीएल

61 फीसदी उत्पादन में और 12 फीसदी डिस्पैच में आयी कमी

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कुछ दिनों से सीसीएल के कोयला उत्पादन पर असर पड़ा है। जिससे सीसीएल के उत्पादन में कमी देखी जा रही है। अधिकारियों की मानें तो सीसीएल अपने निर्धारित लक्ष्य से तीस फीसदी तक कम कोयला उत्पादन कर रहा है। जिसकी प्रमुख वजह लगातार हुई बारिश रही है। जिसका असर कंपनी के प्रोडक्शन के साथ डिस्पैच पर भी देखा जा रहा है। कंपनी के 14 क्षेत्रों में तीन एरिया कथारा, कुजू और अरगडा को छोड़ दें तो अन्य सभी चार एरिया का पॉजिटिव ग्रोथ चल रहा है।

सबसे खराब प्रदर्शन महत्वपूर्ण आम्रपाली चंद्रगुप्त, मगध संघमित्रा, बोकारो, करगली, एनके राजहरा व ढोरी एरिया का रहा है। इन क्षेत्रों का उत्पादन ग्रोथ निगेटिव में चल रहा है। जबकि कथारा, कुजू व अरगडा का उत्पादन ग्रोथ पॉजिटिव में चल रहा है। जहां कथारा का 79, कुजू 42 और अरगड़ा का 24 फीसदी पॉजिटिव ग्रोथ चल रहा है।

चार एरिया का ग्रोथ पॉजिटिव : सीसीएल की मानें तो क्षेत्र के चार एरिया में कोयला डिस्पैच में पॉजिटिव ग्रोथ देखा जा रहा है। इसमें सबसे अधिक ग्रोथ कथारा क्षेत्र का 246 फीसदी देखा जा रहा है। अन्य क्षेत्रों में ग्रोथ निगेटिव देखा जा रहा है। जहां, मगध संघमित्रा का दो फीसदी, हजारीबाग का 34 फीसदी, बोकारो और करगली का आठ फीसदी, कुजू का ग्रोथ 80 फीसदी, रजरप्पा का 64 फीसदी, राजहरा का 61 फीसदी, एनके का 56 फसीदी, अरगड़ा का 51 फीसदी, पिपरवार का 47 फीसदी, और आम्रपाली चंद्रगुप्त का 40 फीसदी निगेटिव ग्रोथ चल रहा है।

प्रोडक्शन और डिस्पैच में अंतर : वर्तमान में कंपनी का उत्पादन ग्रोथ 61.82 फीसदी है। डिस्पैच ग्रोथ 12.24 फीसदी निगेटिव में चल रहा है। सीसीएल के आंड़कों पर गौर करें, तो सितंबर महीने में एक से चार अक्तूबर तक कंपनी का 7.8 लाख टन उत्पादन और 8.7 लाख टन कोयला डिस्पैच का लक्ष्य है। जिसके मुकाबले कंपनी महज 2.10 लाख टन उत्पादन और 4.3 लाख टन कोयला डिस्पैच कर सकी है। वहीं, अक्तूबर के शुरूआती दिनों में लक्ष्य का 27.63 उत्पादन और 49.42 फीसदी कोयला डिस्पैच हुआ।

माइक्रोप्लान के साथ काम करने पर भारत होगा मलेरिया मुक्त : अरूण कुमार सिंह

कैपिटल हिल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूण कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोप्लान के साथ काम करने पर मलेरिया मुक्त भारत होगा। उन्होंने कहा कि माइक्रोप्लान के साथ काम करने पर हम वर्ष 2027 तक जीरो केस और 2030 तक मलेरिया मुक्त भारत बना सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हम अपने क्षेत्रों से मलेरिया को खत्म करने के सामान्य उद्देश्य की दिशा में नौ राज्यों की ओर से की गई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने के लिए एकत्र हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए अब तक की गई प्रगति पर सामूहिक रूप से विचार करने, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और मलेरिया मुक्त भविष्य के लिए आगे बढ़ने का रास्ता तैयार करने का अवसर है। सिंह शुक्रवार को कैपिटल हिल में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारे सामने एक महत्वपूर्ण कार्य है, अपने प्रयासों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना और आगे बढ़ने की योजना बनाना। इस अवधि के दौरान हमारी चचाएं, बहसें और विचारों का आदान-प्रदान एक प्रभावी रोडमैप का आधार बनेगा जो हमारे राज्यों को मलेरिया मुक्त वातावरण की दिशा में मार्गदर्शन कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हमें विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञों, हितधारकों और प्रतिनिधियों की उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, हमें इस मंच का उपयोग नए सहयोग बनाने और अपनी कार्यान्वयन रणनीतियों को मजबूत करने के लिए करना चाहिए।

लंबित मामलों को लेकर 10 को मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 10 अक्टूबर को लंबित मामलों को लेकर पुलिस विभाग की वर्चुअल समीक्षा करेंगे। लंबित मामलों के कारण और अनुसंधान की प्रगति की जानकारी लेंगे। समीक्षा के दौरान पेंडिंग का कारण पूछा जाएगा। अधिक समय से मामले लंबित को लेकर कारणों सहित विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाएगी। इसको देखते पुलिस मुख्यालय तैयारी में जुट गया है। बैठक में रांची, पलामू के जोनल आईजी, जोनल डीआईडी, और डीआईजी रेल शामिल होंगे। मुख्य सचिव अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से लंबित मामलों की समीक्षा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि गृह विभाग के सचिव अविनाश कुमार ने अगस्त माह में बैठक की थी। जमीन माफियाओं और अपराधियों पर कार्रवाई को लेकर गृह सचिव ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारी खुद के जिला बदर होने के लिए तैयार रहें। जमीन फजीर्वाड़े या घोटाले से संबंधित घटना होने पर संबंधित थानेदार के साथ-साथ वहां के अंचलाधिकारी भी निलंबित किए जाएंगे। गृह सचिव ने उपस्थित अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी कि जमीन के फजीर्वाड़े से संबंधित घटनाएं हर हाल में रुकनी चाहिए। गृह सचिव ने रांची डीसी और एसएसपी को भी चेतावनी दी थी।

पेयजल की समस्या से निदान के लिए राज्य की 4351 ग्राम पंचायतों में लगेंगे कुल 43510 चापाकल

राज्य में अब नहीं होगी पेयजल की समस्या, प्रत्येक पंचायत में लगेंगे 10-10 चापाकल : मिथिलेश ठाकुर

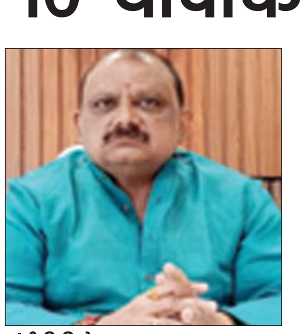

मंत्री मिथिलेश ठाकुर।

PHOTON NEWS RANCHI : पेयजल की समस्या से निदान के लिए राज्य की 4351 ग्राम पंचायतों में 10-10 चापाकल लगाए जायेंगे। स्थानीय विधायकों की अनुशंसा पर प्रत्येक पंचायत में पांच-पांच चापाकल लगाया जायेगा। इस तरह राज्य में कुल 43510 चापाकल लगेंगे। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इस प्रस्ताव पर कैबिनेट की बैठक में मुहर लग गयी है। इस योजना में कुल चार अरब, 63 करोड़, 62 लाख, 54 हजार 626 रुपये व्यय होगा। इस योजना से लोगों को पेयजल की समस्या से निजात मिलेगी।

यह बात शुक्रवार को राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि राज्य में कहीं भी पेयजल की समस्या नहीं होने दी जायेगी। झारखंड सरकार राज्य की जनता को पेयजलापूर्ति की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में चापाकलों पर निर्भरता 66 प्रतिशत एवं पाइप जलापूर्ति पर मात्र 34 प्रतिशत है। वर्ष 2024 तक राज्य के सभी 61.19 लाख घरों को नल से जल उपलब्ध कराना है लेकिन राज्य की भौगोलिक संरचना एवं दो वर्ष कोरोना काल के कारण पाइप जलापूर्ति योजना के पूर्ण होने में हो रहे विलंब को देखते हुए तत्काल राज्य के कुल 4351 पंचायतों में कुल 43510 अदद चापाकल लगाने का निर्णय लिया गया है।

मंत्री ने कहा कि गिरते भू-गर्भ जल स्तर को देखते हुए अब 70, 90 एवं 120 मीटर गहरा चापाकल लगाने का प्रावधान किया गया है, जो क्षेत्रों के जल स्तर के आधार पर निर्धारित होगा। इसके अतिरिक्त 60 मीटर गहरा जीपीटी (बजरी पैक ट्यूबवेल) का भी प्रावधान किया गया है। इसमें वैसे क्षेत्रों में चापाकल लगाने की प्राथमिकता दी जायेगी, जहां इसकी वास्तविक आवश्यकता है। स्थल का जियो टैगिंग किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण गर्मी के मौसम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जलस्तर औसत से नीचे चले जाने के कारण आमजनों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके निदान के लिए पूर्व से अधिष्ठापित चापाकलों एवं अन्य स्त्रोतों की मरम्मत आदि कराकर पेयजलापूर्ति की व्यवस्था की जाती है, जो पर्याप्त नहीं हो पाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 तक प्रति पंचायत पांच अदद चापाकलों के अधिष्ठापन का कार्य किया गया है। परिस्थिति के अनुसार अब और नये चापाकल लगाने की आवश्यकता है।

खबरें राउरकेला की

बिसरा प्रखंड में देव नदी पर अधूरा पुल का काम जल्द पूरा करने की मांग

ROURKELA : बिसरा प्रखंड में देव नदी पर पुल का काम छह साल से चल रहा है। 60 से 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, पुल का डेढ़ सौ मीटर का काम बाकी है। भूमि अधिग्रहण की समस्या के कारण काम लंबित है। इसके कारण जान जोखिम में डालकर पुल पार करते है। पुल का काम 2018 में शुरू किया गया था। 11 पंचायत के लोग अधूरे पुल से बांस की सीढ़ी के सहारे आनाजाना कर रहे है। स्कूली छात्रों से लेकर स्थानीय लोग खतरनाक स्थिति में यात्रा कर रहे हैं। वहीं बिसरा ब्लाक में कुंदुरी में देव नदी पर पुल का काम पूरा करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता मुक्तिकांत बिस्वाल 2 अक्टूबर से धरना मे बैठे हुए है। पुल का काम निजी जमीन अधिग्रहण की समस्या के कारण काम रूका हुआ है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस समस्या का समाधान होने के बाद एक से डेढ़ माह के अंदर पुल का काम पूरा कर लिया जायेगा।

बीजेडी नेता प्रीतिरंजन घड़ेई के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित, 65 यूनिट रक्त जमा

ROURKELA : सुकिंदा विधायक एवं सुंदरगढ़ जिला बीजू जनता दल के पर्यवेक्षक प्रीतिरंजन घड़ेई के जन्मदिन के अवसर पर ओडिशा मो परिवार एवं जीवन बिंदु के तत्वावधान में सरकारी अस्पताल परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। रक्त दान शिविर में 65 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर बीजू महिला दल के नेत्री एवं कार्यकताओं ने रोगियों को फल वितरण की। राउरकेला नगर सभापति गगन पांडा के उपस्थिति में बीजू छात्र, युवा,महिला कार्यकर्ता भारी संख्या में रह कर इस जन्मदिन की बधाई देते रहे। वहीं बसंती कॉलोनी स्थित जगन्नाथ मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम कर उनके दीघार्यु की कामना किया गया।

सुष्मिता मिंज और एएसआई अलीश नरमी लुगुन की हत्या से बढ़ा असंतोष, हो रहा लगातार प्रदर्शन

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के आदिवासी संगठनों के हजारों आदिवासियों ने एक विशाल विरोध जुलूस निकाला और सहायक जिला मजिस्ट्रेट सुष्मिता मिंज के साथ ही एएसआई अलीश नरमी लुगुन की हत्या मामले का खुलासा करने और हत्यारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मांग को लेकर आदिवासी संगठनों ने जिला कलेक्टर के कार्यालय का शुक्रवार को घेराव किया। इस मौके पर आयोजित विरोध सभा में आदिवासी नेताओं ने नवीन सरकार और जिलाधिकारी, राउरकेला एसपी, एडीएम को जमकर आड़े हाथों लिया। जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों से मामले में पक्षपात करते हुए कार्रवाई की मांग की है। हत्याकांड की जांच सीबीआई से करवाने की चेतावनी दी , अगर दोनों आदिवासी महिला अधिकारियों हत्यारों को सजा नहीं मिली तो जिला जल उठेगा। आदिवासी संगठनों ने पुलिस पर जिले के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता से आदिवासी महिला अधिकारी सुष्मिता की योजनाबद्ध हत्या को आत्महत्या के रूप देने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन में सुंदरगढ़ जिला आदिवासी मंच, सुंदरगढ़ जिला माटी बचाओ मंच, सुंदरगढ़ महिला मंच, राउरकेला महिला मंच, सुंदरगढ़ ग्राम सभा मंच, आदिवासी मूलवासी बचाओ मंच, ,क्षेत्रीय सुरक्षा मंच के हजारों महिलाएं और पुरुष शामिल हुए।

बसंती सरोवर में बोटिंग की सुविधा शुरू

ROURKELA : राउरकेला के स्थानीय निवासियों को अब नाव की सवारी का आनंद लेने का मौका मिलेगा। शहर के बसंती सरोवर में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए बोटिंग की व्यवस्था की गयी है। नौकायन के लिए भीड़ जुटने पर सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सरोवर में बोटिंग की जा सकती है। पर्यटकों के सुविधाएं लिए आसपास में ही सभी तरह के लजीज व्यंजन की दुकाने भी लगाई गई है। इस सुविधा के शुरू होने से लोगो में हर्ष का माहौल है।

बिरमित्रपुर में सड़क है जर्जर, लोग परेशान

ROURKELA : बिरमित्रपुर वार्ड नंबर 4 के लंकेश्वर दफेई डिवीजन की सड़क की स्थिति दयनीय हो गई है। रख-रखाव के अभाव में सड़क जर्जर हालत में है। सड़क के विभिन्न हिस्सों में पानी जमा हो रहा है। नतीजा यह है कि इस सड़क पर निर्भर पांच बस्तियों के लोगों को परेशानी की सामना करने को मजबूर है। खासकर स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है।

सेल की उत्पादन एवं उत्पादकता बैठक विफल

ROURKELA : दिल्ली के नेहरू प्लेस इरोज होटल में सेल प्रोडक्शन और प्रोडक्टिविटी की बैठक हुई। इस बैठक में सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश उपस्थित थे। सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के नेता, सभी सेल के निदेशक, सभी इस्पात कारखानों के डीआईसी उपस्थित थे। सबसे पहले चेयरमैन ने सभी का स्वागत किया और सेल की मौजूदा स्थिति और आने वाले दिनों में उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी। हिंद मजदुर सभा के नेता संजय बड़ौकर ने अपने भाषण में कहा कि एमओयू में जो किया गया था उसे अब तक लागू नहीं किया गया है। यह बहुत दुखद और खेदजनक है कि एनजेसीएस की बैठक नहीं बुलाई गई। श्रमिकों के वेतन में वृद्धि और भविष्य में विस्तार सेल के उत्पादन में सुरक्षा पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इन सब बातों से अवगत होने के बाद सेल के अध्यक्ष ने सभी ट्रेड यूनियन के नेताओं को वार्षिक पूजा के साथ-साथ सभी मुद्दों को अविलंब सुलझाने का आश्वासन दिया। बोनस/एस्प्रेसिया चर्चा कर जल्द ही समाधान निकाला जाएगा लेकिन आज की बैठक में यह तय नहीं हुआ कि अगली बैठक कब होगी। इस बैठक में एचएमएस, इंटक, बीएमएस, सीटू, एटक के नेता उपस्थित थे। हिंद मजदूर सभा की ओर से संजय बड़ौकर, शशिधर नायक, राजेंद्र सिंह, सुकांत रक्षित प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बिहार को हिंदू राज्य बनाने की उठी मांग

बीजेपी विधायक ने कहा-इस्लामिक राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है प्रदेश, हिंदू हो रहे प्रताड़ित

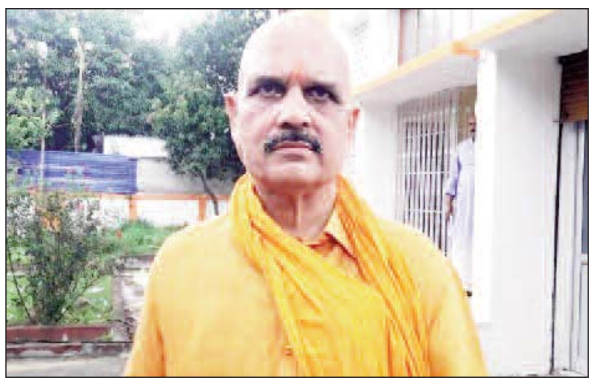

पटना। जातीय गणना की सर्वे रिपोर्ट पर छिड़ी सियासी बहस के बीच बिहार को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग उठ गई है। ये मांग मधुबनी के बिस्फी से बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने की है। उन्होंने गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार इस्लामिक राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है।

इस पर चिंता जताते हुए बीजेपी विधायक ने कहा कि बिहार को हिंदू राज्य घोषित किया जाना चाहिए। बता दें कि बिहार में जातीय गणना सर्वे रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही राजनीतिक पार्टियां इस पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अलग-अलग जातियों की संख्या घटाने और बढ़ाने को लेकर बीजेपी और दूसरे दल के नेता नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच बचौल का कहना है कि उत्तर बिहार के कई जिलों में हिंदू धीरे-धीरे अल्पसंख्यक बनते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। बीजेपी विधायक ने कहा है कि बिहार में 82% हिंदुओं की आबादी है। इस हिसाब से बिहार को हिंदू राज्य घोषित किया जाए। इसी आधार पर अब सरकारी योजनाओं का लाभ भी सबसे अधिक हिंदुओं को मिलना चाहिए। बचौल ने कहा कि राज्य में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अररिया, किशनगंज, कटिहार, बेतिया, दरभंगा, मधुबनी जैसे जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। इसलिए इन जिलों में विशेष अभियान चलाया जाए। न्यायिक आयोग बनाकर इसकी जांच की जाए कि आखिर यहां हिंदुओं की आबादी क्यों घटती जा रही है। बीजेपी विधायक यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि बिहार में मुस्लिम की आबादी 18% हो गई है, यह चिंता का विषय है। आने वाले दिनों में जिस तरीके से मुस्लिम की आबादी बढ़ रही है ऐसे में एक दिन बिहार इस्लामिक राज्य बन जाएगा। बचौल ने जातीय गणना कराने की मंशा पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता को तोड़ने के लिए लालू और नीतीश की ओर से यह पासा फेंका गया है। यह हिंदुओं की एकता को तोड़ने की एक साजिश है। बचौल ने कहा कि उनका यह फैसला काम नहीं आएगा। चारो खाने चित होंगे। विधायक हरि भूषण ठाकुर बचौल ने कहा- बीजेपी ने बिहार में जननायक कपूरी ठाकुर को भी मुख्यमंत्री बनाने का काम किया। उसके बाद लालू जी को मुख्यमंत्री बनाया। 15 वर्षों तक नीतीश जी को भी ढोया, लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता ने ये संकल्प लिया है कि 2025 में बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनेगा। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि ये लोग बांटने वाले लोग हैं। यह लोग किसी के नहीं हैं ना हिंदू के हैं ना मुसलमान के हैं। इन लोगों का संविधान में भी विश्वास नहीं है। यह फसाद उन्माद की राजनीति करते हैं। गैर संवैधानिक बातों में ही इनका यकीन है। भाईचारे और मिन्नत की बातें यह कभी नहीं करेंगे।

एम्स में गाड्र्स ने अटेंडर को दौड़ा-दौड़कर पीटा

पटना। एम्स में गाड्र्स ने मरीज के अटेंडर को दौड़ा-दौड़कर पीटा है। परिवार मरीज को एडमिट करवाना चाहता था, लेकिन मरीज को भर्ती नहीं किया जा रहा था। इसी दौरान गाड्र्स से कहासुनी हुई। फिर गार्ड ने मरीज के परिजन की जमकर पिटाई कर दी। घटना बुधवार (4 अक्टूबर) शाम की है। इस घटना का वीडियो गुरुवार (5 अक्टूबर) को सामने आया है। एम्स ने पीटने वाले 3 गाड्र्स को निलंबित किया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति भाग रहा है, पीछे से चार-पांच गार्ड उसे दौड़कर पकड़ते हैं। एक गार्ड ने पीछे से धक्का मारा तो व्यक्ति जमीन पर गिर गया। फिर गाड्र्स छाती पर बैठकर पीटने लगे। इस दौरान लोग बोलते रहे सर मत मारिए। फिर भी गाड्र्स उसे पीटते रहे। आखिर में वह व्यक्ति बेहोश हो गया। फिर गाड्र्स वहां से भाग निकले। पटना एम्स के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से इस मामले में एक रिलीज जारी की गई। इसमें कहा गया - पटना एम्स के सुरक्षा गाड्र्स द्वारा एक अटेंडेंट की मौत की रिपोर्ट मनगढ़ंत खबर है। गार्ड पर शारीरिक हमला करने के बाद अटेंडेंट भागने लगा, सुरक्षा गाड्र्स ने उसे पुलिस को सौंपने के लिए पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अटेंडेंट के साथ उनकी झड़प हो गई। इस घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है। पटना एम्स प्रशासन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और चिकित्सा अधीक्षक की अध्यक्षता में एक आंतरिक जांच के लिए कमेटी का गठन किया है। जांच पूरी होने तक घटना में शामिल तीन सुरक्षा गाड्र्स को निलंबित कर दिया है। फुलवारी थानाध्यक्ष सफीर आलम ने बताया कि एक मरीज दीपक कुमार शाह (26) का दिल्ली के लोकमान्य जय प्रकाश अस्पताल में दस महीने पहले ऑपरेशन हुआ था। दीपक की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा था तो परिजन उसे एंबुलेंस से पटना एम्स लेकर आए। वहां दीपक को एडमिट करवाने की कोशिश की, लेकिन वहां के डॉक्टर्स ने बेड खाली नहीं होने का हवाला दिया। फिर भी परिजन एम्स में ही इलाज करवाना चाह रहे थे। परिजन नहीं माने तो गाड्र्स को कहा गया कि उन्हें यहां से बाहर करें। गाड्र्स उन लोगों को समझा रहे थे। इसी दौरान मरीज के परिजनों ने गाड्र्स पर हमला कर दिया। जिससे एक गार्ड जख्मी हो गया। इसके बाद कुछ गाड्र्स ने परिजन के साथ मारपीट की। मामले को लेकर अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की

महिला को चकमा देकर बदला एटीएम

निकाले 64 हजार, सीवान में शॉपिंग मॉल में खरीदारी करते दिखे 3 युवक

सीवान । एटीएम से पैसा निकालने के दौरान एक महिला को चकमा देकर तीन युवकों के द्वारा एटीएम कार्ड बदल लेने के मामले में सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जहां तीन युवक एक शॉपिंग मॉल से उसी कार्ड के द्वारा खरीदारी कर रहे है। सीवान के नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र पथ स्थित विश्वकर्मा गली में महिला एसबीआई बैंक के एटीएम से पैसा निकालने गई थी। पीड़ित महिला की पहचान हसनपुरवा मठिया निवासी बालेश्वर गिरी की पत्नी प्रीति देवी के रुप में की गई है। वह विश्वकर्मा गली में ही किराए के मकान में रहती है और उसके मकान के ठीक नीचे एसबीआई का एटीएम है। जिसमें वह पैसा निकालने गई थी। महिला ने बताया कि वह गुरुवार को एटीएम से 20 हजार रुपए निकालने गई थी। तभी तीन युवक एटीएम के अंदर घुसे और उसे अपनी बातों में उलझा लिया। बातों ही बातों में उसने कहा कि पैसा का स्लिप नहीं निकल रहा है। महिला ने जवाब दिया कि इस एटीएम से पैसा का स्लिप नहीं निकलता है। तभी युवकों ने दुबारा एटीएम कार्ड को मशीन में डालने की बात कहां तब तक महिला का एटीएम कार्ड का पिन मशीन में फ्लैश करने लगा। महिला मुड़कर युवकों से कहने लगी कि ऐसा तो नहीं होता है तभी किनारे में खड़े एक युवक ने मशीन से एटीएम कार्ड निकाल लिया और महिला के हाथ में थमा दिया। इसी दौरान युवकों ने महिला का एटीएम कार्ड बदल लिया। महिला जैसे वापस अपने घर पर पहुंची तभी 15 मिनट के अंदर ही उस मोबाइल पर पैसे की निकासी का मैसेज आया। उस महिला के अकाउंट से एटीएम के द्वारा तीन बार में 20 हजार, फिर दो बार 10-10 हजार और शॉपिंग मॉल से 5 हजार, 4999 और 3900 रुपए की निकासी कर ली गई है। पीड़िता ने बताया कि अन्य तरह से भी 10 हजार रूपए की निकासी की गई है। महिला सीवान के पंजाब नेशनल बैंक के शाखा में पहुंची तो बैंक के द्वारा बताया गया की विभिन्न शॉपिंग मॉल और एटीएम के द्वारा पैसे की निकासी की गई है। इसको लेकर महिला प्रीति देवी ने नगर थाने में आवेदन देकर उन युवकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पैसा वापस लेने की मांग की है। आवेदन मिलते हैं पुलिस ने तुरंत मामले की जांच में जुट गई है। इस मामले में आज शुक्रवार को सीवान के स्टाइल बाजार से शॉपिंग करते हुए तीनों युवकों का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में देखा जा रहा है कि तीनों एक साथ कपड़ा सहित अन्य सामानों की खरीदारी कर रहे हैं। नगर थाना इंस्पेक्टर सुदर्शन राम ने कहा कि वीडियो सामने आया है वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर जल्दी ही तीनों को पकड़ लिया जाएगा।

गया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने बचाई युवक की जान

गया। रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टल गया। दरअसल रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति चलती ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था। युवक इसके लिए दौड़कर ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था तभी उसका हाथ फिससल गया। इसके बाद युवक प्लेटफार्म से घसीटता हुआ सीधे पटरी की और नीचे जाने ही वाला था। सुरक्षा में मुस्तैद रहे आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए बचा लिया। गया रेलवे स्टेशन पर आज हुई इस घटना में युवक की जान बाल-बाल बच गई। युवक जिस जोखिम के साथ ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था। ऐसे में उसके गिरने के बाद उसकी जान भी जा सकती थी। युवक जिस वक्त चलती ट्रेन से नीचे गिरा उसे बाग ट्रेन ठीक-ठाक रफ्तार में थी ऐसे में युवक की जान जोखिम में आ गई थी। आरपीएफ पुलिस मौके रहे यात्रियों की सूझबूझ से उसे युवक के जान बचा ली गई। वह जीवित है फिलहाल युवक को हल्की प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित बताया गया है। इस संबंध में फ्ढक्र्र इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने बताया गया रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान नवादा ज़िले के नगर थाना क्षेत्र के शांति नगर मोहल्ले के रहने वाले मंटू यादव पिता लक्ष्मण यादव पैसेंजर का नाम है। इस दौरान उसका हाथ ट्रेन के गेट के समीप चढ़ने के क्रम में फिसल गया और वह ट्रेन की पटरी के नीचे आने ही वाला था कि उसे आरपीएफ पुलिस टीम की तत्परता से बचा लिया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने कहा ट्रेन पर चढ़ने वाले पैसेंजरों के लिए एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत के अलग-अलग स्टेशनों पर आए दिन लोग चलती ट्रेनों पर चढ़ने की कोशिश करते हैं ऐसे में कई हाथ से हुए हैं जिनमें लोगों की जान चली गई है इसलिए कभी भी चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश ना करें या आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

कैमूर में बाढ़ के पानी में डूबा युवक, मौत

पैर फिसलने से हुआ हादसा, अधिकारी बोले-लोगों को पानी के पास ना जाने की सलाह दी गई थी

कैमूर । बाढ़ के पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मामला मोहनिया थाना क्षेत्र के बेलौड़ी गांव का है। मृतक की पहचान कृष्ण कुमार गुप्ता (20) के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि कैमूर में हो रही बारिश के बाद कर्मचट बांध का पानी दुर्गावती नदी में छोड़ दिया गया है। जिससे नदियों का पानी ऊफान पर है। मोहनिया प्रखंड के बेलौड़ी गांव में बाढ़ का पानी चारों तरफ भर गया है जहां शौच करने गए युवक का पैर फिसल जाने से बाढ़ के पानी में डूब गया। आसपास के लोगों ने जब हल्ला करना शुरू किया तो परिजन और ग्रामीणों ने काफी मेहनत कर पानी के अंदर से युवक को बाहर निकाल कर उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल मोहनिया ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक मोहनिया थाना क्षेत्र के बेलौड़ी गांव के शिव बसंत शाह का 20 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार गुप्ता बताया जा रहा। मौत की सूचना पर पहुंची मोहनिया पुलिस शव का पंचनामा तैयार करते हुए पोस्टमार्टम करने के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दी। मृतक के चाचा रविंद्र शाह ने बताया कि शौच करने के लिए अपने गांव बेलौड़ी से पश्चिम खेतों की तरफ गए हुए थे। तभी इन्हें बाढ़ के पानी का अंदाजा नहीं मिल पाया और पैर फिसल जाने से उसी में डूबकर उनकी मौत हो गई। हम लोगों ने काफी खोजबीन कर उनके शव को बाहर निकाला और अनुमंडल अस्पताल मोहनिया ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि मोहनिया प्रखंड के बेलौड़ी गांव में पानी काफी तेजी से बढ़ रहा था तभी गांव में जाकर स्थानीय मुखिया को इस पानी में बच्चों को नहीं आने देने की सलाह दी गई थी।

बक्सर में तीन माह से बंद घर में चोरी

बक्सर । चौगाई में तीन महीने से बंद एक घर में चोरों ने चोरी की है। घर में रखे नगदी समेत लाखो के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक जब घर पहुंचे तो देखा घर के सभी सामान बिखरे पड़े हैं। घर के अंदर के सभी ताले टूटे मिले। जिसके बाद पीड़ित ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी है। जिसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

एफआईआर दर्ज कर आगे की कर्रवाई की जा रही है। मामला मुरार थाना क्षेत्र के ठोरी पांडेयपुर गांव का है। बताते हैं कि तीन महीने पहले ठोरी पांडेयपुर के अलख राज पांडेय का निधन हो गया था। उनके श्राद्धकर्म के बाद इकलौते प्रोफेसर पुत्र राजकुमार पांडेय घर में ताला जड़ बीमार मां को अपने साथ लेकर नोएडा लेकर चले गए थे। इसी दौरान उनके दरवाजे के पास स्थित एक खंडहरनुमा घर के रास्ते चोर उनके आंगन में प्रवेश कर गए तथा दो कमरों में रखे गए आलमीरा का ताला तोड़ चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। चोरों ने घर से 75 हजार रुपये नकद के अलावा सोने के दो चैन, गले का एक हार, तीन मंगलसूत्र, चार अंगूठी, मंगटीका, टॉप्स, चांदी के आभूषणों व कीमती साड़ियां और बर्तनों की चोरी की है।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

बांका । धनकुंड थाना क्षेत्र में हथियार के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अवैध हथियार के साथ रियल बना कर युवक सोशल मीडिया पर डाला था। फोटो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे एक देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है। गुरुवार की रात युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और शुक्रवार को बांका जेल भेजा जाएगा। धनकुंड थाना अध्यक्ष मंटू कुमार ने बताया कि हथियार के साथ फोटो वायरल की सूचना के बाद सत्यापन एवं कार्रवाई के क्रम में छापेमारी कर थाना क्षेत्र के अनीशाबाद गांव निवासी मोहम्मद फरीद मंसूरी के घर में छापेमारी अभियान चलाकर हथियार के साथ फोटो वायरल करने वाले 26 वर्षीय मोहम्मद साइन को अवैध देसी कट्टा के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष मंटू कुमार ने बताया कि युवक को अवैध एक देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए बांका जेल भेज दिया जाएगा।

बिहार में चंद लोगों के पास ज्यादातर जमीन

तेजस्वी ने यह कहकर बड़ा संकेत दिया है, भूमि सुधार आयोग की अनुशंसा अभी भी पेंडिंग

पटना। जातीय आधारित गणना की रिपोर्ट सामने आने से पहले 30 सितंबर को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा-आज के संदर्भ में देखें तो चंद लोग देश चला रहे हैं, देश की संपत्ति बेच रहे हैं। चंद लोगों के पास ज्यादातर जमीन है। यही लैंड लॉर्ड हैं। जिनकी आबादी ज्यादा है उसके पास जमीन है ही नहीं। तेजस्वी के इस बयान से लोगों को बिहार में भूमि सुधार की याद आ गई, जिसकी रिपोर्ट आज तक बिहार में लागू नहीं की गई है। बिहार में हुई जाति गणना की उस रिपोर्ट को अभी सामने नहीं लाया गया है, जिसमें यह है कि किस जाति के पास कितनी जमीन है। जब यह आंकड़ा सामने आएगा तो काफी चौंकाने वाला होगा। बिहार में 16 जून 2006 को डी. बंधोपाध्याय की अध्यक्षता में भूमि सुधार का गठन किया गया था। रिपोर्ट आने के बाद बिहार की राजनीति काफी गर्म हो गई थी। सवर्ण नेताओं ने इसका खूब विरोध किया था। अफसरों ने अंदर खाने से इसका विरोध किया। भाकपा माले ने इसे लागू करने के लिए लंबा आंदोलन चलाया, लेकिन नीतीश सरकार इसे लागू करने का साहस नहीं दिखा पाई। माले पोलित ब्यूरो के सदस्य धीरेंद्र झा कहते हैं कि भूमि सुधार हमारे आंदोलन का मुख्य मुद्दा रहा है। डी. बंधोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट लागू करने की मांग हम लंबे समय से कर रहे हैं। जाति गणना में यह भी जानकारी हासिल की गई है कि किसके पास कितनी जमीन है। इसकी रिपोर्ट आएगी तो एक और वास्तविकता का सामना लोगों को करना पड़ेगा। बिहार में जो 60 फीसदी खेती करने वाले लोग हैं, उनके पास जमीन हैं ही नहीं। जिनको खेती से कोई मतलब नहीं है उनके पास ज्यादातर जमीन है। बिहार के बैडवर्ड होने का बड़ा कारण यह भी है कि यहां भूमि का असमान वितरण है। सरकार की ओर से मुकम्मल भूमि सुधार को रोकना इसका बड़ा कारण है। लोग आम तौर पर यह समझते हैं कि जिनके पास ज्यादा जमीन है। उनसे लेकर गरीबों को जमीन दे दी जाएगी, यही भूमि सुधार है। भूमि सुधार की सिफारिश में क्या है ये बताएं? इस सवाल पर पर धीरेन्द्र झा कहते हैं कि डी. बंधोपाध्याय ने कहा है कि जमीन जिनकी है। उनकी ही रहेगी, लेकिन बटाईदारों का रजिस्ट्रेशन होगा ताकि सरकार की सुविधाएं उन्हें मिल सके। उत्पादकता बढ़ सके। जमीन के मालिकाना हक को समाप्त करने के लिए बटाईदारी नहीं है। इस बटाईदारी कानून को भी बिहार में लागू नहीं किया जा सका और बटाईदारों की स्थिति तो खराब है ही, अनाज की उत्पादकता भी कम है। उन्होंने कहा कि दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा की संपूर्ण तस्वीर जिस तरह से सामने आई है उस तरह से जमीन की मिल्कियत की भी तस्वीर सामने आएगी। बंधोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट ने मजबूती से कहा कि जमींदारी उन्मूलन कानून के बावजूद पूर्णिया, चंपारण जमींदारों का स्टेट बन हुआ है। लाखों एकड़ जमीन कई जिलों में पड़ी हुई है जो वैसे लोगों के हाथों में है जिनको खेती से कोई मतलब नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

तीन दिनों की बारिश, शहर में बाढ जैसे हालातः समस्तीपुर में जलजमाव से बढ़ी परेशानी

समस्तीपुर । तीन दिनों से जारी बारिश से शहर के कई इलाकों में बाढ जैसे स्थिति उत्पन्न हो गई है। समस्तीपुर नगर निगम में जुड़े नये इलाकों की स्थिति गंभीर है। जितवारपुर के वार्ड 15, 16, 19 आदर्शनगर के वार्ड 39,40 सड़कों पर एक से डेढ़ फीट तक पानी लगा है। एक सप्ताह से लोग बाढ़ जैसी पीड़ा झेल रहे हैं। हालांकि नगर निगम द्वारा कई स्थानों पर पंप सेट लगा कर पानी निकासी का प्रयास किया गया है लेकिन निकास का मुख्य नाला जाम होने के कारण स्थिति में सुधार नहीं हो रहा। जितवारपुर वार्ड 15 के डॉ पवन कुमार यादव, कुंदन यादव वार्ड 16 के कुणाल राम, रामानंद यादव का कहना है कि पिछले दस दिनों से इस वार्ड के लोग बाढ़ जैसी पीड़ा झेल रहे हैं। वहीं तीन दिनों से लगातार बारिश होने से सेंट पॉल स्कूल से लेकर हसनपुर मुख्य सड़क तक करीब एक किलोमीटर में एक से डेढ फीट तक पानी लगा हुआ है। सबसे अधिक परेशानी इस इलाके के बच्चों को स्कूल जाने में हो रही है। पानी की बजह से बच्चे ड्रेस कोर्ड का पालन नहीं कर पा रहे हैं। कई बच्चे तो पानी में गिर कर कई बार भींग भी चुके हैं। लोगों ने बताया कि इस इलाके का पानी रेलवे के मालगोदाम पुलिया के रास्ते डीजल शेड होते हुए अटेरन चौक बड़ा नाला में जाता है। लेकिन यह नाला लंबे समय से जाम है। वर्षों से नाला की सफाई नहीं हुई। जिससे पानी का निकास सही से नहीं हो रहा है। फलस्वरूप इस क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है।वार्ड 19 रेलवे कॉलोनी से घिरा है। इस वार्ड के लोग रेलवे के पानी से डूबे हुए हैं। रेलवे डीएस कॉलोनी का नाला डबल स्टोरी के पास टूटा हुआ है। जिस कारण नाला का पानी वार्ड 19 में प्रवेश कर रहा है। इस इलाके की खेती योग्य जमीन डूबी हुई है। लोगों के घरों में भी पानी लगा हुआ है।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट

नवादा । जमीन बटवारे को लेकर दो भाइयों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्ष से 7 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पकरी बरमा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर बिहटा गांव का है। जहां बीना चौहान और छोटेलाल चौहान के बीच जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इस विवाद में दोनों तरफ से जमकर लाठी और डंडे से एक दूसरे पर हमला किया। बिना चौहान का आरोप हैं कि मेरे परिवार के साथ मेरे चचेरे भाई छोटेलाल चौहान ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। देर रात उसने घर में घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। जिसमें महिला पुरुष सहित पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। बिंदु चौहान ने बताया कि यह पूरा मामला जमीन से जुड़ा है। तीन कट्ठा जमीन को लेकर दोनों के बीच 2012 से ही विवाद चल रहा है। छोटेलाल चौहान ने बताया कि मेरे तरफ से भी तीन व्यक्ति घायल है। हम लोगों की जमीन पर मेरे ही चचेरे भाई कब्जा करना चाहते हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष में विवाद हुआ है। मारपीट की घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। बरमा के थाना प्रभारी रवि भूषण ने बताया कि जमीन को लेकर यह विवाद हुआ है। आपस में मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। दोनों पक्ष की ओर से शिकायत दर्ज की गई है। फिलहाल वालों की इलाज चल रहा है।

पितृपक्ष मेले से तीन मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

गया । विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले में चोरों ने आतंक मचाया हुआ है। विष्णुपद मंदिर स्थित देवघाट पर तैनात पुलिसकर्मियों को बड़ी सफलता मिली है। पिंडदानियों से छिनतई और चोरी के मोबाइल के साथ तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। ररढ आशीष भारती ने बताया कि विष्णुपद मंदिर परिसर में बने अस्थाई थाने को पिंडदानियों ने सूचना दी कि उनकी मोबाइल किसी ने चुरा ली है। सूचना के बाद पुलिस जांच पड़ताल शुरू की।

सीसीटीवी कैमरे के सहारे पुलिस ने तीन शातिर स्नेचिंग गिरोह के सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस टीम ने तीनों शातिरों को पिंडदानियों कि अथाह भीड़ के बीच से चिन्हित कर दबोचने में सफलता हासिल कर ली है। ररढ ने बताया पुलिस कार्रवाई में 3 शातिर चोरों को पकड़ा है तीनों शातिर चोरों से पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार शातिर चोरों के पास से 3 महगें मोबाइल फोन समेत,नगद रुपए व अन्य समान बरामद किए गए हैं एसएसपी ने बताया इतना ही नहीं पकड़े गए चोरों ने पुलिस कर्मियों को पैसे देकर छोड़ने की बात भी कह रहा था।

सीएम योगी ने दी 248 करोड़ की सौगात

26 परियोजनाओं का शिलान्यास लोकार्पणः तराई के क्षेत्र में ईको पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं

संवाददाता

पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीलीभीत के मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस पहुंचकर वन्य जीव सप्ताह का समापन किया। उन्होंने पीलीभीत को 248 करोड़ की 26 परियोजनाओं की सौगात दी। उनका शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर वन विभाग के कई अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तराई के क्षेत्र में ईको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। चूका से लेकर कर्तनिया घाट, दुधवा और अमानगढ़ तक ईको टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है। वन विभाग ने 10 वेटलैंड विकसित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य का अस्तित्व जीव जंतु और जल पारिस्थितिकी तंत्र पर टिका हुआ है। भारतीय मनीषा में ही धरती को माता कहा है और हम सब इसके पुत्र हैं। जीव होने के नाते हम सभी का सह अस्तित्व है। जीव पालतू हो या जंगली। सब सह अस्तित्व पर निर्भर करते हैं। जीव जंतुओं और पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट होगा तो मनुष्य के अस्तित्व पर भी संकट आ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के लिए प्रयासरत है। हम सभी का विकास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने संयुक्त सर्वे किया है। सर्वे में पीलीभीत टाइगर रिजर्व को प्रथम ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 25 बाघ थे। 2018 में बढ़कर इनकी संख्या 65 हुई है। राज्य में 173 बाघ थे। अब यूपी में 205 से अधिक बाघ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018-19 में मुझे दुधवा जाना पड़ा था। प्रकृति में संतुलन होने पर मानव एवं वन्यजीवों में संघर्ष होता है। इस संघर्ष से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए हमारी सरकार ने इसे आपदा घोषित किया। अब कोई जनहानि होने पर पांच लाख का मुआवजा दिया जाता है। छह वर्ष के अंदर जन सहभागिता के माध्यम से वन विभाग को मॉडल विभाग बना दिया है। वन्यजीवों के संरक्षण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यूएनडीपी में परिस्थिति तंत्र और जैव विविधता के प्रमुख मिंडोरी पैक्स्टन की ओर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर का टाइगर एक्स टू अवार्ड दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

ग्राम चौपालः गांव की समस्या का गांव में ही होगा समाधानः रविरंजन

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के गांव नदवाबिशुनपुर में शुक्रवार को गांव की समस्या, गांव में समाधान योजना के तहत पंचायत भवन परिसर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। गांव के लोगों को दस बजे का समय दिया गया था गांव के लोग तो जुट गये लेकिन चौपाल से संबंधित अधिकारी दो घंटे की देरी से पहुचे जिसको लेकर लोगो में काफी नाराजगी दिखी। जबकि सचिव रेखा सिंह अनुपस्थित रही राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा। लोगो ने चौपाल में आये अधिकारियो से अपनी समस्याये बताई। चौपाल को सम्बोधित करते हुये खंड विकास अधिकारी रविरंजन ने बताया की गांव के किसी भी व्यक्ति को अब दर दर भटकना नहीं पड़ेगा आपके समस्या का समाधान गांव में ही हों जायेगा, जन्म, मृत्यु, परिवार रजिस्टर की नकल पंचायत भवन पर ही उपलब्ध हों जायेगा। वृद्धा, विधवा विकलांग पेंशनधारियों का जो पेंशन नहीं आया है उसके लिये आधार सीडिंग खाते से करा ले और एकल खाता ही होना चाहिए। वृद्धा पेंशन का लाभ पति पत्नी दोनों लोग ले सकते है। इसके अलावा सुमंगला योजना, पुत्री विवाह योजना, पीएम किसान योजना, शौचालय बनवाने की जानकारी दी गई । इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी आर.के. राय, जेई संदीप मिश्रा, विजय कुमार सिंह ग्राम प्रधान प्रमिला देवी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विश्वविजय सिंह, लदन सिंह, सुभावती देवी, अनारी देवी, सुरसती देवी, सूरज सिंह, हरेराम सिंह,बाढ़ू शर्मा, संतोष सैनी, जवाहर प्रसाद, रमेश गोंड, रामा सिंह, राजन सिंह, नंदू शर्मा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

रबी फसलों के लिए यूपी ने रखा 448 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य

संवाददाता

लखनऊ । खरीफ फसलों की खरीद के लिए जारी तैयारियों के बीच योगी सरकार ने आगामी रबी सीजन में खाद्यान्न तथा तिलहनी फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार कर ली है। रबी सीजन 2022 में जहां 136.06 लाख हेक्टेयर भूमि आच्छादित थी और 427.83 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ। वहीं, आगामी रबी 2023 में खाद्यान्न एवं तिलहनी फसलों के अन्तर्गत 134.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर बोआई और 448.66 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। सरकार द्वारा तैयार रबी उत्पादन 2023 फसल उत्पादन रणनीति में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 428.77 लाख मीट्रिक टन एवं तिलहन उत्पादन के 19.90 लाख मीट्रिक टन (खाद्यान्न एवं तिलहन के कुल उत्पादन 448.66 लाख मीट्रिक टन) के लक्ष्य के सापेक्ष गेहूं, जौ, मक्का, चना, मटर, मसूर, राई सरसों, तोरिया, अलसी के लिए अलग-अलग लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। फसल सघनता में वृद्धिः कृषकों की आय बढ़ाने के साथ ही सरकार का फोकस उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाने तथा उत्पादन लागत को कम करने पर भी है। फसल सघनता में वृद्धि के लिए किसानों को साल में दो या तीन फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है तो खरीफ में बुवाई से खाली खेतों में तोरिया अथवा लाही की बुवाई के लिए जागरूक किया जाएगा। वहीं, जिन क्षेत्रों में गन्ना की खेती हो रही है, वहां गन्ने से खाली होने वाले खेतों तथा शीघ्र पकने वाली अरहर से खाली खेतों में देरी की दशा में बोई जाने वाले गेहूं की प्रजातियों की बुवाई को भी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलिया, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, आजमगढ़, बस्ती, बाराबंकी, अयोध्या, सीतापुर खीरी और जौनपुर, जहां मक्का की खेती होती है वहां संकर मक्का की खेती के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी तरह उत्पादकता में वृद्धि के लिए न्यूनतम उत्पादकता वाले ब्लॉक के संबंध में खास रणनीति भी तैयार की जाएगी। उत्पादकता में वृद्धिः क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में सर्वाधिक क्षेत्र में गेहूँ की खेती उत्तर प्रदेश में की जाती है। जलवायुविक भिन्नताओं, संसाधनों की कमी, कृषि निवेशों के असंतुलित प्रयोग तथा उन्नत तकनीक का पूरा लाभ न लेने के कारण प्रदेश में गेहूँ की उत्पादकता पंजाब एवं हरियाणा की अपेक्षा कम है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विभिन्न फसलों की उत्पादकता में भी भारी अन्तर है। उत्पादकता वृद्धि के लिए न्यूनतम उत्पादकता वाले ब्लाक/न्याय पंचायत के सम्बन्ध में भी समुचित रणनीति बनाकर त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु जनपद स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न फसलों की ब्लाक/न्याय पंचायतवार उत्पादकता को आधार मानकर योजनायें बनाकर सघन पद्धतियों को लागू करने की योजना है।

आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में शिक्षक प्रकोष्ठ ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ जनपद कुशीनगर द्वारा राज्य सभा सांसद संजय सिंह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में संगठन से जुड़े शिक्षकों ने बांह में काली पट्टी बांधकर बुद्ध स्थली कुशीनगर में प्रदर्शन कर विरोध जताया। शुक्रवार को आप शिक्षक प्रकोष्ठ जनपद कुशीनगर के जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने कहा कि यह गिरफ्तारी वैमनस्यपूर्ण है। सरकार जनविरोधी है और विपक्षी एकता से घबरायी हुई है एक एक करके विपक्षी नेताओं को निराधार आरोपों में जेल में डाल रही है आने वाले चुनाव में जनता केन्द्र की भाजपा सरकार को अपने वोटो के माध्यम से पदच्युत करेगी और विपक्ष का इंडिया गठबंधन जीतेगा। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि यदि सरकार हमारे सांसद को जल्द रिहा नही करती है तो पार्टी द्वारा देश व्यापी आन्दोलन किया जायेगा। इस दौरान उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन राव, सत्येन्द्र पाण्डेय, श्रीकांत सिंह कुशवाहा, अमरजीत मिश्र, विजय मणीन्द्र त्रिपाठी, रत्नेश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

सरकारी बस ड्राइवर ने शराब पीकर सवारियों से की बदतमीजी

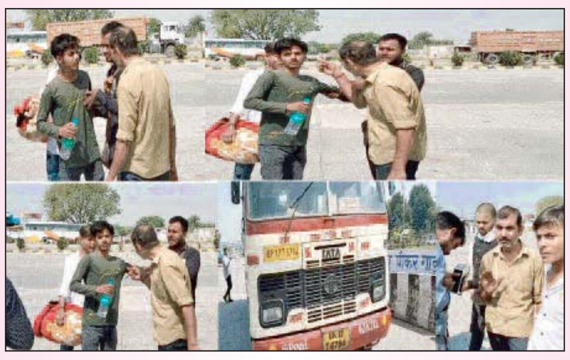

संवाददाता

हापुड़ । सरकारी परिवहन का मामला सामने आया है !जहाँ हापुड़ डिपो से कोशाम्बी को जाने वाली बस नंबर यूपी 17ळ 6784 का ड्राइवर ने शुक्रवार करीब 12:30बजे शराब पीकर गाड़ी को कोशाम्बी के लिए लेकर जा रहा था !मिली जानकारी के अनुसार ड्राइवर ने कैई बार गाड़ी को रोड किनारे जंगल मैं रोका फिर छिजारसी टोल पर यात्रियों को बस से बाहर उतार कर उनसे बद तमीजी और गाली गलोंच करने लगा !वहीं ड्राइवर ने बस मैं बैठे यात्रियों से बस को पलटने की बात करता था बतादें टोल प्लाजा पर कुछ लोगों ने सवारियों और ड्राइवर को समझा बुझा का मामला शांत कराया।

पोर्टल पर साप्ताहिक स्टॉक की घोषणा करेंगे दाल कारोबारी

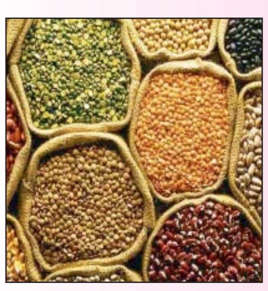

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में दालों की जमाखोरी को रोकने तथा मूल्य वृद्धि को लेकर योगी सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के आला अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से घोषित संशोधित स्टॉक लिमिट को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए दाल के कारोबारियों का निरीक्षण एवं सत्यापन कराया जाए। इसके अलावा जो व्यापारी अभी तक पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं है, उनका तत्काल रजिस्ट्रेशन कराया जाये। वहीं शासन की ओर से निर्देश दिया गया है कि सभी दाल के कारोबारियों से निर्धारित पोर्टल पर साप्ताहिक स्टॉक की घोषणा करायी जाए। विभाग के अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि सरकार से मिले निर्देश में प्रदेश में कार्यरत डीलर, इम्पोर्टर, मिलर, स्टॉकिस्ट व ट्रेडर से भारत सरकार के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराते हुये उनसे साप्ताहिक (प्रत्येक शुक्रवार) स्टॉक की घोषणा कराने हेतु समय-समय पर डीएम से अनुरोध किया गया है।अद्यतन स्थिति के अनुसार केंद्र सरकार के पोर्टल पर कुल 1,878 दाल के कारोबारी पंजीकृत हैं, जिनके द्वारा समस्त दालों को मिलाकर 138442 मी0टन स्टॉक की घोषणा की गयी है, जिसमें तूर दाल का स्टॉक 24686 मी0टन, उरद दाल का स्टॉक 16376 मी0टन एवं मसूर दाल का स्टॉक 39150 मी0टन घोषित किया गया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर 04, अमरोहा 04, कन्नौज 05, कासगंज 06, श्रावस्ती 06, फरुर्खाबाद 07, इटावा 07, अमेठी 09, मैनपुरी 09 एवं सुल्तानपुर में 09 रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर हुए हैं। इन जनपदों में पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जल्द कराने के निर्देश दिए हैं।

धूमधाम से मना गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती का जयंती

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। महारानी दुर्गावती सेवा संस्थान द्वारा आयोजित गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती जयंती पर चौपाल एवं सहभोज कार्यक्रम तहसील क्षेत्र के ग्राम सरैया महंत पट्टी में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम संयोजक के द्वारा सरेया महंथ पट्टी, जोकवा,धुनवलिया, सोहंग आदि गांव के 38 आदिवासी भाई बहनों को निःशुल्क जाति प्रमाण पत्र निर्गत करवाकर उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मा.सुरेंद्र सिंह कुशवाहा जी ने कहा कि महारानी दुर्गावती आदिवासी समाज की आन -बान- शान एवं महान योद्धा थी जिसने युद्ध में अकबर को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया हम वादा करते हैं कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए हर संभव कोशिश करते रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक एवं गोंड संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राधेश्याम गोंड ने कहा कि गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती जी का जन्म दुर्गाष्टमी के दिन 5 अक्टूबर 1524 ईस्वी में चंदेल वंश के कालिंजर के राजा कीरत राय के वहां हुई थी दुर्गा अष्टमी के दिन जन्म लेने के कारण इनका नाम दुर्गावती रखा गया। जिनका विवाह गढ़ मंडला के गोंड राजा दलपत शाह के साथ हुई विवाह के कुछ समय के उपरांत असमय उनके पति का देहांत हो गया। तदोपरान्त गढ़ मंडला की शासन व्यवस्था महारानी दुर्गावती के हाथों में आ गई, महिला राजा होने के कारण यह बात अकबर को बहुत नागवार लगी तथा उनके राज्य को कब्जा करने की नीयत से योजना बनाया युद्ध में अकबर के विशाल सेना को महारानी दुर्गावती ने कई बार धूल चटाया तथा अंत में अपने आन- बान की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसी क्रम में गिरजेश गोंड, सुचित कुमार गोंड, कपिल देव गोंड, भूमक डिग्री प्रसाद गोंड ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गोंडी संस्कृति के अनुसार विधिवत गो- गो पूजा कर महारानी दुर्गावती जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरंभ किया गया। अध्यक्षता जनपद देवरिया गोंड समाज के जिला अध्यक्ष मुंशी प्रसाद गोंड एवं संचालन हीरालाल गोंड ने किया। इस दौरान पंकज गोंड, रामधनी गोंड, आदया लाल गोंड, दयाशंकर गोंड, सहदेव गोंड, संजय गोंड, मनोनीत सभासद नपा कुशीनगर राधिका देवी, ग्राम प्रधान धुनवालिया, सुगंधी देवी आदि सैकड़ो आदिवासी समाज के व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व. केश्वर यादव

कुर्सी दौड़ में भाग लिए खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत केश्वर इण्टरमीडिएट कालेज बनवारी टोला के प्रांगण में स्वड्ढ केश्वर यादव जी के पाँचवी पुण्यतिथि मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री बौध शोध संस्थान उप्र भन्ते महेन्द्र, भन्ते अशोक सहित अतिथियों ने स्व0 केश्वर यादव के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनके समाधि स्थल पर फूल अर्पित कर श्रध्दांजलि दी।

अतिथियों ने पुण्यतिथि अवसर पर विद्यालय प्रांगण मे कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता छात्र/छात्राओं को पुरस्कार दिया। अतिथियों का स्वागत स्वड्ढकेश्वर यादव के पुत्र पूर्व जिपंस मदन यादव तथा उनके पौत्र व प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भोला यादव, ओमप्रकाश यादव, पारस यादव,प्रदीप यादव, मुन्ना यादव, देवेन्द्र प्रताप यादव, हरेन्द्र कुमार यादव, जगतराज कुमार चौहान, अमरजीत यादव, शेषनाथ यादव, गिरिधर गोपाल यादव, कमलेश भारती, जयसिह प्रसाद गोड, कन्हैया कुमार वर्मा, सतवीर कुशवाहा, अम्बालिका यादव, शशिमा पटेल, गुड्डी मध्देशिया, रूबी पटेल, मोनिका प्रसाद, मुन्नी देवी सहित शिक्षक व बच्चे उपस्थित रहे।

कानपुरः सेना-वर्दी के गोदाम में भीषण आग

कानपुर । गुरुवार रात दो बड़े अग्निकांड हो गए। पहला मामला, नौबस्ता (संजय नगर) में हुआ। यहां कपड़ा गोदाम में आग लग गई। यहां सेना की वर्दी बनाई जाती थी। आग के बीच गोदाम से लगातार धमाके हो रहे थे। जिसके कारण आस-पास के 50 घर खाली कराने पड़े। यहां करीब दमकल की 15 गाड़ियां 9 घंटे पर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सकता है। दूसरा मामला, चकेरी के बस स्टेशन में हुआ। यहां ई-बसों को चार्ज किया जाता है। अचानक आग लगने के बाद यहां खड़ी 3 बसें धूं-धूं करके जलने लगीं। यहां कुछ घंटों में ही बसों का सिर्फ ढांचा बचा। इस वक्त भी अग्निशमन विभाग के अफसर मौके पर मौजूद हैं। ये दोनों अग्निकांड 1 घंटे के अंतराल पर हुए हैं। कानपुर के नौबस्ता संजय नगर में सुनील का गोदाम है। यहां वर्दी तैयार होती हैं। सुनील ने बताया कि देर रात करीब 3 बजे पड़ोसियों ने सूचना दी कि गोदाम से धुआं उठ रहा और आग की लपटें दिख रही हैं। जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। उन्होंने और मोहल्ले के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पूरा गोदाम चंद मिनट में ही धधकने लगा। सूचना पर उत्रङ्घ दीपक शर्मा फायर ब्रिगेड की 5 पांच गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे हैं। आग को बढ़ता देख 5 और गाड़ियां बुलानी पड़ी। गोदाम के चारों तरफ से आग पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की गई। 9 घंटे बाद भी आग को पूरी तरह से काबू नहीं किया जा सका है। मौके पर डीसीपी रवींद्र कुमार, एडीसीपी अंकिता शर्मा और पुलिस कमिश्नर डॉ. आरके स्वर्णकार भी पहुंचे।

ब्लड डोनेशन के बारे में आम नागरिकों को जागरूक करें विशेषज्ञः मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। पूरे देश में रोजाना डेढ़ करोड़ यूनिट ब्लड की जरूरत पड़ती है। इसमें से 20 से 25 लाख यूनिट ब्लड कम पड़ जाता है। इसकी वजह लोगों में जागरुकता का अभाव है। अक्सर देखने में आता है कि परिवार के लोग ही मरीज को ब्लड देने के लिए तैयार नहीं होते हैं। ये उनमे ब्लड डोनेशन को लेकर जागरुकता का न होना दशार्ता है। इसमें सबसे बड़ी कमी हमारी है। इसका फायदा उठाकर रक्तदाता पैसों की डिमांड करता है और ब्लड के साथ कई बीमारियों को भी देने का काम करता है। वहीं आज एक यूनिट ब्लड से टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर कई लोगों की जान बचायी जा सकती है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि लोगों को ब्लड डोनेशन के लिए जागरुक करें ताकि ब्लड की कमी को दूर किया जा सके। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को क्लार्क अवध होटल में आयोजित यूपी चैप्टर आईएसबीटीआई तथा ब्लड ट्रान्सफ्यूजन एण्ड इम्यूनोहिमाटोलॉजी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कांफ्रेंस 'ट्रांसकॉन-2023' के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इससे पहले सीएम ने ट्रांसकॉन-2023' की सॉवेनियर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 15 वर्षों बाद प्रदेश में सम्मेलन होने जा रहा है। ऐसे में यह सम्मेलन ब्लड ट्रांसफ्यूजन के फील्ड में काम करने वाले सभी विशेषज्ञों और स्टेक होल्डर के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जो इस क्षेत्र में प्रदेश को आगे ले जाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा। सीएम ने कहा कि कोरोना कालखंड में एक-एक व्यक्ति की जान बचाना सरकार की प्राथमिकता थी। इस दौरान चिकित्सकों और हेल्थ वर्कर्स ने प्रतिबद्धता के साथ काम किया और हमने कोरोना को हराया। केंद्र और राज्य की सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या नया हुआ है इसे देश में लाने का प्रयास कर रही है। ऐसे में इस तरह के राष्ट्रीय सम्मेलन हेल्थ के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान में बड़ी भूमिका निभाते हैं। सीएम ने कहा कि कोरोना काल में आधे प्रदेश में आईसीयू के एक भी बेड नहीं थे, लेकिन प्रयास से सभी जनपदों में कमी को पूरा किया गया। इसके बाद विशेषज्ञ, पैरामेडिकल, नर्सिंग स्टाफ और टेक्नीशियन की कमी सामने आने लगी। इस पर ट्रेनिंग शुरू की गयी और केजीएमयू, एसजीपीजीआई ने पूरे प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू का संचालन किया। इससे करोना को हराने में काफी मदद मिली। इस दौरान फ्रंटलाइन वर्कर भी मजबूती के साथ खड़े रहे। इससे प्रदेश में मृत्यु दर को न्यूनतम रखने के साथ संक्रमण के फैलाव को रोकने में काफी हद तक सफलता मिली थी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश ने टेक्नोलॉजी के प्रयोग से कोरोना को मात दी। उन्होंने कहा कि भारत की 140 करोड़ की आबादी की तुलना में यूएसए की आबादी एक चौथाई है, लेकिन कोविड प्रबंधन में वह पूरी तरह फेल रहा जबकि भारत में यूएसए के मुकाबले संक्रमण और मृत्यु की दर काफी कम थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मेलन टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान से बहुत सशक्त माध्यम बनते हैं।

क्रिकेट पर निगाह

भारत में एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का आगाज हो गया। क्रिकेट में बीसीसीआई के वर्चस्व के बावजूद यहां विश्व कप के अवसर कम ही आते हैं, इसलिए ऐसा अवसर हर लिहाज से खास बन जाता है। गुरुवार, 5 अक्तूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हुआ टूर्नामेंट 19 नवंबर तक चलेगा। डेढ़ महीने से ज्यादा चलने वाले इस आयोजन में न सिर्फ मैदान पर उलटफेर की संभावना रहेगी, समाज और बाजार में भी क्रिकेट का रंग बिखरेगा। भारत में क्रिकेट की पहुंच गली-गली तक है और दुनिया में कहीं भी क्रिकेट हो, उसके दर्शक भारत में मिल जाते हैं। भारत का मुकाबला रविवार को जब ऑस्ट्रेलिया से होगा, तब पूरे देश की नजरें क्रिकेट पर केंद्रित हो जाएंगी। देश के दस शहरों का माहौल निश्चित ही बदलने वाला है। दस टीमों के बीच मुकाबला है और ताज किसी एक के सिर सजना है। यह गौर करने की बात है कि पिछली बार भारत में साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप हुआ था और उसमें महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में भारत दूसरी बार विश्व कप जीतने में कामयाब हुआ था। यह बात भी गौर करने की है कि पिछले तीन टूर्नामेंट में मेजबान ही विजेता रहा है। ऐसे में, भारत की तगड़ी दावेदारी है। जब क्रिकेट की चर्चा तेज हो, तब बाजार का पक्ष भी गौर करने लायक है। बैंक ऑफ बड़ौदा के अर्थशा्त्रियों ने अनुमान लगाया है कि इस क्रिकेट विश्व कप से भारत की अर्थव्यवस्था को 2.4 अरब डॉलर तक का बढ़ावा मिलेगा। चूंकि देश में पितृ पक्ष के बाद त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है, इसलिए क्रिकेट के कारोबार और कमाई का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। चूंकि बारह साल बाद यह आयोजन भारत में हो रहा है, इसलिए इसके प्रति दर्शकों में कुछ ज्यादा ही उत्साह है। अर्थशा्त्रियों का अनुमान है कि टूर्नामेंट के लिए टेलीविजन और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, दोनों सहित कुल भारतीय दर्शकों की संख्या साल 2019 में देखे गए 55.20 करोड़ से कहीं अधिक होगी। भारत अगर अच्छा खेलता है, तो टीवी अधिकार और प्रायोजन राजस्व से भारतीय क्रिकेट से 120 अरब रुपये तक का व्यापार पैदा हो सकता है। मगर एक आशंका यह भी है कि चूंकि यह आयोजन बहुत महंगा है, इसलिए यह महंगाई को कुछ बढ़ा सकता है। वैसे भी त्योहारी सीजन में महंगाई थोड़ी तेज रहती है। इस अवधि में यात्रा टिकट से लेकर रेस्तरां व होटल किराया भी बढ़ना तय है। एक अनुमान है, महंगाई में इस विश्व कप का योगदान 0.25 प्रतिशत तक रह सकता है। यह अर्थव्यवस्था का सहज व्याकरण है कि जब व्यापार बढ़ता है, तब सरकार की कमाई भी बढ़ती है। अतः समग्रता में यह विश्व कप भारत को कुछ और संपन्न कर जाएगा। एक अन्य अनुमान के अनुसार, विश्व कप से 1,248 करोड़ रुपये से अधिक का आश्चर्यजनक प्रायोजन राजस्व पैदा होगा। इस वृहद आयोजन में 20 से भी ज्यादा प्रायोजक और भागीदार हैं, सभी को इससे लाभ की उम्मीद है। आयोजक प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

विदा स्वामीनाथन

भारत ने अपनी हरित क्रांति का अग्रदूत खो दिया। भारत सदा-सर्वदा यह याद करेगा कि कैसे प्रसिद्ध वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने देश में अनाज उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति का नेतृत्व किया था। चेन्नई में 98 वर्ष की आयु उनका निधन भारतीय कृषि व खाद्य सुरक्षा के एक स्वर्णिम अध्याय के समापन की तरह है। यह कितना सुखद है कि देश के करोड़ों लोगों के लिए भोजन जुटाने में सहायक रहे वैज्ञानिक को लंबा जीवन नसीब हुआ और उनकी पुत्री व डब्ल्यूएचओ में पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने देश को बहुत गर्व के साथ बताया कि स्वामीनाथन बहुत शांति से दुनिया से विदा हुए हैं। किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने जीवन का एक लंबा समय लगा दिया था और हरित क्रांति की राह में आई बाधाओं को बहुत चतुराई से दूर किया था। इन कृषि महावीर वैज्ञानिक का यह देश सदैव ऋणी रहेगा। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनका अनुपम योगदान हमारे इतिहास का एक उज्ज्वलतम वाक्य है। उनके प्रति शोक संवेदनाओं का तांता स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी श्रद्धांजलि में उचित ही कहा है कि कृषि में उनके अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। स्वामीनाथन को विश्व स्तर पर अनेक सम्मान हासिल हुए। एक वक्त था, जब दुनिया को लगा था कि भारत अपने लोगों का पेट नहीं भर पाएगा। अंग्रेज तो भारतीय कृषि व्यवस्था को खोखला कर गए थे। भारत न खाने योग्य आयातित अनाज पर निर्भर हो गया था, पर स्वामीनाथन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज वाली गेहूं और चावल की किस्मों पर सफलतापूर्वक काम करके कमाल कर दिया। हरित क्रांति की सफलता ने बहुत कम समय में देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया, अकाल से मुक्ति मिली, गरीब किसानों को भी लाभप्रद कृषि का तरीका आ गया। अनेक गांवों में खुशहाली आ गई। ऐसे महान बदलावों के लिए स्वामीनाथन को स्वाभाविक ही भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। स्वामीनाथन सच्चे भारतीय थे। विश्व युद्ध के समय जब बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था।

Social Media Corner

सच के हक में...

बीते नौ वर्षों में देशवासियों ने सामाजिक समरसता और विरासत के प्रति भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता के बहुत सारे उदाहरण देखे हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

देश आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास के नए आयामों को छू रहा है। इसीलिए पैसों की राजनीति करने वाली कुछ भ्रष्ट पारिवारिक पार्टियां मोदी जी को रोकने के लिए एकजुट हो रही हैं। झारखंड में कानून व्यवस्था इतनी खराब हो चुकी है कि, यहां औसतन प्रतिदिन लगभग आधा दर्जन हत्याएं हो रही हैं। लोगों को सुरक्षा मांगने पर भी नहीं मिल रही है। वही ट्रांसफर उद्योग, शराब और बालू की दलाली करने वाले लोगों के लिए पुलिस सुरक्षा में लगी रहती है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

संतान की सुख समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखने वाली सभी माताओं, बहनों और उनके परिवारजनों को जितिया व्रत की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूँ।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

योगी का सनातन संदेश

ANALYSIS

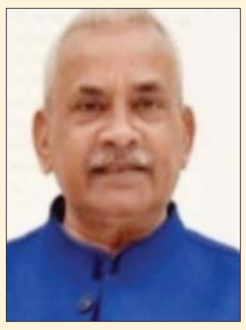

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

योगी श्री रामचरित मानस, हिन्दू और सनातन पर हमला बोलने वालों को उनकी औकात भी बता रहे हैं। जन्माष्टमी पर उन्होंने सनातन का अर्थ और भाव बताया था। उन्होंने कहा था कि यह मानव कल्याण का शाश्वत चिंतन है। उन्होंने कहा था कि जो सनातन रावण के अहंकार से नहीं मिटा, कंस के हुंकार से नहीं डिगा तथा बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा, वह ऐसे सत्ता के लोभी लोगों से क्या मिटेगा। इन्हें अपने कृत्यों पर लज्जित होना चाहिए। रावण तथा हिरण्यकश्यप ने ईश्वर और सनातन धर्म की अवमानना करने का प्रयास किया था। कंस ने ईश्वरीय सत्ता को चुनौती दी थी, लेकिन वे सभी मिट गए। सनातन धर्म मानवता का धर्म है। दुनिया के सभी मत, मजहब तथा सम्प्रदायों को सनातन धर्मावलम्बियों ने सुरक्षा व संरक्षण देने का कार्य किया है। सनातन धर्मावलम्बियों ने कभी भी स्वयं को विशिष्ट नहीं माना, बल्कि सदैव कहा कि 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है, विद्वान व महापुरुष उन्हें अलग-अलग भाव से देखते हैं।

विपक्षी इंडी एलायंस के सदस्य हिन्दू धर्म पर हमला बोल रहे हैं। उसे धर्म नहीं धोखा बता रहे हैं। सनातन के उन्मूलन का ऐलान कर रहे हैं। मन्दिरों की मूर्तियों की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल बयान दिए जा रहे हैं। जातिवाद और जातिगत वैमनस्य बढ़ाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इनमें से कोई भी दल विकास, सद्भाव और समरसता की बात नहीं कर रहा है, क्योंकि ऐसा करने पर इनको भी अपना हिसाब देना पड़ेगा। इंडी एलायंस की अनेक पार्टियां आज भी प्रदेशों मे सत्तारूढ़ हैं। यूपीए सरकार में भी ये साझेदार रहीं हैं। इसलिए विकास पर मौन रहने में ही इन्हें अपनी भलाई दिखाई देती है। इन सबने नरेन्द्र मोदी को हटाने का एकमात्र एजेंडा बनाया है। इसलिए वोट बैंक राजनीति चल रही है। हिन्दू, सनातन, ठाकुर का कुआं, हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ आदि पर नकारात्मक बयान दिए जा रहे हैं। दूसरी तरफ योगी आदित्यनाथ जैसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने बिना भेदभाव के अभूतपूर्व विकास करके दिखाया है। इसके साथ ही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से प्रेरित बेमिसाल कार्य किए हैं। योगी श्री रामचरित मानस, हिन्दू और सनातन पर हमला बोलने वालों को उनकी औकात भी बता रहे हैं। जन्माष्टमी पर उन्होंने सनातन का अर्थ और भाव बताया था। उन्होंने कहा था कि यह मानव कल्याण का शाश्वत चिंतन है। उन्होंने कहा था कि जो सनातन रावण के अहंकार से नहीं मिटा, कंस के हुंकार से नहीं डिगा तथा बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा, वह ऐसे सत्ता के लोभी लोगों से क्या मिटेगा। इन्हें अपने कृत्यों पर लज्जित होना चाहिए। रावण तथा हिरण्यकश्यप ने ईश्वर और सनातन धर्म की अवमानना करने का प्रयास किया था। कंस ने ईश्वरीय सत्ता को चुनौती दी थी, लेकिन वे सभी मिट

गए। सनातन धर्म मानवता का धर्म है। दुनिया के सभी मत, मजहब तथा सम्प्रदायों को सनातन धर्मावलम्बियों ने सुरक्षा व संरक्षण देने का कार्य किया है। सनातन धर्मावलम्बियों ने कभी भी स्वयं को विशिष्ट नहीं माना, बल्कि सदैव कहा कि 'एकम् सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है, विद्वान व महापुरुष उन्हें अलग-अलग भाव से देखते हैं। अलग-अलग रास्तों से इनका अनुसरण करते हैं। श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी- 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात बिना फल की चिन्ता किए अपना कर्म करते रहो। साथ ही, 'परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम' के भाव के साथ सज्जनों की रक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्य करें, वहीं दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कठोरता से कार्य करें। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने भगवान श्रीकृष्ण के इन सभी उपदेशों को अंगीकार करके प्रदेश के परसेप्शन को बदलने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है। इसी का परिणाम है कि विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश में 31 करोड़ पर्यटक आए हैं। उत्तर प्रदेश देश में निवेश के सबसे बड़े गंतव्य के रूप में उभरा है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणाएं बदल चुकी हैं। आज लोग यह मानते हैं कि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक प्रगति करने वाले राज्यों में है। ईश्वर सत्य तथा शाश्वत है। इसी प्रकार सनातन धर्म भी सत्य और शाश्वत है। पांच सौ वर्षों पूर्व अयोध्या में सनातन धर्म को अपमानित करने का प्रयास किया गया था। आज ईश्वरीय अवतारों की कृपा से सनातन धर्म फिर से खड़ा हुआ है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दुनिया को मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाली भारत की सनातन परम्परा पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। यह भारत की राष्ट्रीयता का प्रतीक है तथा देश को नई प्रेरणा देने का माध्यम है। भारत ने जी-20 की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' रखी। भारत ने हजारों वर्षों से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को माना है। हमें अपनी इन उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। स्वच्छता सेवा अभियान में सहभागिता के लिए योगी नैमिषारण्य गए थे। यहां उन्होंने सनातन हिन्दू धर्म पर विचार व्यक्त किए थे। नैमिषारण्य की महिमा बताई थी। रामचरितमानस में संत तुलसीदास ने 'तीरथ वर नैमिष विख्याता, अति पुनीत साधक सिद्धि दाता' कह कर जिस नैमिषारण्य तीर्थ की महिमा का वर्णन किया है। इसके साथ ही सनातन का भी उल्लेख किया था- कृते च प्रति कर्तव्यम् एष धर्मः सनातनः।' यह बहुत बड़ा सच है कि अपने को सेकुलर कहने सरकारों ने तीर्थ स्थलों का जानबूझ कर विकास नहीं किया। इसको वह साम्प्रदायिक विषय मानते थे। जबकि यह समग्र विकास का हिस्सा है। वर्तमान सरकार नैमिषारण्य तीर्थ को विश्वविख्यात करने के लिए अनेक कार्यक्रम आगे बढ़ा रही है। इसी अभियान में नई कड़ी जोड़ते हुए नैमिषारण्य तीर्थ के साथ सीतापुर के विकास की साढ़े पांच करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो चुका है। प्रदेश सरकार नैमिषारण्य के तीर्थों, आश्रमों के पुनरुद्धार के लिए कदम बढ़ा रही है। पौराणिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए मठ, मंदिर, तीर्थ स्थल के विकास हेतु सरकार सहयोग करेगी। सूत जी महाराज द्वारा जिन 88 हजार ऋषियों को 18 पुराणों के बारे में जो यहां पर प्रवचन दिया गया था, उनकी प्रतिकृति भी यहां पर स्थापित हो सके ,इसके लिए भी प्रयास किया जा रहा है। सरकार के साथ ही समाज का भी दायित्व है। पवित्र धर्म स्थलों, तीर्थों, सार्वजनिक स्थलों तथा सार्वजनिक सम्पत्ति के संरक्षण का दायित्व सभी लोगों का है। ऐसा करना अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव होगा। सनातन धर्म को इसी कृतज्ञता के साथ जोड़ा जाता है। 'कृते च प्रति कर्तव्यम् एष धर्मः सनातनः'। सनातन धर्म वही है, अगर किसी ने आपके प्रति कोई योगदान किया है, तो उसके प्रति तथा अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवैद्यनाथ के पुण्यतिथि समारोह में गोरखनाथ मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के विश्राम पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धर्म एक ही है, वह है सनातन धर्म। बाकी सब संप्रदाय और उपासना पद्धति हैं। सनातन धर्म मानवता का धर्म है। यदि सनातन धर्म पर आघात होगा तो विश्व की मानवता पर संकट आ जाएगा। सनातन धर्म की व्यापकता को समझने के लिए हमें श्रीमद्भागवत का सार समझना होगा। उस उस सार को समझने के लिए विचारों को संकीर्ण नहीं रखना होगा। जिनकी सोच संकुचित होगी, वह श्रीमद्भागवत के विराट स्वरूप का दर्शन नहीं कर सकते। हम सभी को गौरव की अनुभूति करनी चाहिए कि हमें भारत में जन्म मिला है। क्योंकि भारत में जन्म लेना दुर्लभ है और उसमें भी मनुष्य का शरीर पाना और भी दुर्लभ है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पक्षियों का वास, बचाने की आस

भारत पक्षियों के लिहाज से एक अनूठी विविधता वाला का देश है। यहां के विविध भौगोलिक इलाकों में पक्षियों की बहुरंगी प्रजातियां निवास करती हैं। उत्तर में बर्फ से ढके हिमालय से लेकर दक्षिण में पश्चिमी घाट के मनमोहक जंगलों तक, और पश्चिम में राजस्थान के शुष्क रेगिस्तानों से लेकर उत्तर-पूर्व की हरी-भरी आर्द्रभूमि तक। भारत का पक्षी जगत इसके भूगोल की तरह ही विविधताओं से भरा है। स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) 2023 की रिपोर्ट से पता चलता है कि यह देश पक्षियों की 1,300 से अधिक प्रजातियों का निवास-स्थान है और पक्षियों की वैश्विक विविधता के लगभग 12.40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। पक्षियों की इन 1,353 प्रजातियों में से 78 प्रजातियां (5 प्रतिशत) इस देश में स्थानिक हैं। हालांकि, इस जीवंत झुंड का भविष्य तेजी से अंधकारमय हो रहा है, क्योंकि इनके निवास स्थान के विनाश, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। इस क्षेत्र में पक्षियों को वर्तमान में कई प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण खतरा निवास स्थान की हानि और ह्रास है।इसके बाद मानव और वन्य जीवों के बीच का संघर्ष है। आवासों की क्षति एवं हानि के मूल कारण जटिल व आपस में जुड़े हुए हैं। इन कारणों में शहरीकरण, ढांचागत विकास, वर्तमान कृषि पद्धतियां, अत्यधिक दोहन के कारण प्राकृतिक वन आच्छादन को खतरा, संसाधनों की उच्च विदेशी मांग और संरक्षण समर्थक नीतियों का अपर्याप्त कानूनी प्रवर्तन शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन एक और मंडराता हुआ खतरा है। मौसम के बदलते ढर्रे (पैटर्न), प्रवासन के बदले हुए मार्ग और भोजन की उपलब्धता में व्यवधान पक्षियों की कई प्रजातियों के अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। बढ़ता तापमान पक्षियों के प्रजनन और घोंसला बनाने के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है। परिणामस्वरूप कई पक्षियों के लिए अनुकूलन करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। आक्रामक प्रजातियों का समावेश एवं प्रसार भी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर और इको सिस्टम में परिवर्तन करके देशज पक्षियों की आबादी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इन खतरों से निपटने के लिए भारत ने पक्षियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 10 वर्षीय योजना 'देश में पक्षियों की विविधता, उनके इको सिस्टम, आवास और भौगोलिक परिदृश्य के संरक्षण के लिए दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य योजना (2020-2030)' इसका उद्देश्य भारत में पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण से संबंधित कार्रवाई को आगे बढ़ाना है। यह कदम भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव कार्ययोजना (2017 से 2031 तक) के अतिरिक्त है। इस कार्ययोजना में भी पक्षियों एवं उनके आवासों की सुरक्षा से जुड़े कई संरक्षण कार्य शामिल हैं। यह योजना पक्षियों की दुर्लभ एवं लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए छोटी, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं की एक श्रृंखला का प्रस्ताव करती है। गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति के लिए कार्यक्रम शुरू करती है। उनकी घटती हुई आबादी को थामने के लिए भौगोलिक परिवेश से संबंधित दृष्टिकोण पेश करती है। यह योजना इस तथ्य को भी रेखांकित करती है कि ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन के स्तर में बढ़ोतरी करने वाली मानवजनित गतिविधियां वैश्विक स्तर पर पर्यावरण पर भी प्रभाव डाल रही हैं। और इसीलिए, वह पक्षीजात (एविफॉन) पर ऐसे प्रभावों को कम व नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक उपायों का आह्वान करती है। भारत ने पक्षियों के महत्वपूर्ण प्राकृतिक वासों की सुरक्षा के प्रयासों को हमेशा प्राथमिकता दी है। आर्द्रभूमि की बहाली, पुनर्वनीकरण पहल और जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना कुछ ऐसी रणनीतियां हैं, जिनका उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, भारत के पक्षियों की सुरक्षा के लिए अवैध शिकार एवं अवैध वन्यजीव व्यापार के खिलाफ सख्त कानून आवश्यक हैं। भारत ने 2016 में 2017-2031 की अवधि के लिए तीसरी राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना का अनावरण किया था, जिसमें वन्यजीवों के संरक्षण हेतु भविष्योन्मुखी रोडमैप का विवरण दिया गया है। यह कार्ययोजना इस अर्थ में अनूठी है कि इसमें पहली बार भारत ने वन्यजीवों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से संबंधित चिंताओं को पहचाना गया है और इनकी रोकथाम एवं अनुकूलन के लिए आवश्यक कार्यों को वन्यजीव प्रबंधन योजना की प्रक्रियाओं में समन्वित करने पर जोर दिया है। यह कार्ययोजना इकोलॉजी की दृष्टि से मूल्यवान सभी वन्यजीवों के संरक्षण हेतु 'भौगोलिक परिदृश्य से संबंधित दृष्टिकोण' को अपनाती है। भारत में पक्षियों की विविधता भरी आबादी इस देश की प्राकृतिक समृद्धि का प्रमाण है। हालांकि, इन खूबसूरत पक्षियों को निवास स्थान के नुकसान से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसे कई खतरों का सामना करना पड़ रहा है। उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए संरक्षण के प्रयास आवश्यक हैं। संरक्षित क्षेत्रों, कानूनी उपायों, आवास बहाली और जन-जागरुकता के माध्यम से, भारत अपनी पंखयुक्त विरासत की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति इन प्रयासों को समर्थन देकर और उनमें भागीदारी करके अपना योगदान दे सकता है ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत के आकाश में अनमोल रंग-बिरंगे पक्षियों और उनके कोलाहल का बने रहना सुनिश्चित हो सके।

स्वर्ण पदकों की झड़ी

नाटकीय घटनाक्रम, दृढ़ संकल्प और वर्चस्व से सराबोर इस रविवार को भारत ने आसानी से 50-पदकों के आंकड़े को पार कर लिया और हांगझोउ में चल रहे एशियाई खेलों में 100 पदकों के लक्ष्य का पीछा करना जारी रखा। रविवार को भी भारत ने 15 पदक जीते, जोकि एशियाड में एक दिन का रिकॉर्ड है। इनमें से नौ पदक एथलेटिक्स में थे। अविनाश साबले ने 3000 मीटर की स्टीपलचेज स्पर्धा में अपनी शानदार अग्रगामी शैली से बाकी खिलाडियों को स्तब्ध करते हुए एशियाई खेलों के रिकॉर्ड के साथ देश के लिए पहला एथलेटिक्स स्वर्ण पदक जीता। इसके बरक्स, पिछले कुछ महीनों से कमर की चोट से जूझ रहे एशियाई रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर दृढ़ संकल्प की तस्वीर नजर आए। उन्होंने आखिरी दौर के प्रयास में शॉट पुट के अपने स्वर्ण पदक को बरकरार रखा। नाटकीय घटनाक्रम भी खूब हुआ। ज्योति याराजी को पहले 100 मीटर की बाधा दौड़ में गलत शुरूआत के लिए एक अन्य चीनी एथलीट यानि वू के साथ अयोग्य घोषित कर दिया गया। फिर विरोध जताने पर उन्हें दौड़ने की इजाजत दी गई और बाद में वू की जगह उनके कांस्य पदक को रजत पदक में बदल दिया गया। दरअसल, वू को जल्दबाजी दिखाने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया। वर्ष 2018 में जकार्ता में आयोजित पिछले एशियाड में एथलेटिक्स भारत के लिए सोने की खान साबित हुई थी। उस दफा भारत ने जीते गए कुल 16 स्वर्ण पदकों में से आधे एथलेटिक्स में हासिल किए थे और इस बार निशानेबाजी का भी प्रमुख योगदान रहा है, जिसमें सात स्वर्ण पदक आए। इन सात स्वर्ण पदकों में से पांच टीम स्पधाओं में मिले। कुछ अदभुत कहानियां भी सामने आईं। मसलन, घुड़सवारी ड्रेसेज टीम ने 41 साल बाद स्वर्ण पदक जीता और सिफ्त कौर समरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। समरा ने निशानेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। और एशियाड में पहली बार महिला क्रिकेट टीम की खिताबी जीत से क्रिकेट को एक वैश्विक खेल बनाने में काफी मदद मिलेगी। चीन और दक्षिण कोरिया में आयोजित 2010 एवं 2014 के एशियाड में क्रिकेट खेला गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इन खेलों में अपनी टीमें नहीं भेजी थीं। कुछ हैरतअंगेज लम्हें भी रहे। भारत की सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी की जोड़ी मेजबान चीन की चेन मेंग और यिडी वांग की विश्व चैंपियन जोड़ी को पछाड़ कर टेबल टेनिस के महिला युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गई और पुरुष हॉकी के लीग मैच में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हरा दिया। अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भारत की जीत का यह सबसे बड़ा अंतर है। पदकों के मामले में, मेजबान चीन बाकियों से काफी आगे है। स्वर्ण पदकों की उसकी गिनती भारत के मुकाबले लगभग 10 गुना ज्यादा है। लेकिन ऐसा लगता है कि भारत के युवा सितारों ने बड़े मंच पर बेहतर ढंग से तालमेल बिठाना सीख लिया है और यह भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत है। बैडमिंटन, स्क्वैश, टेनिस, गोल्फ, रोइंग और सेलिंग के

अघोषित आपातकाल

आलोचनात्मक पत्रकारिता के प्रति खुद को असहिष्णु दिखा चुकी सरकार के लिए भी, न्यूज वेबसाइट ह्यन्यूजक्लिकह्ण पर भाजपा-नीत शासन द्वारा की गयी कार्रवाइयां चरम प्रतिशोध और निर्लज्ज उत्पीड़न जैसी हैं। अभी तक, सरकार ने ऐसे किसी खास आरोप का खुलासा नहीं किया है, जिसके आधार पर इस वेबसाइट के प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और एक अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी, गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) जैसे कानूनों के बेहद कड़े प्रावधानों के तहत, की गयी। बताया जाता है कि ह्यचीनी जुड़ाव वाले आतंकी मामलेह्ण के लिए इस वेबसाइट की जांच की जा रही है, लेकिन ऐसा कोई लेख या सामग्री प्रकाश में नहीं लायी गयी है जो कथित तौर परह्यआतंकवादह्ण या ह्यचीन-समर्थक प्रोपेगैंडाह्ण से कोई जुड़ाव दिखाती हो। इस समाचार संगठन ने यह भी कहा है कि उसे न तो प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) की प्रतिलिपि (कॉपी) दी गयी है, और न ही उन अपराधों का ब्योरा दिया गया है जिनका आरोप उस पर लगाया गया है। इसके बावजूद, उससे जुड़े पत्रकारों, सामग्री में योगदान देनेवालों और कर्मचारियों के यहां छापे मारे गये हैं। उनमें से कई के मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त किये गये हैं। इस वेबसाइट के खिलाफ कार्रवाई नयी नहीं है। वर्ष 2021 से ही उसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग द्वारा की जा रही है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये गये हैं, लेकिन उसके खिलाफ कभी आरोपपत्र दाखिल नहीं हुआ। दिल्ली हाईकोर्ट ने, पहली नजर में मामला न्यूजक्लिक के पक्ष में पाते हुए, पुरकायस्थ को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया और संस्थान के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई करने से रोक दिया। इसी तरह के मामले में आयकर विभाग द्वारा दायर शिकायत को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था। ऐसा लगता है कि अभी की कार्रवाई की वजह न्यूयॉर्क टाइम्स का एक लेख है, जिसने न्यूजक्लिक के एक निवेशक के इरादों पर सवाल खड़ा किया और चीन सरकार से उसकी नजदीकी का आरोप लगाया, लेकिन उसने ऐसा कोई खास लेख सामने नहीं रखा है जिसे भारत के खिलाफ गैरकानूनी प्रोपेगैंडा माना जा सके।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 364 अंक, निफ्टी 105 अंक ऊपर आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से भी बाजार में उछाल आया। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.66 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.56 बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआईढ्ढ) ने वित्त वर्ष 2024 के लिए मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 5.4 फीसदी और 6.5 फीसदी बनाये रखा है, इससे भी बाजार को बल मिला। आरबीआई ने रीपो रेट को भी 6.5 फीसदी पर बनाये रखा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 364.06 अंक करीब 0.55 फीसदी बढ़कर 65,995.63 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 66,095.81 तक ऊपर आया था। इसके बाद ये 65,762.33 तक गिरा। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 105.70 अंक तकरीबन 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 19,651.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,675.75 तक ऊपर जाने के बाद 19,589.40 तक गिरा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 23 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनैंस, टाइटन, इंडसइंड बैंक और आईटीसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। सबसे ज्यादा लाभ बजाज फिनसर्व के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 5.61 फीसदी तक बढ़ें हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल सात शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एचयूएल, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक सेंसेक्स सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नुकसान एचयूएल के शेयरों को हुआ। इसके अलावा एलएंडटी और नेस्ले इंडिया के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 235.97 अंक की बढ़त के साथ 65,867.54 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 55.70 अंक की बढ़त के साथ 19601.45 के स्तर पर नजर आ रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 172.24 अंक की बढ़त के साथ 65,803.81 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 85.20 अंक की बढ़त के साथ 19631.00 के स्तर पर नजर आ रहा था।

उत्तर प्रदेश सरकार 5.82 लाख मीट्रिक टन श्रीअन्न की खरीद करेगी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए सरकार मोटे अनाज (श्री अन्न) पर विशेष जोर दे रही है। इस क्रम में योगी सरकार ने नवंबर से दिसंबर 2023 के बीच 3 माह में मोटे अनाज की खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर 5.82 लाख मीट्रिक टन कर दिया है।

इसमें सर्वाधिक 5 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की जाएगी, जबकि 30 हजार टन ज्वार (हाइब्रिड), 50 हजार टन मक्का और 2 हजार टन कोदो की खरीद की जाएगी। श्रीअन्न के विक्रय के लिए कृषकों का पंजीकरण विभाग की वेबसाइट पर आरम्भ हो चुका है तथा अब तक 929 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। पिछले वर्ष प्रदेश में 8532 किसानों से कुल मिलाकर 0.44 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई थी। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में मोटे अनाजों की खरीद प्रक्रिया को अंजाम दिया जा रहा है। इस क्रम में मुख्य रूप से मक्का उत्पादक 29 जनपदों से मक्का क्रय किया जाना प्रस्तावित है। बाजरा खरीद के लिए प्रदेश के मुख्य बाजरा उत्पादक 40 जिलों से खरीद की जाएगी। प्रदेश में पहली बार मुख्य ज्वार उत्पादक 22 जिलों में ज्वार क्रय किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, माईनर मिलेट्स (कोदो) की खरीद प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जिला सोनभद्र को निर्धारित किया गया है।

बाल यौन शोषण सामग्री हटाएं या कार्रवाई का सामना करें- केंद्र ने एक्स, यूट्यूब, टेलीग्राम को दी चेतावनी

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर), यूट्यूब और टेलीग्राम को नोटिस जारी कर उन्हें अपने प्लेटफॉर्म से भारतीय इंटरनेट पर किसी भी प्रकार की बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को हटाने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी। इन प्लेटफार्मों को दिए गए नोटिस में उनके प्लेटफार्मों पर किसी भी सीएसएएम तक पहुंच को शीघ्र और स्थायी रूप से हटाने या अक्षम करने के महत्व पर जोर दिया गया है। भविष्य में सीएसएएम के प्रसार को रोकने के लिए सामग्री मॉडरेशन एल्गोरिदम और रिपोर्टिंग तंत्र जैसे सक्रिय उपायों के कार्यान्वयन का भी आह्वान किया गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, हमने एक्स, यूट्यूब और टेलीग्राम को यह सुनिश्चित करने के लिए नोटिस भेजा है कि उनके प्लेटफॉर्म पर कोई बाल यौन शोषण सामग्री मौजूद न हो। सरकार आईटी नियमों के तहत एक सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने चेतावनी दी, आईटी अधिनियम के तहत नियम सोशल मीडिया मध्यस्थों से सख्त अपेक्षाएं रखते हैं कि उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर आपराधिक या हानिकारक पोस्ट की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यदि वे तेजी से कार्रवाई नहीं करते हैं, तो आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत उनका सुरक्षित आश्रय वापस ले लिया जाएगा और भारतीय कानून के तहत परिणाम भुगतने होंगे। मंत्रालय के नोटिस में कहा गया है कि इन आवश्यकताओं का अनुपालन न करने पर आईटी अधिनियम, 2021 के नियम 3(1) (बी) और नियम 4 (4) का उल्लंघन माना जाएगा। मंत्रालय ने तीन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को चेतावनी दी कि नोटिस के अनुपालन में कोई भी देरी आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत सुरक्षित आश्रय वापस लेने का कारण बन सकता है, जो वर्तमान में उन्हें कानूनी दायित्व से बचाती है।चन्द्रशेखर भारतीय इंटरनेट से ऐसी हानिकारक सामग्री को हटाने के मुखर समर्थक रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह दृष्टिकोण मंत्रालय की नीति का विजन बन जाए।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000, सीएसएएम सहित अश्लील सामग्री को संबोधित करने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

लोकल कंटेंट की कमी के कारण नेटफ्लिक्स अभी तक भारत में कारोबार नहीं बढ़ा पाया है : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

देश में लगभग 65 लाख सब्सक्राइबर्स के साथ, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स कमोबेश इंडियन मार्केट में अपना कारोबार बढ़ाने में असफल हो रहा है।ग्लोबल एसेट मैनेजमेंट फर्म अलायंसबर्नस्टीन के एनालिस्ट का हवाला देते हुए टेकक्रंच ने शुक्रवार को रिपोर्ट दी कि भारत में नेटफ्लिक्स की धीमी ग्रोथ मुख्य रूप से लोकल कंटेंट की कमी के कारण है। एनालिस्ट ने कथित तौर पर कहा कि भारत में नेटफ्लिक्स द्वारा पेश किए गए केवल 12 प्रतिशत टाइटल्स लोकल कंटेंट थे। इसकी तुलना में, अमेजन प्राइम वीडियो की लगभग 60 प्रतिशत पेशकश देश में घरेलू भाषाओं में थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में प्राइम वीडियो के लगभग 2 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार 40 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर्स के साथ बाजार पर हावी है। उन्होंने एक नोट में कहा, उदाहरण के लिए, भारत संभवतः यूट्यूब का सबसे बड़ा बाजार है और सोशल मीडिया नामों के लिए एक प्रमुख विकास क्षेत्र है। नेटफ्लिक्स ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है।

त्योहारी सीजन के पहले सोना 56 हजार के पार, चांदी भी तेज

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत शुक्रवार को भी तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 67,000 रुपए के करीब और सोने के वायदा भाव 56,700 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 127 रुपए की तेजी के साथ 56,735 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 117 रुपए की तेजी के साथ 56,725 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 56,739 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,692 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी आज तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 58 रुपए की तेजी के साथ 66,825 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 244 रुपए की तेजी के साथ 67,012 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 67,099 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 66,825 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 1834.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1831.80 डॉलर था। फिलहाल यह 6.10 डॉलर की तेजी के साथ 1837.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 21.12 डॉलर के भाव पर खुले पिछला बंद प्राइस 21.01 डॉलर था। फिलहाल यह 0.14 डॉलर की तेजी के साथ 21.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 83.27 पर बंद हुआ। इससे पहे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर फैसले से पहले वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की बढ़त के साथ 83.21 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच विदेशी कोष की बिकवाली के कारण रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.21 पर खुला और फिर 83.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद 83.21 पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में चार पैसे की बढ़त है। गत दिवस रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 106.42 पर रहा।

धोनी बने जियोमार्ट के ब्रांड एंबेसडर

फेस्टिव कैंपेन सेल 8 अक्टूबर से

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रिलायंस रिटेल के जियोमार्ट ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। धोनी को एंबेसडर बनाने के अलावा जियोमार्ट ने अपने फेस्टिव कैंपेन का नाम बदल कर 'जियो उत्सव, सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया' कर दिया है। यह फेस्टिव कैंपेन सेल 8 अक्टूबर से शुरु होगा। वहीं धोनी ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने के बाद कहा, भारत अपनी जीवंत संस्कृति, लोगों और त्योहारों के लिए जाना जाता है, जियोमार्ट का 'जियो उत्सव कैंपेन' भारत और उसके लोगों के उत्सव का एक प्रतीक है। मैं जियोमार्ट के साथ जुड़ने और लाखों भारतीयों की बेहतर खरीदारी यात्रा का हिस्सा बनने से बेहद उत्साहित हूं। वहीं धोनी का ब्रांड एंबेसडर के तौर पर स्वागत करते हुए जियोमार्ट के सीईओ, संदीप वरागंती ने कहा, ब्रांड एंबेसडर के रूप में एमएस धोनी एकदम सही पसंद हैं, उनका व्यक्तित्व जियोमार्ट की तरह ही विश्वसनीय है। धोनी ने देश को जश्न मनाने के कई मौके दिए हैं, और अब ग्राहकों को जियोमार्ट पर जश्न मनाने का एक और मौका मिल रहा है और शॉपिंग इस जश्न का एक अभिन्न अंग है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर फैशन और सौंदर्य से लेकर घरेलू सजावट के सामान जैसे लाखों उत्पाद उपलब्ध है। जियोमार्ट प्लेटफॉर्म पर अर्बन लैडर, रिलायंस ट्रेंड्स, रिलायंस ज्वेल्स, हैमलीज़ सहित रिलायंस के स्वामित्व वाले ब्रांडों के उत्पाद भी शामिल हैं। जियोमार्ट के ई कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर वर्तमान में 1000 से अधिक कारीगरों के करीब 1.5 लाख उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

मोटे अनाज होंगे जीएसटी से टैक्स फ्री

नई दिल्ली। जीएसटी जल्द ही मोटे अनाज पर जीएसटी खत्म करने जा रही है। जो मोटा अनाज खुला बिकता होगा। उस पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। जिस मोटे अनाज को पैक करके प्रोडक्ट के तौर पर विक्रय किया जाएगा। उस पर 12 फ़ीसदी टैक्स लगाने पर विचार किया जा रहा है। जीएसटी काउंसिल की शनिवार को बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मोटे अनाज को लेकर यह फैसला लिया जा सकता है। ऐसे उत्पाद को भी टैक्स फ्री किया जा सकता है, जिसमें 70 फ़ीसदी मोटे अनाज का उपयोग किया गया हो।

कल्याण ज्वेलर्स देश में 33 नई दुकानें खोलेगी

नई दिल्ली । कल्याण ज्वेलर्स दिवाली के पर्व से पहले देश में 33 नई दुकानें खोलेगी। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह देशभर में दुकानें और ऑनलाइन मंच का अनावरण करेगी। कल्याण ज्वेलर्स ने चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में गैर-दक्षिण भारतीय बाजारों में 13 दुकानें खोली थीं। इसके अलावा कंपनी ने दक्षिणी क्षेत्र में प्रायोगिक रूप से फ्रेंचाइजी दुकानों के रूप में पहली खेप खोलने के लिए छह आशय-पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए थे। कंपनी ने कहा कि हमें इन दुकानों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स ने सितंबर तिमाही के दौरान पश्चिम-एशिया में अपना पहला फ्रेंचाइजी शोरूम शुरू किया था। कंपनी ने क्षेत्र में फ्रेंचाइजी शोरूम के लिए अतिरिक्त पांच एलओआई पर भी हस्ताक्षर किए हैं। सितंबर के ओ खिरी तक भारत और पश्चिम-एशिया को मिलाकर कंपनी की कुल 209 दुकानें हैं।

पीआईडीएफ योजना को दो साल बढ़ाने का प्रस्ताव है: दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि पीएम विश्वकर्मा को भुगतान अवसंरचना विकास कोष (पीआईडीएफ) योजना के तहत शामिल करने और योजना को दो साल का विस्तार देने का निर्णय किया गया है। गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि अब पीआईडीएफ योजना को 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। योजना की शुरुआत जनवरी, 2021 में की गई थी। इस योजना का मकसद छोटे और कम आबादी वाले शहरी क्षेत्रों (टियर-3 से टियर-6), पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री केंद्र (पीओएस), त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड जैसे भुगतान स्वीकार करने वाले बुनियादी ढांचे की पहुंच स्थापित करना है। मूल योजना के तहत पीआईडीएफ योजना को दिसंबर, 2023 तक तीन साल के लिए लाया गया था। गवर्नर दास ने कहा कि टियर-1 और टियर-2 क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को अगस्त, 2021 में पीआईडीएफ योजना में शामिल किया गया। अगस्त, 2023 के अंत तक योजना के तहत 2.66 करोड़ से अधिक नए टच पॉइंट तैनात किए गए हैं। अब पीआईडीएफ योजना को दो साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव है। साथ ही पीआईडीएफ योजना के तहत सभी केंद्रों में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को शामिल करने का प्रस्ताव है। दास ने कहा कि पीआईडीएफ योजना के तहत लक्षित लाभार्थियों का विस्तार करने का यह निर्णय जमीनी स्तर पर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की दिशा में रिजर्व बैंक के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

आरबीआई ने रेपो दर 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा

- लोगों को महंगे लोन की चिंता से अभी मिलेगी राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट अब भी 6.50 फीसदी बना रहेगा। आखिरी बार रेपो रेट में बदलाव फरवरी में किया गया था। जब रेपो रेट को 6.25 से बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया गया था। रेपो रेट में बदलाव नहीं किया जाना दिखाता है कि आरबीआई अभी महंगाई के स्तर को लेकर संतोषजनक स्थिति में दिख रहा है। यह लगातार चौथी बार है जब आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। एमपीसी बैठक में रेपो रेट न बढ़ाने का फैसला 5-1 के मत से लिया गया। एमपीसी बैठक में लिए गए फैसलों को बताते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि कोर कोर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में गिरावट एक अच्छा सकेंत है। रेपो रेट में बदलाव न होने से मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है। चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के अनुमान को भी 5.4 प्रतिशत पर कायम रखा गया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने परिस्थितियों पर गौर करने के बाद आम सहमति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी फौरी जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इसका उपयोग करता है। साथ ही एमपीसी

ने उदार रुख को वापस लेने का रुख बरकरार रखा है। दास ने कहा कि भारत दुनिया के लिये आर्थिक वृद्धि का इंजन बना हुआ है, लेकिन अभी संतुष्ट होने की गुंजाइश नहीं है। एमपीसी मुद्रास्फीति को लेकर जरूरत के अनुसार कदम उठाएगी। आरबीआई ने अगस्त, जून और अप्रैल की पिछली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में भी रेपो दर में बदलाव नहीं किया था। इससे पहले, मुख्य रूप से मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

आरबीआई ने एनबीएफसी को बड़े ऋणों पर जोखिम कम करने में मदद करने के लिए मानदंडों का किया विस्तार

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मध्य परत (एमएल) और निचली परत (बीएल) में एनबीएफसी को पात्र क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ अपने एक्सपोजर की भरपाई करने की अनुमति देने का फैसला किया है, यह सुविधा वर्तमान में केवल ऊपरी परत (यूएल) में एनबीएफसी के लिए उपलब्ध है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-ऊपरी परत (एनबीएफसी-यूएल) के लिए बड़े एक्सपोजर फ्रेमवर्क पर मौजूदा दिशानिर्देश मूल प्रतिपक्ष के लिए एक्सपोजर को कुछ क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ ऑफसेट करने की अनुमति देते हैं। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा, हालांकि, एमएल और बीएल में एनबीएफसी के लिए मौजूदा क्रेडिट एकाग्रता मानदंड स्पष्ट रूप से ऐसे किसी तंत्र की परिकल्पना नहीं करते हैं। एनबीएफसी के बीच उपरोक्त मानदंडों को सुसंगत बनाने की दृष्टि से, एमएल और बीएल में भी एनबीएफसी को पात्र क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ अपने एक्सपोजर की भरपाई करने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में निर्देश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे। बड़े एक्सपोज़र फ्रेमवर्क के पीछे का उद्देश्य अनिवार्य रूप से एक्सपोज़र को किसी एक इकाई या समूह तक सीमित करना है, क्योंकि यह व्यावसायिक असफलता की स्थिति में संभावित रूप से उच्च जोखिम पैदा करता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति बयान पेश करते हुए कहा कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अपनी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को मजबूत करना चाहिए और इन ऋणों में तनाव से निपटने के लिए मजबूत अंडरराइटिंग मानकों को विकसित करना चाहिए। उन्होंने बैंकों को अपने आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने, जोखिमों के बढ़ने, यदि कोई हो, को हल करने और अपने हित में उपयुक्त सुरक्षा उपाय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, उन्होंने कहा, भारतीय बैंकिंग प्रणाली लचीली बनी हुई है, जो बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, स्थिर ऋण वृद्धि और मजबूत आय वृद्धि द्वारा समर्थित है। उन्होंने बैंकिंग प्रणाली में व्यक्तिगत ऋण में बहुत अधिक वृद्धि पर भी संतोष व्यक्त किया।

डब्ल्यूटीओ ने व्यापार वृद्धि अनुमान घटाकर 0.8 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने 2023 के लिए व्यापार वृद्धि का अनुमान घटाकर 0.8 फीसदी कर दिया है। वैश्विक स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र में नरमी के बीच यह अनुमान घटाया गया है। डब्ल्यूटीओ के अनुसार कि दुनिया में वस्तु व्यापार की मात्रा इस वर्ष 0.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह अप्रैल में जताये गए 1.7 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान का आधे से भी कम है। हालांकि डब्ल्यूटीओ ने 2024 के लिए 3.3 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान को बरकरार रखा है। बयान में कहा गया है कि वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में विश्व व्यापार और उत्पादन में अचानक से नरमी आई। इसका कारण मुद्रास्फीति का लगातार ऊंचा बना रहना और महंगाई को काबू में लाने के लिये सख्त मौद्रिक नीति का प्रभाव है। इसके अलावा चीन में संपत्ति बाजार में दबाव से कोविड-19 बाद पुनरुद्धार मजबूत नहीं हो पाया।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2968

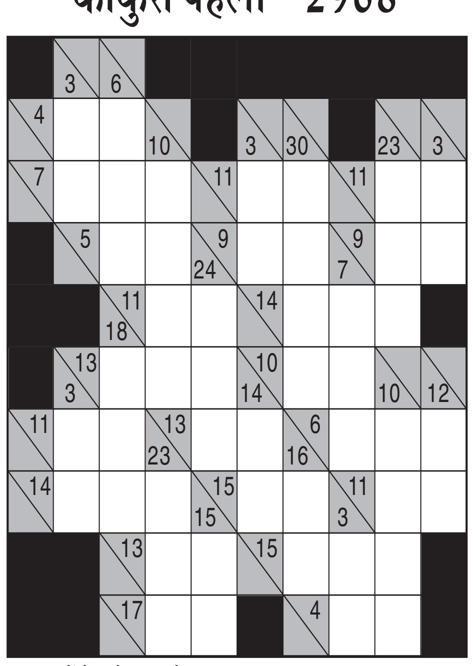

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

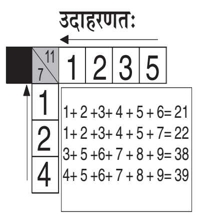

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2967 का हल

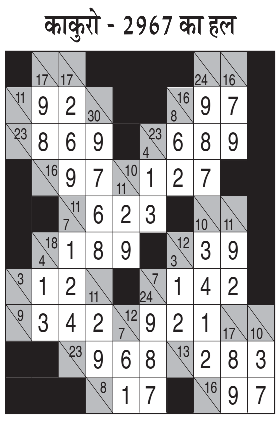

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली - 2968

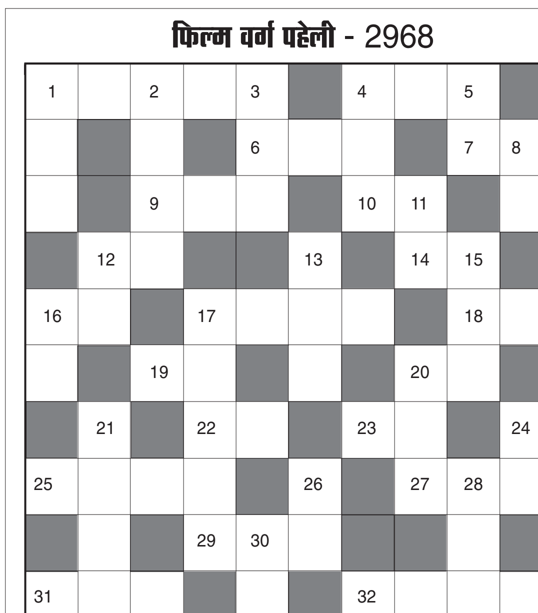

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2967

सूडोकु -2968

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2967 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2968

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -2967 का हल

विश्व कप में आज आमने सामने होंगे श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका

एशियाई खेलों में भारत 100 पदक के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों ने चीन में जारी एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अबतक 91 पदक जीते हैं और पहली बार उसे 100 पदक जीतने की उम्मीद है। शुक्रवार को हालांकि भारतीय खिलाड़ियों को अधिक सफलता नहीं मिली। भारत के एचएस प्रणय पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीनी खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गए और उन्‍ हें तीसरे स्थान के साथ ही कांस्‍ य पदक मिला हालांकि तीरंदाजी में भारत को एक कांस्य पदक मिला। पहलवान बजरंग पूनिया सहित चारों पहलवान सेमीफाइनल में हार गये। भारत ने एशियाई खेलों में अब तक 21 स्वर्ण , 33 रजत और 37 कांस्य पदक जीते हैं। इस प्रकार उसके कुल 91 मेडल हैं और 9 पदक और उसे मिलने तय हैं। इस प्रकार भारत पहली बार पदकों का शतक लगाएगा। इससे पहले एशियाई खेलों की बैडमिंटन में स्वर्ण या रजत पदक की उम्मीदें प्रणय की सेमीफाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयीं। चीन के ली शिफेंग ने प्रणय को 21-16 और 21-9 से हराया। क्रिकेट में भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गयी हैं और उसका पदक पक्का हो गया है।

नई दिल्ली ।

विश्वकप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीम जीत के साथ शुरुआत करने उतरेंगी। दोनो ही टीमें के लिए ये मुकाबला इसलिए आसान नहीं होगा क्योंकि वे अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका की टीम तेज गेंदबाजों एनरिच नोर्खिया और सिसांडा मगाला के बिना वहीं श्रीलंका लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बिना उतरेगी। श्रीलंका के मुख्य तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा और लाहिरू मदुशंका भी फिट नहीं हैं। नोर्खिया के नहीं होने से दक्षिण अफ्रीका की टीम अनुभवी कागिसो रबादा और युवा गेराल्ड कोएट्ज़ी पर आधारित रहेगी। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी पर रहेगी। बल्लेबाजी की कमान आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर और कप्तान तेम्बा बावुमा संभालेंगे। शीर्ष क्रम में विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के साथ बावुमा की जोड़ी पर श्रीलंकाई गेंदबाजों को अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन से भी उसके सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीका को श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्षणा और दुनिथ वेलालागे की स्पिन जोड़ी से सतर्क रहना होगा। वहीं तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी लाहिरू कुमारा, दिलशान मदुशंका, मथीसा पथिराना और कासुन रजिता के पास रहेगी। टीम की बल्लेबाजी दिमुथ करूणारत्ने, कुसाल परेरा, पथुम निसांका, सदीरा समरविक्रम और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस के अलावा बल्लेबाज निसांका और कप्तान दासुन शनाका पर निर्भर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दक्षिण अफ्रीका :

क्विंटन डी कॉक, टेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी, लुंगी एनगिडी

श्रीलंका :-

दासुन शनाका (कप्तान), कुसल-मेंडिस, कुसल परेरा, पथुम निसांका, चैरिथ असलांका, , चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेललेज, धनंजय डी सिल्वा, कासुन राजिथा, महीश थीक्षाना, मथीशा पथिराना!

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेल : पाक को हराकर फाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम

हांगझोउ । अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4 विकेट के हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। यहां उसका मुकाबला भारतीय टीम से होगा। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक टीम 18 ओवर में 115 रनों पर सिमट गयी। ओपनर ओमैर यूसुफ 24 के अलावा अन्य सभी खिलाड़ी नाकाम रहे। टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे। अफगानिस्तान की ओर सेफरीद ने 3 जबकि कैस और जरीर ने 2-2 विकेट लिए इसके बाद 116 रन का लक्ष्य अफगानिस्तान की टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगान टीम की तेज शुरुआत नूर अली जादरान ने की पर लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद कप्तान गुलबदीन नैब ने टीम को संभाला और जीत दिलायी। गुलबदीन ने 19 गेंद पर 26 रन की पारी खेली। आखिरी ओवर में जब टीम दबाव में दिख रही थी तो कप्तानी ने छक्का और चौका लगातर अपनी टीम को जीत दिलायी।

एशियाई खेलों में बजरंग, सहरावत सहित चारों भारतीय पहलवान सेमीफाइनल में हारे

कुश्ती । एशियाई खेलों में शुक्रवार को भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और बजरंग पुनिया, अमन सहरावत सहित चारों पहलवानों को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। बजरंग पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा सेमीफाइनल मुकाबले में ईरान के रहमान अमौजादखलीली से 0-8 अंकों के अंतर से हार गए। वहीं सहरावत को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जापान के तोशीहिरो हसेगावा ने 10-12 अंकों से हराया। अब कांस्य पदक के लिए उनका मुकाबला रेपचेज राउंड के विजेता से होगा। वहीं महिला कुश्ती के फ्रीस्टाइल 62 किग्रा मुकाबले में भारत की सोनम उत्तर कोरिया की ह्योंगयोंग मुन से 0-7 से हार गईं। अब वह रेपचेज विजेता के खिलाफ कांस्य पदक मैच में उतरेंगी। इसके अलावा किरण को महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की ज़मिला बाकबर्गेनोवा के हाथों 2-4 अंकों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। अब वह कांस्य पदक मुकाबले में उतरेंगी।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों ने कांस्य पदक जीता

हांगझोउ । चीन में जारी एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजों ने शुक्रवार को कांस्य पदक से शुरुआत की। भारत की महिला तीरंदाजों अंकिता, सिमरनजीत और भजन की जोड़ी ने वियतनाम को हराकर रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक के लिए हुए इस मुकाबले में भारत की इस जोड़ी ने वियतनाम की डो थी आन एनगुएट, एनगुएन थी थान नी और हाओंग फुओंग थाओंग की टीम को 6-2 (56-52, 55-56, 57-50, 51-48) से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले भारतीय टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया ने 6-2 से हराया था।

तीरंदाजी में भारतीय रिकर्व टीम ने जीता रजत

हांगझोऊ। अतानु दास, धीरज बोम्मादेवरा और तुषार शेल्के की भारतीय रिकर्व पुरुष टीम को फाइनल में 1-5 से दक्षिण कोरिया के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। भारत पहले सेट में 55-60 से पिछड़ गया, क्योंकि कोरियाई टीम ने अपने सभी प्रयासों से 10 अंक पर सेट जीत लिया। आखिरी तीन शॉट में तीन 10 ने भारत का स्कोर 57 कर दिया। कोरियाई टीम ने 10 के साथ जवाब दिया और दूसरे सेट का स्कोर 57 से बराबर कर दिया, जिससे उन्हें 3-1 की बढ़त मिली। कोरिया ने अंतिम सेट तीन 10, दो 9 और एक 7 के साथ जीता और कुल 55 का स्कोर किया। भारत ने तीन 10, दो 9 और एक 8 के साथ जोरदार जवाब दिया और कुल 56 स्कोर किया लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था क्योंकि कोरिया ने मैच 5-1 अपने नाम किया।दक्षिण कोरिया ने 2010 के बाद पहली बार गोल्ड जीता है।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने पाक को हराकर फाइनल में जगह बनायी

हांगझोउ ।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने शक्रवार को हुए सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 61-14 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में सातवीं बार पाक को हराया है। इसस मुकाबले में भारतीय टीम ने मध्यांतर तक पाकिस्तान के खिलाफ 30-5 से बढ़त हासिल कर ली। इस मुकाबले के पहले हाफ में भारत ने तीन खिलाड़ियों को ऑलआउट किया। भारत के लिए नवीन कुमार के साथ कप्तान पवन सहरावत ने शानदार रेड की। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को छह बार ऑल-आउट किया जबकि पाक टीम, एक अच्छी शुरुआत के बाद पूरे मैच में संघर्ष करती दिखी। मध्यांतर के बाद पाक टीम ने वापसी के कुछ किये पर वह दोहरे अंक तक ही पहुंच पायी। पाक की की रक्षापंक्ति ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपना कर भारतीय टीम पर दबाव बनाने का प्रयास किया पर कुछ टैकल के बाद ही भारतीय रेडरों ने उन्हें विफल कर दिया।

पहले हाफ में भारतीय टीम के पवन और नवीन ऑलआउट हुए जबकि दूसरे हाफ में असलम इनामदार, सचिन तंवर और आकाश शिंदे को ऑलआउट किया गया। भारतीय टीम ने इससे पहले चीनी ताइपे और जापान को हराया था। अब फाइनल में भारतीय टीम शनिवार को ईरान और चीनी ताइपे के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगी।

एशियाई खेलों में भारत ने हॉकी का स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया

हांगझोउ ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। वहीं मनप्रीत सिंह, अभिषेक और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल दागा। जापान की ओर से एकमात्र गोल सेरेन तनाका ने 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर किया।

इस जीत से भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट हासिल कर लिया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पुरुष हॉकी में रिकॉर्ड 16वीं बार पदक जीता है। इसमें से चार बार उसे स्वर्ण पदक मिले हैं। वहीं दक्षिण कोरिया ने मेजबान चीन को हराकर कांस्य पदक जीता है। भारतीय टीम इस बार एशियाई खेलों में अजेय रही और उसने सभी मुकाबले जीते। भारतीय टीम ने सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीते। भारतीय टीम ने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराने के

विश्व कप में टीम इंडिया की सफलता के लिए हार्दिक पांड्या महत्वपूर्ण हैं: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा का मानना है कि विश्व कप में भारत की सफलता के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पांड्या की भूमिका महत्वपूर्ण है। जियोसिनेमा के दैनिक स्पोर्ट्स शो आकाशवाणी की मेजबानी करते हुए, आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारत हार्दिक पांड्या और टीम में उनकी भूमिका पर बहुत अधिक निर्भर है, क्योंकि रवींद्र जडेजा ने हाल ही में बल्ले से प्रदर्शन नहीं किया है।आकाश चोपड़ा ने कहा, मैं थोड़ा चिंतित हूं कि भारत हार्दिक पांड्या पर बहुत अधिक निर्भर है। टीम में उनके जैसा कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है - शीर्ष 6 में कोई भी गेंदबाजी नहीं करता है। रवींद्र जडेजा नंबर 7 पर खेल सकते हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी फॉर्म हाल ही में अच्छी नहीं रही है। इसके अलावा, पांड्या टीम में एकमात्र बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं और शार्दुल ठाकुर नहीं हैं - वह नंबर 6 पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए, मेरा मानना है कि हार्दिकविश्व कप में टीम इंडिया की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। आकाश हार्दिक के हालिया फॉर्म को लेकर भी थोड़ा चिंतित थे, क्योंकि चोट से वापस आने के बाद उन्होंने 50 ओवर का क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला है, जिससे उनके प्रदर्शन में बाधा आ सकती है। इस बात को लेकर मेरे चिंतित होने का एक और कारण यह है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी तीन वनडे नहीं खेले और वार्म-अप मैच भी नहीं हुए। उन्होंने बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है - उन्होंने एशिया कप फाइनल में खेला और कुछ विकेट लिए लेकिन बल्लेबाजी नहीं कर सके और पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी दो मैच उनके प्रदर्शन के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण नहीं थे। इसलिए, ऐसी संभावना हो सकती है कि वह चेन्नई में अपने पहले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न कर पाए। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच रविवार को एम. ए. चिदम्बरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा।

गोपीचंद ने कांस्य विजेता प्रणय के प्रदर्शन को सराहा

हांगझोउ,

यह एक कांस्य पदक है जो अपने वजन के बराबर है, यह सोने जितना अच्छा है। भारत के राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद का यह आकलन था कि जिस तरह से एचएस प्रणय ने 41 साल के अंतराल के बाद भारत के लिए कांस्य पदक जीतने के लिए गंभीर पीठ दर्द के बावजूद पिछले दो सप्ताह से संघर्ष किया, वह सराहनीय है। इवेंट से कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान प्रणय को चोट लग गई थी और वह 10 दिनों तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। वह हांगझोउ आए और टीम प्रतियोगिता में मजबूत दक्षिण कोरिया पर सेमीफाइनल की जीत में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण एकल जीत हासिल की। गुरुवार को उन्होंने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लियो ज़ी जिया पर तीन गेम की कठिन जीत दर्ज की। शुक्रवार को प्रणय सेमीफाइनल में चीन के ली शिफेंग से हार गए, जिससे उनका अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। गोपीचंद ने चोट के बावजूद देश के लिए खेलने में लचीलेपन और समर्पण के लिए शीर्ष एकल खिलाड़ी प्रणय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ÷हमें यह निर्णय लेना पड़ा और उसे मैच के लिए उतारना पड़ा क्योंकि कोरिया के खिलाफ, मैं एकल में जीत की उम्मीद कर रहा था। उन्होंने कहा कि गुरुवार को तीन गेम की जीत ने भी प्रणय की ऊर्जा खत्म कर दी और सहयोगी स्टाफ को शुक्रवार के मैच के लिए तैयार होने के लिए वास्तव में उन पर काम करना पड़ा। कोरिया के खिलाफ उस मैच ने शायद उनकी चोट को और खराब कर दिया था। यह अच्छा था कि हमारे पास एक अतिरिक्त दिन था (प्रणय को पहले दौर में बाई मिली थी) जिससे सहयोगी स्टाफ को प्रणय को मैचों के लिए तैयार करने में मदद मिली। गोपी ने कहा, मेरी राय में, मैं मैच से पहले यह नहीं कहूंगा, लेकिन यह कांस्य अपने वजन के लायक है। उन्होंने कहा, यह शानदार है, इसका जश्न मनाया जाना चाहिए। जिस तरह से वह हारे, उसमें कोई शर्म की बात नहीं है क्योंकि ली शिफेंग ने शानदार खेल दिखाया। फाइनल का विश्लेषण करते हुए गोपीचंद ने कहा कि चीनी शटलर अपने शॉट्स में बहुत सटीक थे, हर शॉट बेसलाइन पर था, हर शॉट अच्छा था और प्रणय के पास आक्रमण करने का कोई मौका नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रणय के लिए सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार होना आसान नहीं था क्योंकि पिछला मैच भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था जिसमें भारतीय शटलर एक गेम से आगे था और जब चीजें उसके खिलाफ हो गईं तो उसे केवल कुछ अंकों की जरूरत थी। गोपी ने कहा, निर्णायक गेम में भी प्रणय को मैच जीतने के लिए चार अंक चाहिए थे और प्रतिद्वंद्वी के पास तीन शॉट थे जो नेट कॉर्ड से टकराकर भारतीय खिलाड़ी के पाले में गिर गए। गोपीचंद ने कहा, ÷वे नेट पर शॉट नहीं थे, बल्कि बैककोर्ट से थे और उन सभी ने नेट कॉर्ड को पकड़ लिया। आखिरी पॉइंट जो उन्होंने जीता, वह सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़ा था। मुख्य राष्ट्रीय कोच ने कहा कि यह तथ्य कि भारत ने हांगझोउ में तीन पदक जीते, टीम की गहराई को दर्शाता है। लेकिन उन तीनों में से, उन्होंने पुरुष टीम प्रतियोगिता में रजत पदक को उन परिस्थितियों को देखते हुए उच्च दर्जा दिया, जिनमें यह पदक आया था।

चोट से उबर रहे प्रणय ने 41 साल बाद जीता कांस्य

हांगझोउ। भारत के एचएस प्रणय ने एशियाई खेलों के पुरुष एकल बैडमिंटन के सेमीफाइनल में शुक्रवार को विश्व रैंकिंग में 7वें नंबर के खिलाड़ी चीन के ली शिफेंग से 0-2 से हारने के बाद कांस्य पदक जीता। प्रणय 16-21, 9-21 के स्कोर से हारे। एचएस प्रणय अभी भी उस पीठ की चोट से पीड़ित हैं जो उन्हें इवेंट से पहले प्रशिक्षण के दौरान लगी थी। हालांकि, उन्होंने अपनी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। एचएस प्रणय ने भारत को 41 साल के अंतराल के बाद पुरुष एकल में अपना दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले, सैयद मोदी ने 1982 में नई दिल्ली में हुए खेलों में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। प्रणय ने मैच के बाद कहा, पहले गेम में मेरे पास मौके थे लेकिन एकाग्रता में थोड़ी कमी आ गई, जिससे मैंने पूरा मैच गंवा दिया। उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसी चोट है जो मुझे पहले भी लगी थी, जिसके कारण मैं कुछ महीनों तक खेल से दूर रहा था। हांगझोऊ के लिए रवाना होने से एक सप्ताह से 10 दिन पहले मुझे यह चोट दोबारा लगी थी। इसलिए, मैं बिल्कुल भी प्रशिक्षण नहीं ले सका। फिर, मैंने सेमीफ़ाइनल में कोरिया के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मैच खेला। इस मैच के बाद मैं बहुत थक गया था। टीम प्रतियोगिता में कोरिया पर सेमीफाइनल में जीत के दौरान चोट थोड़ी बढ़ जाने के बाद प्रणय ने शुक्रवार के मैच और व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें तैयार करने के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम के सहयोगी स्टाफ को श्रेय दिया।

शुभमन डेंगु से संक्रमित होने के कारण विश्वकप के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई ।

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू बुखार हो गया है। ऐसे में वह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले के अलावा एक दो अन्य मुकाबलों से भी बाहर हो गये हैं क्योंकि उन्हें ठीक होने में करीब एक सप्ताह लग सकता है। शुभमन को डेंगू होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले काफी दिनों से वह पारी की शुरुआत करते हुए बेहद सफल रहे हैं। ऐसे में अब रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर शुभमन की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ईशान ने भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया है। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, शुभमन को चेन्नई पहुंचने के बाद से ही तेज बुखार है और उनकी जांच हो रही है। इसके बाद ही उनके आगे के मैचों में खेलने पर फैसला होगा। मेडिकल टीम ही सलाह से ही शुभमन के खेलने पर फैसला होगा। भारतीय टीम को 8 अक्टूबर के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरना है। इसके बाद उसे 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान से और फिर 14 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलना है। इन सभी मैचों से शुभमन बाहर हो सकते हैं। शुभमन पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरे थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। पहले मैच में उन्होंने 74 जबकि दूसरे मैच में 104 रन बनाए थे। वहीं तीसरे मैच से उन्हें आराम दिया गया था। ऐसे में उनका नहीं होना टीम को खलेगा। शुभमन के नहीं खेलने पर ईशान एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। ईशान पिछले दिनों मिडिल ऑर्डर में भी उतरे और अच्छा प्रदर्शन किया। ईशान ने अब तक एकदिवसीय की 22 पारियों में 44 की औसत से 886 रन बनाए हैं। जिसमें एक शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। उसका सबसे अधिक स्कोर 210 रन है। इसके अलावा केएल राहुल भी पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

मुंबई पुलिस की नासिक में बड़ी कार्रवाई : ड्रग माफिया ललित पाटिल के भाई की फैक्ट्री पर छापा, डेढ़ सौ किग्रा एमडी ड्रग्स जब्त

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर करोड़ों रुपये की ड्रग्स पुलिस ने जब्त की है। मुंबई पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया है. इस ऑपरेशन के बाद एक बड़े ड्रग रैकेट के सामने आने की संभावना जताई जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले पुणे के ससून अस्पताल से ड्रग माफिया ललित पाटिल पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था. इसके बाद पुलिस नशे के खिलाफ ऑपरेशन को लेकर एक्शन मोड में आ गई है. इसी के मद्देनजर मुंबई की साकीनाका पुलिस ने नासिक शहर पुलिस सीमा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर डेढ़ सौ किलोग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स जब्त किया है. बताया गया है कि श्री. गणेशाय इंडस्ट्रीज ड्रग्स का निर्माण कर रही थी। नासिक के शिंदे पलसे इलाके में ड्रग माफिया ललित पाटिल का भाई भूषण पाटिल इस ड्रग फैक्ट्री को चला रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस ने कार्रवाई की और फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया. करीब तीन दिनों से चल रही इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने कर्मचारियों समेत कंपनी मालिक को हिरासत में ले लिया है. बहरहाल महाराष्ट्र में एक बड़े ड्रग रैकेट का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है. साथ ही नासिक पुलिस ने शहर के वडालागांव इलाके के सादिक नगर में ड्रग्स बेच रही एक महिला और एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है. उनसे लगभग 2 लाख रूपये मूल्य का 54.5 ग्राम एम.डी. ड्रग्स और मारिजुआना जब्त किया गया है.

अकेले सफर करने वाली महिला यात्रियों को यह सुविधा देने जा रही एयर इंडिया

नई दिल्ली ।एयर इंडिया को केंद्र सरकार से खरीदने के बाद से ही टाटा लगातार बदलाव कर रही है। कंपनी ने अब अकेले सफर करने वाली महिला यात्रियों के लिए नई सुविधा देने की बात कही है। एयरलाइन ने निर्देश में कहा है कि अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं को फ्लाइट में पहुंचने के बाद भी अपनी सीट बदलने का मौका मिलेगा। ऐसी महिला यात्रियों को विंडो या फिर एस्ले सीट दी जा सकती है। कंपनी की ओर से कहा गया है, कि हम अपने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हैं। इसकारण एयरलाइन ने जेंडर सेंसटिव सीट ऑप्शन चुनने की सुविधा देने की शुरुआत की है। कंपनी की ओर से 3 अक्टूबर को जारी सर्कुलर में कहा गया है कि अब महिला यात्री को फ्लाइट में पहुंचने के बाद भी अपने लिए सीट का विकल्प चुनने का मौका दिया जाएगा। यह कदम सफर के दौरान महिला और पुरुष यात्रियों के बीच उठने वाले किसी भी विवाद को टालने के लिए किया जा रहा हैं। एयर इंडिया ने बताया है कि इसके लिए केबिन क्रूड सदस्यों को पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी और अकेले सफर करने वाली महिलाओं को विंडो या फिर एस्ले सीट दिलाने के लिए उन्हें अन्य यात्रियों से अनुरोध करना होगा। अगर अकेले सफर कर महिला की सीट बीच में पड़ती है और उसके दोनों तरफ पुरुष यात्रियों की सीट होगी, तब ऐसी महिला यात्री को विंडो या फिर किनारे की सीट ऑफर की जा सकती है। इस काम के लिए केबिन क्रू पुरुष यात्रियों से अपनी सीट बदलने का अनुरोध करेगा। अगर कोई महिला छोटे बच्चे के साथ यात्रा कर रही है, तब उस भी सीट बदलने का विकल्प दिया जा सकता है। एयर इंडिया ने कहा है कि अगर कोई बच?चा अकेले सफर कर रहा है, तब उस बीच की सीट ऑफर की जा सकती है। इसके बाद बच्चे को विंडो या एस्ले के बजाए बीच की सीट ऑफर की जाएगी और उसके पास भी फ्लाइट में पहुंचने के बावजूद अपनी सीट बदलने का मौका मिलेगा। यह कदम पुरुष और महिला यात्रियों के बीच किसी भी तरह की विवाद की स्थिति से बचने के लिए उठाया जा रहा है। एयर इंडिया का कहना है कि उसके पास ऐसी सैकड़ों शिकायतें आई हैं, जहां अकेले सफर कर रही महिलाओं की सीट अगर बीच में रहती है, तब उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा है। इसके बाद एयरलाइन ने इस जेंडर सेंसटिव मानकर सीट में बदलाव करने का ऑप्?शन दिया है।

‘मुफ्त की रेवड़ियां’ बांटने का मामला : उच्चतम न्यायालय ने मप्र, राजस्थान सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले ‘मुफ्त की रेवड़ियां’ बांटने का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर दोनों राज्य की सरकारों से शुक्रवार को जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जनहित याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग तथा भारतीय रिजर्व बैंक को भी नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दोनों राज्य की सरकारें मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए करदाताओं के पैसों का दुरुपयोग कर रही हैं। याचिकाकर्ता की पैरवी करने वाले वकील ने कहा, ‘चुनाव से पहले सरकार द्वारा नकदी बांटने से ज्यादा खराब और कुछ नहीं हो सकता। हर बार यह होता है और इसका बोझ आखिरकार करदाताओं पर आता है।’ पीठ ने कहा, ‘नोटिस जारी करिए। चार सप्ताह के भीतर जवाब दीजिए।’ न्यायालय ने भट्टूलाल जैन की जनहित याचिका पर सुनवाई की और इसे मामले पर लंबित एक अन्य याचिका के साथ नत्थी करने का आदेश दिया।

तेलंगाना ने सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए ‘मुख्यमंत्री नाश्ता योजना’ शुरू की

हैदराबाद। तेलंगाना में शुक्रवार को स्कूली छात्रों के लिए ‘मुख्यमंत्री नाश्ता योजना’ शुरू की गई। इस योजना का उद्देश्य करीब 23 लाख सरकारी स्कूली छात्रों को भोजन उपलब्ध कराना है। के. टी. रामाराव समेत तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने औपचारिक रूप से विभिन्न जगहों पर योजना की शुरुआत की। योजना की शुरुआत के बाद सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री रामा राव ने कहा कि योजना समूचे राज्य में 27,147 सरकारी स्कूलों में लागू होगी। रामा राव ने कहा, ‘नाश्ता बहुत लजीज है और इसका स्वाद भी बहुत अच्छा है।’ उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि भोजन की गुणवत्ता बनी रहे और गुणवत्ता का बार–बार और नियमित रूप से परीक्षण करने के लिए नमूने एकत्र किए जाएं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में इसी तरह की एक योजना पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक के स्कूली बच्चों के लिए लागू की जा रही है। हालांकि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव चाहते थे कि इसे कक्षा 10 तक के छात्रों के लिए लागू किया जाए। राज्य सरकार ने पहले 24 अक्टूबर, विजयादशमी के दिन से पहली कक्षा से 10वीं तक के स्कूली बच्चों के लिए इसे शुरू करने की योजना बनाई थी। हालांकि इसे पहले लागू कर दिया गया। एक सरकारी आदेश में पहले कहा गया था कि यह योजना सभी कार्य दिवसों पर सरकारी और स्थानीय निकायों के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों पर लागू होगी।

बंगाल : राजभवन के बाहर टीएमसी का अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन जारी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में पार्टी के कार्यकर्ताओं का केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल का महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का बकाया कथित तौर पर रोके जाने के खिलाफ यहां राजभवन के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। उन्होंने राज्यपाल सी वी आनंद बोस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात न करने तक धरना जारी रखने का आह्वान किया है। उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के बाद बोस बृहस्पतिवार शाम को दिल्ली रवाना हो गए। टीएमसी के हजारों पदाधिकारियों और शीर्ष नेतृत्व ने केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल का मनरेगा बकाया कथित तौर पर रोके जाने के विरोध में बृहस्पतिवार को ब्रिटिशकालीन राजभवन तक मार्च किया जिसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने धरना प्रदर्शन शुरू किया। डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद बनर्जी रात भर धरना स्थल पर रहेंगे। उन्होंने कहा, ‘मैं यहां रहूंगा और जब तक माननीय राज्यपाल हमारे प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात नहीं करते और इन दो सवालों का जवाब नहीं देते तब तक एक इंच भी नहीं हिलेंगे।’ उन्होंने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, ‘दिल्ली में अपनी आवाज उठाने के बाद हम भाजपा के जमींदारों से न्याय मांगते हैं। लोकतंत्र के स्वयंभू संरक्षकों को लोगों को जवाब देने में कितना वक्त लगेगा? आप कब तक लोगों से भागते रहेंगेज? ’ बनर्जी ने भविष्य की कार्रवाई पर फैसला लेने के लिए बृहस्पतिवार रात को पार्टी नेताओं के साथ बैठकें की थी। उन्होंने कहा था, ‘राज्यपाल के आने और मुलाकात करने तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।’ पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता प्रदर्शन स्थल पर डटे रहे। शुक्रवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों से पार्टी के हजारों कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन के प्रति एकजुटता जताई।

चुनाव से पहले गुपचुप तरीके से 50 करोड़ लोगों को साधने में जुटी मोदी सरकार

–केंद्र की दो योजनाएं साबित हो सकती हैं मॉस्टर स्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार 2024 के चुनाव से पहले चुपचाप एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार कर रही है। एक तरफ मोदी सरकार ने उज्ज्वला स्कीम के तहत एलपीजी सिलेंडर लेने वाले लोगों के लिए 300 रुपये की अतिरिक्त छूट का ऐलान किया है। वहीं 1 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स को लोन भी बांट रही है। मोदी सरकार की ओर से 3 अक्टूबर को शेयर किए गए डेटा के मुताबिक अब तक पीएम स्वनिधि स्कीम के तहत 50 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को लोन बांटे जा चुके हैं। इसके तहत मोदी सरकार अधिकतम 50 हजार रुपये तक का लोन बिना किसी गारंटर के दे रही है।

माना जा रहा है कि इस योजना से मोदी सरकार जाति और धर्म से परे एक बड़े तबके को लुभाने की तैयारी में है। इस स्कीम को मोदी सरकार ने कोरोना काल में शुरू किया था और इसके तहत 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता लोन के तौर पर दी गई थी। अब इसी स्कीम में लोन की रकम को 50 हजार रुपये तक करने का फैसला हुआ है। एक तरफ पीएम स्वनिधि स्कीम के 1 करोड़ लाभार्थी तैयार करने का टारगेट और दूसरी तरफ उज्ज्वला स्कीम के 9.60 करोड़ लोगों को 300 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलना एक बड़ा कदम है।

दरअसल इन्हीं दो स्कीमों के जरिए भाजपा कमजोर तबके में जमीन तैयार करने की कोशिश में है। इन दो स्कीमों से लगभग 10 करोड़ परिवारों को टारगेट करने की कोशिश है। 10 करोड़ परिवार का मतलब हुआ कि सरकार लगभग 50 करोड़ लोगों तक पहुंच बना रही है। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के द्वारा वह पहले से ही किसानों को लुभाने की कोशिश में है। यही नहीं चर्चा है कि उस स्कीम के तहत भी किसानों को मिलने वाली रकम को बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल इस योजना के तहत साल में 3 बार 2,000 रुपये की रकम किसानों को मिलती है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये के लोन दे रही है। ये लोन रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए कैपिटल मनी के तौर पर दिए जा रहे हैं। सरकार ने इस स्कीम में साल के अंत तक 1 करोड़ लोन बांटने का लक्ष्य तय किया है।

विपक्ष को कमजोर करने के लिए गलत मामले थोपे जा रहे हैं, डर का माहौल पैदा किया जा रहा है : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं और पार्टियों पर नकेल कसने और धमकी देने की कोशिश के तहत उनके खिलाफ गलत मामले थोपे जा रहे हैं और ‘डर का माहौल‘ पैदा किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई कई छापेमारी की कार्रवाई पर पत्रकारों के सवालों के जवाब में ये बातें कहीं। केजरीवाल ने कहा, ‘हम देख रहे हैं कि किस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं और विपक्षी पार्टियों को काबू में रखने तथा धमकाने के प्रयास के तहत गलत मामले थोपे जा रहे हैं।’ उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल करने के लिए लोगों को ‘बांटा’ जा रहा है जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। वर्ष 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित धन शोधन जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) द्वारा आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के दो दिन बाद केजरीवाल की यह टिप्पणी सामने आई है। केजरीवाल ने दावा किया कि न सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं बल्कि कई कारोबारियों को भी ‘निशाना बनाया जा रहा है’। उन्होंने कहा, ‘देश में डर का माहौल पैदा किया जा रहा है जो न सिर्फ राजनीति में बल्कि कारोबार और उद्योग जगत में भी फैल रहा है। डर का यह माहौल देश के लिए ठीक नहीं है। देश इस तरह से विकास नहीं कर सकता। इस तरह से ‘एजेंसी-एजेंसी’ खेलने से देश का विकास नहीं होगा।’ मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली में गाजीपुर ‘लैंडफिल’ साइट का दौरा करने के दौरान पत्रकारों से बात की।

नक्सलवाद पर सख्त मोदी सरकार, अमित शाह बोले-

दो वर्ष में देश से पूरी तरह खत्म हो जाएगा वामपंथी उग्रवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नक्सल प्रभावित राज्यों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जहां 2010 की तुलना में 2022 में हिंसक घटनाओं में 77 प्रतिशत की कमी आई है। समीक्षा बैठक में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी शामिल हुए, वहीं ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्य के मंत्रियों ने किया। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद मानवता के लिए अभिशाप है और हम इसे इसके सभी रूपों में उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि दो वर्ष में देश से वामपंथी उग्रवाद का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश में वामपंथी उग्रवाद सुरक्षा स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र सरकार ने 2015 में ‘एलडब्ल्यूई से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना’ को मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने कहा कि नीति में सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास हस्तक्षेपों, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने आदि को शामिल करते हुए एक बहु-आयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि इस नीति के दृढ़ कार्यान्वयन से देश भर में वामपंथी हिंसा में लगातार गिरावट आई है। परिकल्पना में सुरक्षा संबंधी उपाय, विकास संबंधी कामकाज, स्थानीय समुदायों के अधिकार और हकदारी सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस नीति के लगातार कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप देश भर में वामपंथी उग्रवाद की हिंसा में लगातार कमी आई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसक घटनाओं की संख्या में 2010 के उच्च स्तर के मुकाबले 2022 में 77 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2010 की तुलना में 2022 में सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौतों की संख्या में भी 90 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 तक, वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 17,679 घटनाएं हुईं और 6,984 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2014 से 2023 तक (15 जून 2023 तक) वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 7,649 घटनाएं हुई हैं और 2,020 मौतें हुई हैं।

शरद पवार ने दिल्ली में की खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि खड़गे के आवास पर तीनों नेताओं की बैठक हुई। यह बैठक उस समय हुई है जब भोपाल में होने वाली विपक्ष की जनसभा रद्द हो गई और अभी यह तय नहीं है कि ‘इंडिया’ गठबंधन की अगली बैठक या सभा कहां होगी।

अगले आम चुनाव में मोदी सरकार का मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने ‘इंडिया’ का गठन किया है। इंडिया’ के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था।

समन्वय समिति विपक्षी गठबंधन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में कार्य करेगी। इसी साल जून में पटना में विपक्षी गुट की पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्येक सीट से सबसे मजबूत उम्मीदवार को चुना जाएगा।

जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

पटना (एजेंसी)। बिहार जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हम राज्य सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से रोक नहीं सकते। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को नोटिस जारी कर अगले साल जनवरी तक जवाब देने कहा है।

न्यायमूर्ति संजय खन्ना और न्यायमूर्ति एस एन भट्टी ने पटना उच्च न्यायलाय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक औपचारिक नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण की मंजूरी दी थी। शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया कि राज्य सरकार ने कुछ आंकड़ें प्रकाशित कर स्थगन आदेश की अवहेलना की और मांग की कि आंकड़ों को प्रकाशित किए जाने पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ‘‘हम अभी किसी चीज पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हम राज्य सरकार या किसी भी सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकते। यह गलत होगा...हम इस सर्वेक्षण को कराने के राज्य सरकार के अधिकार से संबंधित अन्य मुद्दे पर गौर करने को तैयार है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा कि मामले में निजता का उल्लंघन हुआ और उच्च न्यायालय का आदेश गलत है। इस पर पीठ ने कहा कि चूंकि किसी भी व्यक्ति का नाम तथा अन्य पहचान प्रकाशित नहीं की गई है, तब निजता के उल्लंघन की दलील संभवत– सही नहीं है। न्यायालय ने कहा, ‘‘अदालत के लिए विचार करने का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा आंकड़ों का विवरण और जनता को इसकी उपलब्धता है।

छत्तीसगढ़ में प्रियंका गांधी का ऐलान, दोबारा सरकार बनाती है तो जाति आधारित गणना कराएंगे

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्ता में आने पर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में जाति सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस शासित राज्य में इस साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के साथ चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के शासनकाल में राज्य में हिंसा का शासन चल रहा था। उन्होंने कहा कि निर्दोष आदिवासियों को जेल में डाल दिया गया और यह कांग्रेस का शासन था जिसने ÷हिंसा के जाल÷ को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि लोग सीएम भूपेश बघेल की छत्तीसगढ़ सरकार पर उनके काम के कारण भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं घोषणा करती हूं कि अगर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में दोबारा सरकार बनाती है तो हम बिहार की तरह राज्य में भी जाति जनगणना कराएंगे।

प्रियंका गांधी ने कहा, ‘मध्य प्रदेश में मुझे बताया गया कि पंचायत की शक्तियां कम की जा रही हैं और उनका फंड भी कम कर दिया गया है।’ उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) शुरू करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने लिए 8,000 करोड़ रुपये के दो विमान खरीदे, 20,000 करोड़ रुपये की नई संसद बनाई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने उस समय को याद किया जब उनकी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राज्य का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि न केवल उनके परिवार के सदस्य, बल्कि कांग्रेस पार्टी के नेता भी लोगों से जुड़ने के लिए राज्य में आए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि समय के साथ ही भरोसा पैदा होता है....आज अगर आपको छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर भरोसा है तो इसलिए कि यहां की मौजूदा सरकार कांग्रेस की एक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। मेरे परिवार का छत्तीसगढ़ से पुराना नाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पं. नेहरू यहां आये थे। मेरी दादी इंदिरा जी ने 1972 में बस्तर का दौरा किया था। मेरे पिता और माँ ने भी छत्तीसगढ़ के लोगों की समस्याओं को समझने और परामर्श लेने के लिए कई बार बस्तर का दौरा किया। इस तरह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी पर भरोसा बना। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने लोगों को रोजगार देने के लिए बड़े-बड़े पीएसयूएस बनाए थे, बीजेपी ने उन्हें बेचकर रोजगार के अवसर खत्म कर दिए। लोगों को खेती-किसानी से रोजगार मिलता था, लेकिन मोदी सरकार ने डीजल-पेट्रोल, खाद में जीएसटी लगाकर खेती को महंगा कर दिया। देश के किसानों को कमजोर कर दिया। बीजेपी को जनता की भलाई में कोई दिलचस्पी नहीं है।

5 राज्यों में चुनाव की घोषणा शीघ्र, मप्र-राजस्थान में एक तथा छग में 2 चरणों में हो सकते है चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये आज दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक होने वाली है। सूत्रों के अनुसार नवंबर दूसरे हफ्ते से दिसंबर के पहले हफ्ते में अलग-अलग तारीखों और चरणों में इन राज्यों में मतदान हो सकता है। पहले की तरह राजस्थान, मप्र, मिजोरम व तेलंगाना में एक चरण में चुनाव की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में मतदान हो सकता है। हालांकि मतदान की तारीख अलग-अलग हो सकती हैं। सभी चुनावी राज्यों की मतगणना एक साथ हो सकती है। इस बैठक में 5 राज्यों के करीब 9 सौ चुनावी ऑब्जर्वर शामिल हैं। बैठक में जनरल ऑब्जर्वर, एक्सपेंडिचर और सिक्योरिटी ऑब्जर्वर भी मौजूद रहेंगे। यह बैठक दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में चल रही है जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त भी शामिल हैं। मप्र विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। इसकी सभी 230 सीटों पर नवंबर 2023 में या उससे पहले चुनाव का ऐलान हो सकता है। एमपी में पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था। उस चुनाव में कांग्रेस ने सरकार बनाई थी और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे। मार्च 2020 में 22 कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद कमलनाथ की सरकार गिर गई थी और उन्हे इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद भाजपा ने एमपी में सरकार बनाई थी और शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने थे। इस साल के आखिर में राजस्थान विधानसभा का चुनाव भी होना है। अनुमान है कि राज्य की 200 सीटों पर नवंबर 2023 में या उससे पहले चुनाव हो सकते हैं। राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल 14 जनवरी 2024 को खत्म होने वाला है। पिछला विधनसभा चुनाव दिसंबर 2018 में हुआ था, जिसके बाद अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने थे। मप्र और राजस्थान जैसे ही छत्तीसगढ़ की 90 सीटों पर भी इस साल के अंत में ही चुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल 3 जनवरी 2024 को खत्म होगा। पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था। इस चुनाव में कांग्रेस जीती और भूपेश बघेल राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। इसी तरह मिजोरम

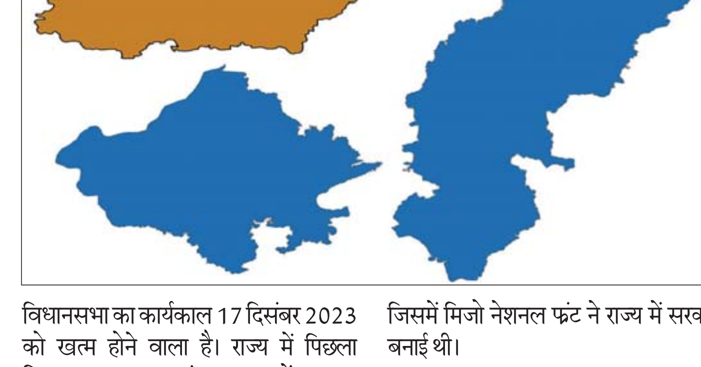

विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर 2023 को खत्म होने वाला है। राज्य में पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था जिसमें मिजो नेशनल फ्रंट ने राज्य में सरकार बनाई थी।

बच्चों की देखभाल के लिए आया की तलाश, वेतन 80 लाख रुपए

– अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी का ऑफर

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी कथित तौर पर अपने बच्चों की देखभाल के लिए एक आया यानि की बच्चों की देखभाल करने वाली नैनी की तलाश कर रहे हैं। भारतीय मूल के रिपब्लिकन का विवाह अपूर्वा टी रामास्वामी से हुआ है। दंपति के दो बेटे हैं। एक वेबसाइट के अनुसार विवेक रामास्वामी नैनी की नौकरी के लिए 100,000 या अधिक (80 लाख) का वेतन दे रहे हैं। एक खबर के अनुसार ये जॉब एक वेबसाइट पर लिस्ट की गई है। जॉब के डिस्क्रिप्शन में फैमिली एडवेंचर्स में शामिल होते हुए बच्चों की ग्रोथ और डेवलपमेंट में योगदान देना होगा। नैनी को विकली रोटेशनल शेड्यूल के हिसाब से काम करना होगा और हफ्ते में 1 दिन की छुट्टी बी दी जाएगी। ?विज्ञापन के अनुसार नैनी को हर हफ्ते ट्रैवल भी करना पड़ेगा, विकली फैमिली ट्रैवल, प्राइवेट फ्लाइट ट्रैवल और रेगुलर बेस पर ट्रैवल शामिल है। जॉब की डिस्क्रिप्शन में दी जानकारी के मुताबिक नैनी को उनके हाउसहोल्ड स्टाफ का हिस्सा बनना होगा, जिसमें एक हाउसकीपर, सेफ, प्राइवेट सिक्योरिटी और अन्य नैनी शामिल हैं। इस जॉब के लिए उम्मीदवार की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए और उनके पास इससे जुड़ी नौकरी का एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अलावा नैनी को एक नॉन डिसक्लोजर एग्रीमेंट भी साइन करना होगा।

सैन्य कॉलेज में हुए ड्रोन हमले में 100 की मौत, 240 घायल

दमास्कस । सीरिया के होम्स प्रांत स्थित एक सैन्य कॉलेज में आयोजित ग्रेजुएशन समारोह के दौरान हुए ड्रोन हमले में करीब 100 लोग मारे गए जबकि 240 लोग घायल हो गए। सीरिया के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मरने वालों में नागरिक और सैन्यकर्मी सहित 6 बच्चे भी शामिल हैं, घायलों में से कई की हालत गंभीर होने से मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. हमले की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया। देश की सेना ने कहा कि गुरुवार को समारोह समाप्त होते ही विस्फोटकों से लदे ड्रोनों ने समारोह को निशाना बनाया। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि सेना ने हमले के लिए ज्ञात अंतरराष्ट्रीय ताकतों द्वारा समर्थित लड़ाकों पर आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होम्स में ड्रोन हमले के साथ-साथ उत्तर-पश्चिम सीरिया में जवाबी गोलाबारी की रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त की। समारोह में भाग लेने आये सीरिया के रक्षा मंत्री हमले से कुछ मिनट पहले ही चले गए थे। समारोह में सजावट करने वाले एक सीरियाई ने कहा कि समारोह के बाद आंगन में जाने के बाद विस्फोटक आ गए और लाशें बिखर गईं।

16 लड़कों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मेल नैनी को 690 सालों की सजा

कैलिफोर्निया। मासूम बच्चों के यौन शोषण और छेड़छाड़ करने के आरोप में एक मेल नैनी को कोर्ट ने दोषी पाया है। इस पर दो से बारह साल की उम्र के 16 लड़कों का यौन उत्पीड़न करने और एक किशोर को अश्लील साहित्य दिखाने का आरोपी बनाया गया है। इस मेल नैनी को अधिकतम 690 साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा का सामना करना पड़ेगा। अदालत ने इस किशोरों पर किए यौन हमलों को फिल्माने का भी दोषी माना है। कैलिफोर्निया के कोस्टा

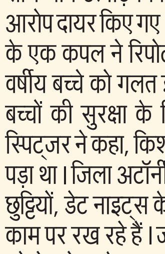

मेसा में रहने वाले 34 वर्षीय मैथ्यू एंटोनियो जक्रजवेस्की को अदालत ने बच्चों के साथ यौन अपराध में दोषी ठहराया है। 17 मई 2019 को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान से उतरने के बाद एक स्थानीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उस पर पहला केस 14 वर्ष से कम उम्र के एक नाबालिग के साथ अश्लील और कामुक कृत्यों को करने का आरोप था। इसके बाद दूसरा मामला तब पता लगा जब पीड़ित पक्ष ने आकर बताया कि इसने उनके 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे के साथ ओरल सेक्स किया है। यह भी आरोप लगाया कि बच्चे का अपहरण कर कामुक चित्रों को दिखाकर यौन शोषण किया। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आरोपों के दायर होने के बाद, जांचकर्ताओं ने दक्षिणी कैलिफोर्निया में परिवारों के लिए काम करने वाले मेल नैनी द्वारा सताए अन्य पीड़ितों की पहचान करनी शुरू की। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी। वीडियो और पीड़ित मां-बाप से मिली जानकारियां सामने आने लगी। अभी तक यह खुलासा हुआ है कि आरोपी ने 16 बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न किया है। इसके बाद जक्रजवेस्की के खिलाफ अतिरिक्त आरोप दायर किए गए। जकरजवेस्की की गिरफ़्तारी तब हुई थी जब लगुना बीच के एक कपल ने रिपोर्ट दी कि जक्रजवेस्की ने मेल नैनी रहते हुए उसके आठ वर्षीय बच्चे को गलत इरादों से छुआ। उन्होंने कहा कि वे अपने बेटे और अन्य बच्चों की सुरक्षा के लिए चिंतित थे। सुनवाई के दौरान जिला अटॉर्नी टॉड स्पिट्जर ने कहा, किशोरों को मेल नैनी के रूप में एक राक्षस का सामना करना पड़ा था। जिला अटॉर्नी ने कहा, इन माता-पिता ने सोचा कि जब वे पारिवारिक छुट्टियों, डेट नाइट्स के दौरान अपने बच्चों के लिए एक भरोसेमंद मेल नैनी को काम पर रख रहे हैं। जबकि वे अनजाने में एक राक्षस को अपने घरों में आने दे रहे थे, जो उनके मासूम बच्चों को सबसे घृणित तरीके से शिकार बना रहा था।

तुर्की सेना ने 26 वाईपीजी सदस्यों की हत्या की

अंकारा। तुर्की सुरक्षा बलों ने उत्तरी सीरिया में सीरियाई कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के हमले की जवाबी कार्रवाई में 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया है। यह जानकारी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाईपीजी ने गुरुवार देर रात उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना के यूफ्रेट्स शील्ड ऑपरेशन जोन में दाबिक बेस क्षेत्र पर हमला शुरू कर दिया जिसके बाद तुर्की ने जवाबी कार्रवाई की। मंत्रालय के अनुसार तुर्की के लड़ाकू विमानों ने भी वाईपीजी के खिलाफ हवाई हमले किए और ताल रिफात, जजीरा और डेरिक क्षेत्रों में 30 ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान में महिला अधिकारों की आवाज उठाने के लिए जेल में बंद नरगिस मोहम्मदी को शांति का नोबेल

स्टॉकहोम। ईरान में महिला उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने, सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की लड़ाई के लिए नरगिस मोहम्मदी को वर्ष 2023 के लिए शांति का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। मोहम्मदी अभी भी तेहरान की कुख्यात एविन जेल में बंद हैं। नोबेल पुरस्कार समिति की ओर से कहा गया कि नरगिस मोहम्मदी को बहादुरी भरे संघर्ष की जबरदस्त व्यक्तिगत कीमत चुकानी पड़ी। ईरानी शासन ने उन्हें 13 बार गिरफ्तार किया, पांच बार दोषी ठहराया और कुल 31 साल जेल और 154 कोड़े की सजा सुनाई। मोहम्मदी इस समय भी जेल में हैं। युवावस्था में भौतिकी की मेधावी छात्रा रही मोहम्मदी ने समानता और महिलाओं के अधिकारों के समर्थक के रूप में खुद को प्रतिष्ठित किया। वर्ष 2011 में मोहम्मदी को पहली बार गिरफ्तार किया गया था और जेल में बंद कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने के उनके प्रयासों के लिए कई वर्षों के कारावास की सजा सुनाई गई थी। जमानत पर रिहा होने के बाद मोहम्मदी ने मौत की सजा के खिलाफ एक अभियान में खुद को झोंक दिया। मौत की सज़ा के ख़िलाफ़ आन्दोलन में सक्रियता के कारण 2015 में उन्हें फिर से गिरफ़्तार किया गया और उन्हें अतिरिक्त वर्षों की जेल की सज़ा हुई।

अगर पुतिन तानाशाह हैं तो यूक्रेन भी भला नहीं, जेलेंस्की पर क्यों भड़के रामास्वामी

मास्को (एजेंसी)। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने युद्धग्रस्त देश में चुनाव कराने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त धन मांगने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की की आलोचना की है और कहा है कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में 38 वर्षीय रामास्वामी ने अपने उस बयान का बचाव किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वह अमेरिकी राष्ट्रपति चुने गए तो यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता में कटौती कर देंगे।

यूक्रेन भी बहुत अच्छा नहीं

रामास्वामी ने कहा कि मुझे तुष्टिकरण से भी समस्या है, लेकिन मैं बहुत स्पष्ट होना चाहता हूँ। हमें यहां अमेरिकी लोगों के बराबर रहना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि पुतिन एक दुष्ट तानाशाह हैं इसका ये मतलब नहीं है कि यूक्रेन अच्छा है। यूक्रेन एक ऐसा देश है जिसने 11 विपक्षी दलों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह एक ऐसा देश है जिसने सभी मीडिया को एक राज्य मीडिया शाखा में समेकित कर दिया है, जिसका राष्ट्रपति पिछले हफ्ते ही अपने ही रैंक में एक नाजी की प्रशंसा कर रहा था। उसने संयुक्त राज्य अमेरिका को धमकी दी है कि जब तक उसे अधिक धन नहीं मिलता, वह इस साल अपने सामान्य चुनाव नहीं कराएगा।

रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की राह पर

रामास्वामी ने कहा कि वह नवंबर 2024 के चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले, यहाँ तक कि पाँच महीने पहले भी, इस देश में अधिकांश लोग नहीं जानते थे कि मैं कौन हूँ। अब हम पहले से ही कई मामलों में राष्ट्रीय औसत में तीसरे स्थान पर हैं। मुझे लगता है कि हम नामांकन की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन, मेरे लिए, यह मेरे बारे में नहीं है। यह ट्रम्प के बारे में नहीं है। यह अमेरिका को पहले स्थान पर रखने के बारे में है।

रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का स्पीकर बनने को तैयार ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का स्पीकर बनने को तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे अस्थायी रूप से ही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर बन सकते हैं। दरअसल, पिछले दिनों अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा में मतदान कराकर केविन मैक्कार्थी को स्पीकर पद से हटा दिया गया था। केवल 269 दिनों तक पद पर रहने के बाद हटाए गए मैक्कार्थी के बाद अगला स्पीकर कौन बनेगा, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से किसी अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए पहली बार वोटिंग कराई गई। मतदान के बाद कैलिफोर्निया के रिपब्लिकन सीनेटर केविन मैक्कार्थी को हटाया गया। मैकहेनरी उनकी जगह प्रो-टेम अध्यक्ष चुने गए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया कि वे तो 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे हैं, फिर स्पीकर का पद क्यों संभालने को क्यों राजी हैं। इसपर उन्होंने कहा, वह रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के मकसद से प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में अस्थायी पद स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने कहा, अमेरिकी कांग्रेस में उनके कई दोस्त हैं, इसलिए उन्हें 'अस्थायी रूप से' स्पीकर की भूमिका निभाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सीनेटरों को एकजुट रखने का प्रयास करना है। अगर उनका स्पीकर बनना अनिवार्य है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

अमेरिका भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास जारी रखेगा : पेंटागन

– अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने भारत से संबंधों की सराहना कर चीन को बताया चुनौती

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि वह भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत से अमेरिकी संबंधों की सराहना करने के साथ चीन को चुनौती के रूप में रेखांकित किया। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में भारत-अमेरिकी संबंधों को दोनों देशों के लिए सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका रक्षा स्तर पर भारत के साथ अपने संबंधों की बहुत सराहना करता है। साथ ही अमेरिका भविष्य में भी भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों से कहा कि आप सभी लोग और पूरी दुनिया अमेरिका और भारत को मजबूत रक्षा साझेदारी पर आगे बढ़ते हुए देखेगी। उन्होंने तर्क दिया कि 1997 में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार लगभग नगण्य था, जबकि आज यह बढ़कर 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने

विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी तेज रफ्तार से बढ़ती रहेगी। पैट राइडर ने भारत-अमेरिकी संबंधों की भरपूर सराहना की किन्तु चीन के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन लगातार अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। चीन को चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि चीन कई बार रिश्तों की रफ्तार में बाधक बनता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्तिगत राष्ट्रों की संप्रभुता को संरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश का पालन करने की बात आती है, तो हम भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के साथ अपनी साझेदारी की सराहना करते हैं। इन्हीं स्थितियों ने पिछले कई वर्षों से शांति और स्थिरता को संरक्षित किया है।

जस्टिन ट्रूडो की देश में ही फजीहत, शख्स ने हाथ मिलने से इंकार कर कहा, अपने देश को बर्बाद कर दिया

–सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा वीडियो

ओटावा (एजेंसी)। भारत के साथ खालिस्तान के मामले पर तनाव के चलते मुसीबत में चल रहे जस्टिन ट्रूडो को अपने ही देश में विरोध झेलना पड़ रहा है। इतना ही नहीं टोरंटो में एक शख्स उनसे भिड़ गया और कहा कि मैं तुमसे हाथ तक नहीं मिलाना चाहता। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रूडो अपने समर्थकों का अभिवादन करते दिख रहे हैं। तभी वह एक शख्स की ओर हाथ मिलाने की ओर बढ़ते हैं। हाथ बढ़ाते हुए जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि हेलो, आप कैसे हैं? इस पर वह शख्स गुस्से में कहता है कि मैं तुमसे हाथ भी नहीं मिलाना चाहता। इस तरह वह शख्स अपना हाथ पीछे कर लेता है और जस्टिन ट्रूडो पीछे हट जाते हैं।

जब जस्टिन ट्रूडो नाराज शख्स से पूछते हैं कि ऐसा क्या हो गया है। इस पर वह कहता है, आपने पूरे देश को बर्बाद कर दिया है। यही नहीं इसके आगे ट्रूडो कहते हैं कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है कि देश बर्बाद हो गया। इस पर वह शख्स कहता है कि क्या यहां कोई घर ले सकता है? इस पर जस्टिन

ट्रूडो ने पूरी जिम्मेदारी खुद पर लेने की बजाय राज्य सरकारों पर ठीकरा फोड़ दिया। ट्रूडो ने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार का नहीं है बल्कि राज्य सरकारों को इस पर फोकस करना चाहिए।

दरअसल कनाडा में बीते कुछ सालों से हाउसिंग का संकट पैदा हो गया है। कई राज्यों में इस लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं, लेकिन ट्रूडो सरकार कहती है कि इसकी वजह बड़ी संख्या में विदेशों से लोगों का आना है। खासतौर पर दूसरे देशों के छात्रों के बड़ी संख्या में आने से घरों की मांग तेज हुई है। हाउसिंग संकट ऐसा है कि कनाडा में अब चर्चा होने लगी है कि जस्टिन ट्रूडो सरकार को कंजर्वेटिव पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ता है। जस्टिन ट्रूडो से बहस के दौरान उस शख्स ने कार्बन टैक्स पर भी सवाल उठाया।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की हत्या की साजिश रचने के आरोप में ब्रिटिश सिख को नौ साल की जेल

लंदन। 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए रानी की हत्या करने की धमकी देने वाले ब्रिटिश सिख को ब्रिटेन की एक अदालत ने नौ साल कैद की सजा सुनाई है। 21 वर्षीय जसवंत सिंह चैल ने इस साल फरवरी में विंडसर कैसल की दीवारों को तोड़ने और क्रिसमस दिवस 2021 महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को मारने की साजिश रचने की बात स्वीकार की थी। चैल ने सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में खुद को आंशिक रूप से स्टार वार्स फिल्मों से प्रेरित होकर रानी पर हमला करने की बात कही थी।

सैन फ्रांसिस्को बनेगा मेजबान, होगी जो बाइडेन और शी जिनपिंग की अगले महीने मुलाकात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि व्हाइट हाउस अगले महीने सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच आमने-सामने बैठक की योजना बना रहा है। दोनों देश अशांत संबंधों को स्थिर करना चाहते हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हाल के वर्षों में ताइवान, कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति, जासूसी के आरोप, मानवाधिकार मुद्दे और व्यापार शुल्क सहित कई मुद्दों के कारण संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। वरिष्ठ अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए अखबार ने उनमें से एक के हवाले से कहा कि बैठक की संभावना काफी पक्की थी। अखबार ने अधिकारी के हवाले से कहा कि 'हम योजना बनाने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने अखबार की रिपोर्ट पर विशेष रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। दूतावास के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा कि दोनों देश संचार में बने हुए हैं और उन्हें 'सद्भावना' सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। यह बैठक हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच अन्य उच्च स्तरीय बैठकों के बाद होगी, जिसमें जून में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जुलाई में ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन और अगस्त में वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो जैसे अमेरिकी अधिकारियों ने चीन का दौरा किया है। हाल ही में ब्लिंकन ने न्यूयॉर्क में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने माल्टा में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। बाइडेन और शी की आखिरी मुलाकात पिछले साल नवंबर में इंडोनेशिया में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी, जो बिडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी पहली व्यक्तिगत मुलाकात थी।

प्रिगोझिन के प्लेन में रखा था बम ! मौत, पुतिन का खुलासा, किसने मारा ?

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को सुझाव दिया कि जिस विमान दुर्घटना में अगस्त में वैगनर के भाड़े के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मौत हुई थी, वह विमान के अंदर विस्फोट करने वाले हथगोले के कारण हुआ था, न कि किसी मिसाइल हमले के कारण। निजी एम्ब्रेयर जेट जिस पर प्रिगोझिन सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा कर रहा था, 23 अगस्त को मास्को के उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो अन्य शीर्ष वैगनर हस्तियों, प्रिगोझिन के चार अंगरक्षकों और चालक दल के तीन सदस्यों सहित सभी 10 लोग मारे गए।

पुतिन ने विमान को अंदर से उड़ाए जाने का सुझाव देते हुए कहा कि रूस की जांच समिति के प्रमुख ने कुछ दिन पहले उन्हें रिपोर्ट दी थी। पुतिन ने सोची के ब्लैक सी रिसॉर्ट में वल्दाई डिस्कशन क्लब की एक बैठक में कहा कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के शरीर में हथगोले के टुकड़े पाए गए। विमान पर कोई बाहरी प्रभाव नहीं था यह पहले से ही एक स्थापित तथ्य है। पुतिन ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के दावों को खारिज कर दिया, जिन्होंने दुर्घटना के तुरंत बाद कहा था कि उनका मानना है कि इसे मार गिराया गया था।

पुतिन ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी कि

कैसे जहाज पर ग्रेनेड या हथगोले से विस्फोट किया गया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के शरीर पर शराब और नशीली दवाओं का परीक्षण नहीं करना जांचकर्ताओं की गलती थी। पुतिन ने कहा कि मेरी राय में ऐसी जांच की जानी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सेंट पीटर्सबर्ग में वैगनर के कार्यालयों की तलाशी में एफएसबी सुरक्षा सेवा को 10 अरब रूबल (.100 मिलियन) नकद और 5 किलोग्राम (11 पाउंड) कोकीन मिली थी।

नेपाल में हिंदुओं को पहली बार दौड़ा-दौड़ाकर मारा, बिगड़ते हालात के बीच यूपी के 7 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तेजी से बढ़ते तनाव के बाद दक्षिण पश्चिम नेपाल के शहर में लॉकडाउन लागू होने और सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद रात शांति से गुजरी। क्षेत्रीय केंद्र शहर नेपालगंज में सप्ताहांत में परेशानी तब शुरू हुई जब एक हिंदू लड़के ने सोशल मीडिया पर मुसलमानों के बारे में एक स्टेटस पोस्ट किया। मुसलमानों ने क्षेत्र के मुख्य सरकारी प्रशासक के कार्यालय भवन के अंदर स्थिति का विरोध किया, सड़कों पर टायर जलाए और यातायात अवरुद्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने बहराइच जिले की सीमा से लगे नेपाल के बांका जिले में हिंसा के बाद भारत-नेपाल सीमा से लगे राज्य के सात जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है। स्पेशल डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा, उत्तर प्रदेश पुलिस और सशस्त्र सीमा बल की जॉइंट गश्त बहराइच और नेपाल के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे छह जिलों में तेज कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारतीय क्षेत्र में हिंसा न फैले, सीमा पार आवाजाही रोक दी गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस भारतीय क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र सीमा बल और दूसरी केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी भेव के पांच जिले- बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और पश्चिमी क्षेत्र के दो जिले- पीलीभीत और लखीमपुर खीरी, नेपाल के साथ 599 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। बहराइच के स्कप्रशांत वर्मा ने कहा कि नेपाल के बांका जिले में मंगलवार को सद्भावना रैली के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी।

एक बड़ी हिंदू रैली आयोजित की गई जब तक कि प्रदर्शनकारियों पर पत्थर और बोतलें नहीं फेंकी गईं, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोग मामूली रूप से घायल हो गए। हिंदू विरोध प्रदर्शन पर हमले के बाद राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर (250 मील) पश्चिम में नेपालगंज में मंगलवार दोपहर से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। हिंसा की जो तस्वीरें सामने आई है, उसमें साफ

दिख रहा है कि कट्टरपंथी समूह छतों पर से हिन्दुओं पर पत्थर बरसा रहे हैं। हाथों में धार्मिक ध्वजा लिए हिन्दू भाग रहे हैं और छतों पर से उन पर ईंट-पत्थर बरसाए जा रहे हैं।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Saturday, 07 October 2023

पेरिस फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें आई सामने

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों पेरिस फैशन वीक 2023 में हिस्सा लेने के लिए पेरिस में हैं। फैशन वीक से ऐश की कई तस्वीरें सामने आईं हैं जो इस समय इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। यह वॉक एफिल टॉवर के पास रनवे के पास हुई। लुक की बात करें तो ऐश्वर्या गोल्डन कलर के गाउन में ग्लैमरस लग रही हैं। गया था। इसके साथ उन्होंने केप पेयर की थी जो उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना था। एक्ट्रेस ने ग्लैम मेकअप और ओपन हेयर्स से लुक को पूरा किया था। रैंप के दौरान कैमरे के सामने पोज देते हुए वह फ्लाइंग किस और विंक करती हुई भी नजर आईं जो उनके फैंस के लिए काफी सरप्राइजिंग था। इससे पहले ऐश फ्रांसीसी कॉस्मेटिक कंपनी लोरियल की इंडियन ब्रांड एंबेसडर होने के नाते प्रेस मीट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। इवेंट के पहले दिन के लिए ऐश्वर्या ने ऑल-ब्लैक लुक चुना था। उन्होंने अपनी ट्यूल ड्रेस के साथ एम्बेलिश्ड कोट पेयर किया था। विंग्ड आईलाइनर, ग्लॉसी लिप्स, ब्लश्ड चीक्स, हाईलाइटेड चीकबोन्स, खुले बालों और बूट्स के साथ अपने लुक को पूरा करते हुए एक्ट्रेस ने बॉस-लेडी वाइब्स बिखेरी थीं। ऐश की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि ऐश्वर्या इंडस्ट्री की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बच्चन खानदान की बहू की खबसूरती के चर्चे आज भी वैसे ही हैं जैसे 90 के दशक में हुआ करते थे।

रोहन श्रेष्ठ से ब्रेकअप के बाद श्रद्धा कपूर को मिला नया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का नाम पहले भी कई स्टार्स के साथ जुड़ चुका है। आशिकी 2 फिल्म के साथ श्रद्धा कपूर ने बॉलीवुड में खूब लोकप्रियता कमाई। लोगों ने उनको खूब पसंद किया। आशिकी के दिनों में ऐसी अफवाह थी कि वह आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। बाद में उनका नाम सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ के साथ भी जुड़ा। इसके बाद उनका नाम फरहान अख्तर के साथ भी जोड़ा गया था। अब ताजा रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा फिलहाल रिलेशनशिप में हैं। सूत्रों के मुताबिक श्रद्धा अब तू झूठी मैं मक्कार के को-राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन चर्चा काफी तेज है।

श्रद्धा कपूर तू झूठी मैं मक्कार के राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं

अपनी फिल्मों के अलावा, श्रद्धा कपूर की लव लाइफ अक्सर गॉसिप कॉलम में जगह बनाती रहती है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ से अलग होने के बाद चर्चा है कि अभिनेत्री को एक बार फिर प्यार मिल गया है। हाँ फिल्मफेयर के पोर्टल पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा 'तू झूठी मैं मक्कार' के को-राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। हालाँकि, अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, क्योंकि न तो श्रद्धा और न ही राहुल ने अपने अफवाह भरे रिश्ते को स्वीकार किया है या इनकार किया है।

विशेष रूप से, डेटिंग की अफवाहें तब उड़ीं जब दोनों को शहर में मूवी डेट के लिए एक साथ देखा गया। कुछ महीने पहले दोनों को एक थिएटर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। जहां अभिनेत्री सलवार कमीज पहने हुए अपने सिंपल लुक में नजर आईं, वहीं राहुल ने मैचिंग पैंट के साथ ऑलिव ग्रीन शर्ट पहनकर एक सौम्य लुक दिया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राहुल ने 'तू झूठी मैं मक्कार' के अलावा लव रंजन की पिछली फिल्मों में भी काम किया है, जिनमें 'प्यार का पंचनामा 2' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' शामिल हैं। दूसरी ओर, श्रद्धा अगली बार राजकुमार राव के साथ 'स्त्री 2' में अभिनय करेंगी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हॉरर कॉमेडी अगस्त 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'इक कुड़ी पंजाब दी' में हीर के किरदार को लेकर उत्साहित हैं तनीषा मेहता

'लग जा गले' और 'शुभ लाभ आपके घर में' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री तनीषा मेहता आगामी शो 'इक कुड़ी पंजाब दी' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने इसे प्यार और संघर्ष की एक मनोरंजक कहानी बताया। 'इक कुड़ी पंजाब दी' एक हाई-ऑक्टेन ड्रामा है, जो अपनी शक्तिशाली कहानी और अच्छी तरह से लिखे गए पात्रों के साथ दर्शकों को लुभाने का वादा करता है। डोम एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, यह शो एक दिलचस्प कहानी पेश करने के लिए तैयार है, जो अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से भरा होगा। पंजाब के कपूरथला रियासत पर आधारित यह शो एक जाट जमींदार परिवार में पैदा हुई एक खूबसूरत युवा महिला हीर ग्रेवाल की यात्रा का अनुसरण करता है। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता उनके परिवार की भलाई है।

हालांकि, उसके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उसकी शादी अटवाल परिवार में हो जाती है। जीवन बदल देने वाली एक घटना के बाद, हीर को अपनी आंतरिक शक्ति का इस्तेमाल करने, अन्याय का सामना करने और सच्चाई का दावा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस उतार-चढ़ाव भरी यात्रा के दौरान, उसे अपने बचपन के दोस्त रांझा का अटूट समर्थन मिलता है। रांझा का किरदार अविनेश रेखी निभाएंगे और हीर का किरदार तनीषा मेहता निभाएंगी। शो के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैं 'इक कुड़ी पंजाब दी' का हिस्सा बनने और हीर के किरदार को जीवंत करने के लिए उत्साहित हूं। यह प्यार, संघर्ष और दोस्ती के अटूट बंधन की एक मनोरंजक कहानी है।' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए खूबसूरत अभिनेत्री ने बताया, 'मेरे लिए, हीर निश्चित रूप से एक प्रेरणा है। मुझे यकीन है कि जब दर्शक उसे देखेंगे, तो उन्हें भी ऐसा ही महसूस होगा। मैंने हाल ही में अविनेश और बाकी लोगों के साथ अमृतसर में प्रोमो के लिए शूटिंग की। हमने कुछ कार्यशालाएं भी की, जिससे मुझे चरित्र को गहराई से समझने में मदद मिली।' उन्होंने कहा कि वह वास्तव में इस शो पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही हैं। 'इक कुड़ी पंजाब दी' का प्रीमियर जल्द ही जी टीवी पर होगा।

मुझे संगीत हमेशा से पसंद रहा है: वाणी कपूर

संगीत के प्रति अपने प्रेम के बारे में बताते हुए अभिनेत्री वाणी कपूर ने कहा, मुझे संगीत हमेशा से पसंद रहा है। हाल ही में न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान मुझे लगातार कुछ लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम देखने का मौका मिला। बता दें कि हाल ही में वाणी कपूर ब्रॉडवे के ओपेरा संगीत को देखने के लिए न्यूयॉर्क शहर गई थी। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, वॉर अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उन्हें हमेशा से संगीत पसंद रहा है और वह उसे बहुत प्रेरणादायक मानती हैं। उन्होंने आगे कहा, एक लाइव नाटक या संगीत इतना आकर्षक होता है कि प्रत्येक क्षण को मंच पर इतनी अच्छी तरह से निखारा जाता है कि इसे कभी दोहराया नहीं जा सकता। मैंने हमेशा हल्का, खुश महसूस किया है और मैं इससे रचनात्मक रूप से प्रेरित हुई हूं।

अपने बयान में उन्होंने कहा, ब्रॉडवे थिएटर में लाइव दर्शकों के साथ रहने की ऊर्जा खास है। ब्रॉडवे शो में वापस जाना जादू के लिए वापस जाने जैसा है, जो हर पल को वास्तव में अद्भुत और अद्वितीय बनाता है। ब्रॉडवे पर उन्होंने जो संगीत कार्यक्रम देखे उनमें एक भव्य प्रस्तुति में लोकप्रिय एनिमेटेड फीचर अलादीन का थिएटर प्रदर्शन शामिल था। यह दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक निर्माण मनोरंजक ढंग से माइम से प्रेरित है, जहां पात्र दर्शकों से सीधे बात करते हैं।

उन?होंने उसके एक दिन बाद संगीतमय सिक्स देखी, जिसे सिक्स ़ ए पॉप कॉन्सर्ट के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह संगीत पॉप कॉन्सर्ट शैली में प्रस्तुत किया गया था। उनका अंतिम संगीतमय प्रोग्राम टोनी पुरस्कार विजेता प्रोडक्शन एमजे के साथ पूरा हुआ। यह शो मशहूर डांस आइकन और किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन के शानदार जीवनकाल के मार्मिक क्षणों और क्लासिक गानों से भरपूर है। वाणी कपूर दो अलग-अलग परियोजनाओं में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी।

'गणपत' का पहला गाना 'हम आए हैं' हुआ रिलीज, टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री

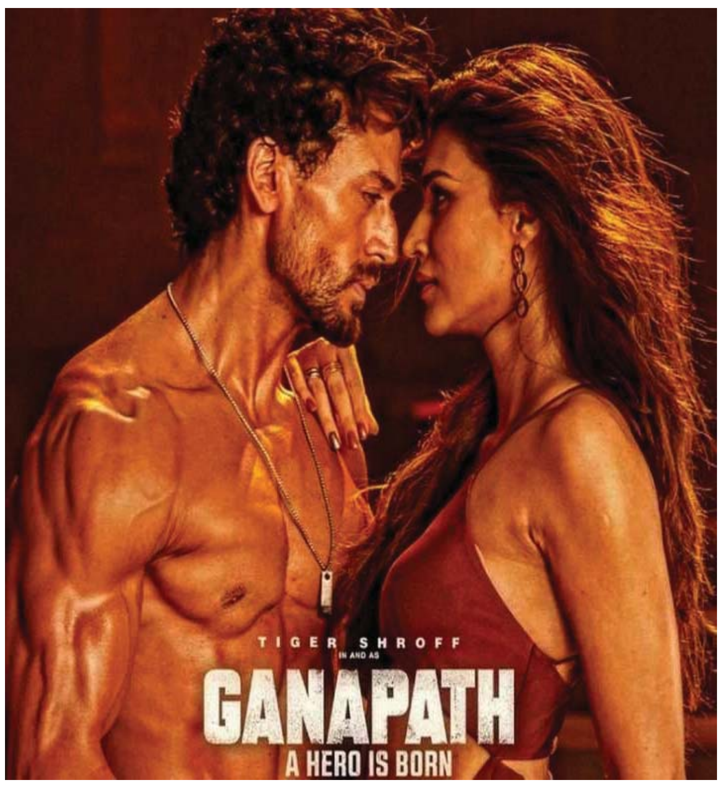

बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गणपत' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। वहीं अब 'गणपत' का पहला गाना 'हम आए हैं' रिलीज हो गया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन का सेंसेशनल डांस देखने को मिल रहा है। यह गाना पार्टी सॉन्ग है, इस गाने में टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की सिज़लिंग केमिस्ट्री और शानदार डांस मूव्स, अट्रेक्टिव चेन हुक-स्टेप ने लोगों का दिल जीत लिया है। गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इस गाने पर रिल्स भी बननी शुरू हो गई। इस गाने को सिद्धार्थ बासुर और प्रकृति कक्कड़ ने गाया है। गाने के लिरिक्स प्रिया सरैया ने लिखे हैं। वहीं म्यूजिक व्हाइट नोइज स्टूडियो ने दिया है। गुड कंपनी के सहयोग से पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और विकास बहल द्वारा निर्देशित 'गणपत' का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

भूमि पेडनेकर की बोल्डनेस ने उड़ाए होश, इतनी रिवीलिंग ब्रालेट पहने दिए किलर पोज

भूमि पेडनेकर अपने किलर हॉट लुक के कारण इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों में हमेशा ही दमदारी अदाकारी से दर्शकों का खूब दिल जीता है. ऐसे में उनकी हर फिल्म के लिए चाहने वाले बेताब रहने लगे हैं. वहीं, एक्ट्रेस की किलर अदाएं भी हर दिन इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं. अब फिर से भूमि ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं.लेटेस्ट फोटोशूट में भूमि ने चेन पर टिकी ब्रालेट के साथ जालीदार पैंट को पेयरअप किया है. एक्ट्रेस ने बहुत बेबाकी से अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया है.एक्ट्रेस ने इस लुक को सटल बेस, ग्लॉसी लिप्स और ग्लिटरी स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. वहीं, उन्होंने बालों को ओपन रखा है और कानों में गोल्ड ईयररिंग्स पहने हैं.भूमि इस लुक में बेहद हॉट और बेबाक दिख रही हैं. फैंस की नजरें उनके किलर लुक पर टिक गई हैं. चाहने वाले उनकी तारीफों के पुल बांधते थक नहीं रहे हैं. खासतौर पर भूमि के कर्वी फिगर ने भी सबका ध्यान खींचा है.भूमि की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो इस समय एक्ट्रेस थैंक्यू फॉर कमिंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इसके अलावा भूमि भक्षक, द लेडी किलर और मेरी पत्नी के रीमेक पर बन रही फिल्मों को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं. हर फिल्म में भूमि का एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा.